रजिस्ट्री सं • डी-(डी)-73



प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 27]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 7, 1979 (आषाढ़ 16, 1901)

No. 27] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 7, 1979 (ASADHA 16, 1901)

इस क्रापा में किन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

ाग III—बन्द 1

PART III-SECTION 1

13

-(D)-73

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संध लोक सेवा आयोग, रेल दिभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालगों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Normications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Supordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक संबा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 मई 1979

सं० ए० 12019/5/74-प्रणा ा II— प्रध्नाक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एम० एस० छावडा को 1-6-79 से 31-8-79 तक की अविध के लिए या आगामी आदेशों तक, इनमें जो भी पहले हो तदर्थ आधार पर वरिष्ट विश्लेषक के रूप में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री एम० एस० छात्रज्ञा, वरिष्ट विग्लेयक, संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग वाह्य पद पर पति नियुक्ति पर रहेगे ग्रीर उनका वेतन वित्त मन्वालय के समय-नमय पर पथामंगोधिन का० ज्ञा० सं० 10 (24)—ई० III/60 दिनोक 4-5-61 में उन्लिखिन उपभव्यों के ग्रनुसार विनियमित होगा।

> णग० बालबन्द्रन, अवर संचित्र, कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

सं एं 12019 75-प्रणाः II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतन्द्रारा सर्व तीक नेवा आयोग के कार्यालय में निकास जिल्ली सहायक अवस्थिकों (हालरिथ) को 2-6-1979 से 31-8-1979 तक की अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी (त० सं०)

के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं:---

- 1. श्री एस० पी० वंसल
- 2. श्री बो० ग्रार० गुप्त
- 3. श्री एम० एम० गर्मा

मं० ए०-12019/2/78-प्रणा० II—पाचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनु-सन्यान सहायकों (हिन्दी) को उसके नाम के सामने निर्दिष्ट अविध के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ

-136GI/79

(5131)

आधार पर कनिष्ट श्रनुसन्धान ग्रीधकारी (हिन्दी) के पढ़ों पर स्थानापन्न रूप में कार्ग करने क जिए नियुक्त करते हैं।

	THE STATE OF THE PARTY OF THE P
ऋमसं० नाम	श्रव[ध
श्रीसती सुधा भागव श्री चन्द किरण	2-6-79 में 31-8-79 नह 2-6-79 में 31-8-79 नह
 अ। पन्दाकरण अ। जे० एन० एन० त्यागी 	28-5-79 7 27-8-79
	नक

एरा० बालवन्द्रच, ग्रवर सचिवः क्रुते पंचिव

गृह मन्दान्य

नर्ष्ट दिल्ली-110001, दिनांक 26 जुम 1979

सं० 14029/7/79-गृग० ई०-II--- हम मन्त्रालय की तारीख 22 फरवरी, 1979 की ग्रधिसूचना संख्या 14019/ 7/79-एन० ई०-II के कम में, राष्ट्रपति उत्तर पूर्वी परिषद सचिवालय, शिलांग में श्री एव० गृहा की सलाहकार (पण-पालन) के रूप में तदर्थ आधार पर नियक्ति की अवधि वर्तमान गतौं पर 31 दिसम्बर, 1979 तक बढ़ाते हैं।

> ग्स० गम० परमार, अवर तिचय (मी०प्राई०)

> > Aco. No.

Date of

कार्यिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग (केन्द्रीप अन्वेषण व्यरो)

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 जन, 1979 मं० ए-1901 4/3/78-प्रशासन-५---राव्ह्यात विकास

से गृह भरवालय के केटदीय अन्ववालय येवा संवर्ग के व्यक्ति somed अधिकारी श्री एए० के० चयवान को दिनांक 1-6-र Pagaint Transfer मे दिनांक 16-8-78 (पूर्वाञ्च) नह को अवधि के लिए तन्ताय अन्तेषण व्यूरो में तदर्थ आधार पर स्थाःपन्न प्रगातनि । अधि-कारी नियुक्त करते हैं।

> ही गा ए बाहनी, प्रणामिक प्रधिकारीः (अधार :

महानिदेणाणाय केन्द्रीय रिजी पुलिस गर नई दिल्ली-110001, प्राप्त 11 पुन 1979

मं० भी० दी० । १०३२/७५-एया १५० - पठानिदेश रू भेरदीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीकारि) ज्योदपन। सार्व नायनः को

29-5-79 के पूर्वाह्म में केवल तीन माह के लिए ग्रथवा उस पद पर निर्देशित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारी ख न त. केन्द्रीय रिजर्व पुलिय बल पें किनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के परपर तर्थ रूप में नियक्त किया है।

दिनांक 18 जन 1979

मं० प्रो० दो० 1100/78-स्थापना -- महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्न पुलिस बल ने डाक्टर (शोधनी) मंगला राजन को 5-6-79 के पुर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियमित होने तक इनमें जो भी पहले हो उस नारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बज में कनिष्ट विकित्सा ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

> ए० के० बन्धोपाध्याय, महायक निदेशक (प्रशासन)

> > पी० पद्मनाभ,

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 जून 1979

मं० 11/1/78-प्रणा०-1---राष्ट्रपति, इस कार्यालय की नारीख 21 फरवरी, 1979 की सममंख्यक अधिस्वता के अनुक्रम में केरज में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में प्रन्वेषक श्री गय० जयगंकर को उसी कार्यालय में महायक निदेशक, जनगणना कार्प (तकतोकी) के पद पर, पूर्णतः अस्थाई और **तवर्थ** नियुक्ति कां प्रविधिको नारीखा 1 अप्रैल 1979 से नारीखा 10 अप्रैल, 1979 तक पतर्भ बदाते हैं । श्रो जयशंकर का मखपालय विवेदम Division. 101)

> भारत के महावंजी कार <u>दिनां</u>क 15 नई 1979

हा० ग्रह्मे० प्रशासन-III/79 /23 (क) (2) ----डा मनार लेखा परोक्षा सगठन के स्थानो लेखा परिवीक्षाधिकारी श्री बाठ एल० चोपडा ने क नेशनल अर्मल पावर कार्पोरेशन ति । (भारत साधारका **उद्यम**) में लोक हिन में दिनांक पहली प्रांत । 1978 ने स्थापो स्था जिल्लान होने पर उनको केसि० से० .पेंगर) (१४मध्यपे), 1972, के नियम 37 को शतीकि अनुपार *ामरा राज्य व भरवारी विकास विवृत्त विमास वासा है*।

> लछमन निह, सयकत (निदेशकः (मृख्यान्यः)

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली दिनांक 15 जून 1979

सं० 40011(1)/76/प्रशा०-II--िनम्निलिखित लेखा ग्रिधिकारी, श्रपनी सेवानिवृत्ति श्राय् प्राप्त कण् लेने पर, प्रत्येक के सामने लिखी तारीख के श्रपराह्न में, पेंगन स्थापना को श्रम्नित कर दिए गए थे।

क० सं०	नाम रोस्टर संख्या	week Property and General Service		ग्रेड	पेनशन स्थापन को स्रंतरित की तारीख	ा संगठन
1	2	(3	4	5
 सर	र्मश्री				<u></u>	
1. ऋार	० एल० अर्घा(स्रो/59)	•	,	स्थानापन्नलेखा ग्रह्मियारी	31-7-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
2. वी०	भी० श्रार्या (श्रो/216)			स्थानापन्न लेखा मधिकारी	31-8-78	—
3. ग्रो०	पी० शर्मा (अर्गे/33)			- उ क्न - -	318-78	·~ - 'उक् त
4. वी०	एन० कोहली (पी/118) .	•		स्पाई लेखा शिखकारी	30-9-78	~~- उक्त- ~
5. एम०	एल० छिब्बर (भ्रो/62)	•		स्थानागञ्च लेखा श्रधिकारी	31-10-78	उ प ्त
6. हर च	रिन सिंह (पी/299)			स्थाई लेखा ग्रधिकारी	31-10-78	-
7. पी०	एल० भाटिया (पी/169)				30-11-78	~ उक्त
8. कें ० १	एन० बी० कृष्णन (पी/390)			~- 3वन	31-12-78	~ - जक्त
9. डी०	वी० बहल $(41/444)$.				31-12-78	·
10. सूरत	भिंह (पी/584) . .			उक्-ए	31-12-78	
	द्र कुमर्ग्यो / 180)			स्थाना स्निलेखा अधिकारी	31-12-78	उ न्त
12. एन०	अल्याणामुन्दरम् (पी/41)	•		स्थाई लेखा श्रधिकारी	311278	नक्षा लेखा नियक्षक, पेंशन, ज्लाडाबाद।
13. म्राई	· एन० मेठ (भ्रो/228) .	_		स्थानाणन्न लेखा मधिकारी	3112-78	
	एम ० कपूर (पी/599)			स्थाई लेखा अधिकारी	31-12-78	<u></u>
· ·	म्रार० गांगुली (भ्री/138)			स्थानायन नेखा प्रधिकाणी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेनिण इलाहाबाद
16. धनन्य	जय दत्त (पी/84)	•		स्याई लेखा ग्रधिकारी	31-12-78	लेखा [े] नियंत्रक (फॅक्टरी), कलकत्ता।
17. जी०	एम ः भाभे (पी/255) .	•	•	 उक् त्	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक (नीमेना)बम्बई।
18. एस०	पद्मानाभन (पी/75) .	•	•	उक्त——		्क्षालेखानियंत्रक,दक्षिणी भाग, पुना।
19. के०ा	एस० के० एस० नम्बियार (स्रो/262)		-	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी		रक्षा लेखा नियंतक (ग्रन्य (श्रेणी) दक्षिण मद्रामा
20. ψου	स्र राय (पी/88) .	•		स्याई लेखा श्राधकारी	31-1-79	नेखा नियंत्रक (फैक्टरी) कलकत्ता।
21. बी०	बी० घोष (पी/89)			'उक्त	31-1-79	
22. सूवि	न्दर सिंह् (पी/438 [°]) .				31-1-70	
~	है • बैनर्जी (म्री/265) .			स्थानाप न्न लेखा ग्र∫धकारी	31-1-79	उक्त
	ाल भल्ला (पी/37) ं .	•		स्थाई लेखा अधिकारी		रक्षा लेखा नियंत्रका, पेंगन इलाहाबाद ।
25. ग्रो०	पी० कन्मल (पी/232) .			⊶- उक्त 	31-1-79	रक्षा लेखा (तयंत्रक, मध्य कमान, भेरठ।

1	2		_		3	4	5
 सर्वश्री		_~_					··— — -—- ——
26. बी० ग्रार	० गुप्ता (पी/503)				उभ्त	31-1-79	 उब त
27. रणधीर रि	पह् (पी/585 ⅓	•			उक्त	28-2-79	⊸ उ क्त
28. एन० के०	कुलकर्णी (पी/164)				 उक्त	31-1-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य श्रेणी) उत्तर मेरठ।
29. अमरनाथ	ा (पी/249) ⊦				—— उ क्तं —	31-1-79	उ क्त
30 के०वी०	राघवन (पी/70)	•	•	•	उक्त	31-1-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु भेना) देहरादून।
31. ए० एस०	प्रय्यम् (पी/395)		•	•	उक्त ्र	31-1-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
32. एघ० बी०	एस० चन्द्रा (श्रो/121)			स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-79	—–उक्त
33. एच० एल	» मार्मा (पी/101)				स्थाई लेखा ग्राधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा नियंवक, उत्तरी कमान जम्मू छावनी
34. जगदीश च	न्दर (पी/258)		•		स्था ई लेखा ग्रधिकारी	31-1-79	रक्षालेखा नियंत्रक उत्तरी कमान जम्मू छावनी।
35. पी० ए ल ०	शर्मा (पी/434)		•		−⊷उक्त⊷	28-2-79	उक्त
36. के० परमेक	बरन नायर (स्रो/339))	•		स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रकः, (नौ- भेना) बम्बई।
37. टी० एस०	रामन (पी/206)				स्थाई लेखा भ्रधिकारी	28-2-79	 341
38. वी० जी० ग	नंगेकर (पी/ 2 97) .				उ क्न	28-2-79	उक्त
39. आर० वेंक	टारमानी (पी/110)			•	—–ॲ क् त'—–	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान,पुना
40. भुलबीर बं	मा (पी/244)		•		∃र्कन्	28-2-79	रक्षा लेखा नियत्नक्रि (पेंशन) इलाहाबाद ।
41. म्निल कुम	ार घोष (पी/154)				⊶- -3क्न	28-2-79	लेखा नियंत्रक (फैंक्ट्री) क ल कत्ता।
42. ए० नरमि	न्हामूर्ति (पी/125)		•		 -उक्त <i>-</i>	28-2-79	
43. बी० लक्ष्मी	वाराहन (पी/63)			-	ाक न्	28-2-79	- उक्त
	ापर्शण (श्रो /298)			•	स्यानापन्न लेखा श्रधिकारी	28-2-79	उन्त
	स (पी/332)				स्थाईलेख ग्रधिकारी	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना
46. संतोष कुमा	ार सेनगुप्त (पी/18)				⊸– उक्त⊶⊷	28-2-79	लेखा नियंत्रक (फैक्टरी) कलकत्ता।
47. श्री राम भ	Tर्गव (स्रो/116)	4	•	•	स्थान।पन्न लेखा ऋधिकारी	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून।
48. जगदेव पार	न मेहरा (पी/428)		•		स्थाई लेखा ग्रधिकारी	28279	-
					उन्त	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रिधि- कारी) पूनाा

^{2.} इस विभागीय श्रिधसूचना संख्या $\pm 0011(2)/78/श्रिणा-क दिनांक 5-8-78 में पैरा <math>2$ के रूप में निम्निखित जोड़ा जाता है:---

[&]quot;श्री प्रेम चन्द्र गर्मा, स्थाई लेखा ग्रधिकारी (पी/645) को रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी गमान, मेरठ छावनी द्वारा दिनांक 4–5–78 से 31–8–78 तक 120 दिन की मेवानिवृत्ति पूर्व छुट्टी प्रदान की गई है।

^{3.} केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंगन) नियमावली 1972 के नियम 40 (1) के उपबन्ध के अधीन स्वेच्छा से दिनांक 14-8-1978 (अपराह्म) से सेवानिवृत्त होने के लिए दिनांक 15-5-78 (अपराह्म) से तीन माह की सूचना दिए जाने तथा रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली द्वारा उक्त सूचना स्वीकृत किए जाने के फलस्वरूप, श्री टी० के० महप्रवृद्धि, स्थाई लेखा अधिकारी (पी/433) जो कि भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, पावर प्रोजेक्ट तथा सेवा मुख्यालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर ये तथा जो

रक्षा लेखा विभाग में प्रत्याविति होने पर उक्त कार्यालय में दिनांक 25-6-1978 (ग्रपराह्म) को कार्यभार में मुक्त हुए थे, दिनांक 14-8-1978 (ग्रपराह्म) में मेवानिवृत्त हो गए हैं तथा वे दिनांक 15-8-1978 (पूर्वाह्म) से पेंगन स्थापना को स्थाना-न्तरित कर दिए गए हैं।

वे रक्षा लेखा नियंत्रक प्रधिकारी, पूना क्षारा दिनांक 26-6-1978 (ग्रपराह्म) में उपस्थित रिजर्टर में ले लिए गए हैं तथा उन्हें उक्त कार्यालय द्वारा दिनाक 26-6-1978 से 8-8-1978 (44 दिन) तक ग्राजित छुट्टी तथा दिनांक 9-8-1978 से 14-8-1978 (6 दिन) तक ग्रर्ध वेतन छुट्टी प्रदान की गई है। छुट्टी की यह श्रवधि सूचना-श्रवधि के साथ साथ चलेगी।

> एस० एन० चट्टोपाध्याय, रक्षा लेखा उप महानियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 11 जून 1979

सं० 32/79/जी०—राष्ट्रपति, श्री रवी कुमार पाल जे० डी० को सहायक प्रजन्धक (परखाविध पर) के पद पर दिनांक 6 जनवरी, 1979 में नियुक्त करते हैं।

मं० 33/79/जी०—-राष्ट्रपति, श्री तपम कुमार दत्ता को सहायक प्रबन्धक (परुखावधि पर) के पद पर दिनांक 6 जनवरी, 1979 में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जून 1979

सं० 31/79/जी०--राष्ट्रपति जी भारतीय भ्राईनेन्स फैक्टिंग्यां सेवा से श्री एम० एच० चन्द्रन् स्थानापन्न उप-महा प्रवन्धक (मौलिक एवं अस्थाई प्रवन्धक) का त्यागपन्न दिनांक 25-11-78 (भ्रापराह्न) से स्वीकृत करते हैं।

> वी० के० मेहता, सहायक महानिदेशक

त्राणिज्य, भागरिक भ्रापूर्ति एवं सहक्तारिता मंत्रालय (त्राणिज्य विभाग)

मुख्य नियंवक, श्रायात निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1979 त्रायात एवं निर्यात क्यापार नियंवण (स्थापना)

मं० 6/1302/79-प्रणासन (राज)/4457—राष्ट्रपति, श्री पी० एम० ए० हकीम, भारतीय प्रणासनिक सेवा (महा-राष्ट्र) 1969 को 7 मई, 1979 के दोपहर पूर्व से अगला ग्रादेश होने तक बम्बई में सयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

> सी० वेंकटरामन, मुख्य नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1979 सं० 6/1261/78-प्रणासन (राज०)/4376—इस कार्यालय की ग्रधिसूचना संख्या-6/126/78-प्रशासन- (राज०) 1092, दिनांक 31 जनवरी, 1979 का आणिक संशोधन कर. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न नियंत्रक, श्रायात-निर्यात श्री के० एस० सहस्रानमन को सेवा निवृत्ति से पूर्व श्रवकाण से लाँटने के पण्चात् 12 दिसम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से स्वेण्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की श्रनुमति दी गई थी।

2. यह कार्यालय म्राधिसूचना संख्या-6/1261/78-प्रशासन (राज०)/1092, दिनांक 31 जनवरी, 1979 का म्राधिकमण करता है।

राजिन्दर सिंह उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात

उद्योग मंद्रालय

(भ्रौद्योगिकः विकास विभाग)

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 मई, 1979

सँ० 12(347)/62-प्रशासन(राजपत्रित)--राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी के श्री एम० ए० बारी, उप निदेशक (ग्राई० एम० टी०) को दिनांक 6 श्रप्रैल, 1979 (पूर्वाह्म) में लघु उद्योग सेवा संस्थान, मोलन में ग्रेड-II, (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में तदर्ध श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 मई 1979

मं० 12(71)/61-प्रशासन (राजपित्रत)—-राष्ट्रपित, श्री के० एल० पालित, उप निर्देशक (यांत्रिक) के रूप में स्थाई श्रिधकारी तथा क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, कलकत्ता में तदर्थ निर्देशक, ग्रेड-II (धातुकर्म) को दिनांक 31 दिसम्बर, 1978 (श्रपराह्न) में निर्वतन की श्रायु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा में मेवानिवृत्त होने की श्रनुमित प्रदान करते हैं।

सं 12(83)/61-प्रशासन (राजपितत)--श्राई० टी० ई० सी० प्रोग्राम के श्रधीन सिचल्स में विशेषक्र के रूप में दो वर्ष की श्रवधि के लिये प्रतिनियुक्ति होने पर,श्री एफ० ए० रयान ने दिनांक 27 अप्रैल, 1979 (श्रपराह्म) में क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, मद्रास में निदेशक ग्रेड-II (सामास्य प्रशासनिक प्रभाग) पद का कार्यभार छोड़ दिया। सं० 12(380)/62-प्रशासन (राजपन्नित) — रसायन तथा उर्वरक विभाग, पेट्रोलियम, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, नई दिल्ली में परियोजना श्रधिकारी (उर्वरक) के रूप में नियुक्ति होने पर श्री जे० बालसुग्रमनियन ने दिनांक 6 श्रप्रैल, 1979 (श्रपराह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलीर में उप निदेशक (रसायन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018/318/77-प्रशासन (राजपित्रत)— योजना श्रायोग में वरिष्ठ श्रन्वेषण श्रधिकारी के पद पर तैनाती होने पर, श्री एस० एन० राषवन ने दिनांक 30 अप्रैल, 1979 (अपराह्म) से विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (सांख्यिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए०-19018/370/78-प्रशासन (राजपित्तत)— राष्ट्रपति, श्री जोगिन्दर कुमार ग्रार्थ को दिनांक 17 मार्च, 1979 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश तक, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, राउरकेला में उप निदेशक (यांदिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> महेन्द्र गुप्त, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1979

सं० प्र० 1/1(1139)/79—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा आफीसर कमांडिंग, ए० एफ० एम० एस० डी०, बम्बई के कार्यालय के अस्थाई भण्डार अधिकारी (सिविलयन) (स्थाई एम० एस० एस०) श्री बी० पी० टंडन को दिनांक 26 मई, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड 2) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जून 1979

सं० प्र०-1/42(25)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशक एतद्दारा निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से पद के महे स्थाई रूप से नियुक्त करते है:—-

ऋम सं० तथा पद	श्रिधिकारी का नाम		क्त किया	पुष्टिकी तारीख
1	2		3	4
(प्रशास	ा० शाहु, महायक नि सन) (ग्रेड-II) निष देशालय, कलकत्ता	ी- शक	ायक निदे- (प्रशासन प्रेड H)	

1	2	3	4
शक	े डी॰ राभ्रो, सहायक निदे- (प्रणासन) (ग्रेड II)पू॰ । नि॰ नि॰, बम्बई	सहायक निवे- शक (प्रशासन) (ग्रेड-11)	1-6-78

दिनांक 15 जून, 1979

सं प्र प्र प्र 1/1 (888) — राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक (मुकदमा) श्री सुधीर चन्त्रा को दिनांक 4-6-79 के पूर्वाह्म से तथा ग्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय में सहायक निदेशक (मुकदमा) ग्रेंड 1 के रूप में श्रस्थाई रूप से श्रस्थाई पद के मद्दे नियुक्त करते हैं।

कृषण कियोर, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रणासन प्रनुभाग 6)

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1979

सं० प्र० 6/247(580)—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए की धातुकर्म शाखा के ग्रेड 3 में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) श्री एस० के० पाण्डे को दिनांक 14 जुलाई, 1977 से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए की धातुकर्म शाखा के ग्रेड-2 में उप निदेशक निरीक्षण (श्रातु) के पद का स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० के० पाण्डे ने निरीक्षण निदेशक (धातु) टाटानगर कार्यालय के अधीन उप निदेशक (धातु) राउरकेला के कार्यालय में 13-7-77 के प्रपराह्म से सहायक निरीक्षण (धातु) का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 14 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्म से बर्णापुर निरीक्षणालय के श्रधीन दुर्गापुर में उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार संभाल लिया है।

पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 11 जून 1979

सं० ई-II(7):—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1979 की श्रिधसूचना सं० ई-II(7) में वर्ग 2—नाइट्रेट मिश्रण के अधीन ''श्रल्फाडाईन'' प्रविष्टि के पश्चात् ''श्रमेक्स'' जोडा जाये।

इंगुव नरसिंह मूर्ति मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पान ग्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016, दिनांक 12 जून, 1979

मं० 3270वी/ए-19012 (एम० भी० एम०)/78-19 ए--श्री मोहिन्दर पाल सिंह को सहायक भूवैज्ञानिक के खप में भारतीय भूवैज्ञानिक गर्वेक्षण में 650 क० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 क० के वेतनमान में, स्थानापन क्षमता में, श्रागामी आदेश होने तक 26 मार्च, 1979 के पर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 3283 बी/ए 32013 (1-महायक भूवैज्ञानिक)/ 78-19 ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तक-नीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री दुर्गा प्रसाद दास को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेण होने तक 2 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्म से पदोन्ननि पर नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी, महानिदेशक

भारतीय जान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 16 जन 1979

सं० ए० 19011/233/78-स्था० ए---संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिंग से राष्ट्रपति श्री सी० पी० श्रम्बेश को दिनांक 5 मई 1979 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बालगोपाल, कार्यालय भ्रध्यक्ष, भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 11 जून 1979

सं० सी०-5513/718-ए---श्री के० वी० कृष्णामूर्ति, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक (700-900 क० के वेतनमान में) प्राक-प्रदर्शी मानचित्र उत्पादन संयंत्र, को के० मी० भट्टाचार्य स्थापना एवं लेखाधिकारी, प्राक-प्रदर्शी मानचित्र संयंत्र, के तारीख 1 फरबरी, 1979 से दो माह के श्रवकाश पर चले जाने पर, उसी कार्यालय में 1 फरबरी, 1979 से 840-40-1000 द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में स्थापना एवं लेखाधिकारी (सा० के० से० ग्रुप वी०') के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

किशोरी लाल खोसला मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक नियुक्ति प्राधिकारी

श्राकाणवाणी मिहानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1979

सं० 10/8/78-एस० तीन—महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एतदद्वारा श्री राजीव गर्ग को, दिनांक 26 श्रप्रैल, 1979 (पूर्वाह्म) से, श्रगले श्रादेशों तक, श्राकाणवाणी, भोरखपुर में श्रस्थाई श्राधार पर, सहायक श्रीभयन्ता के गद पर नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी, प्रणासन उपनिदेशक **इते** महानिदेशक

दूरवर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 मई 1979

मं० ए -19016(17) 78-एस०-1---महानिदेशक दूरक्षर्गन एतद्द्वारा श्री एस० के० कौशल, प्रसारण निष्पाधक, दूरदर्शन केन्द्र लखनऊ को 7 जनवरी, 1979 (श्रपराह्म) से स्रग्रेतर श्रादेशों तक उसी केन्द्र में श्रस्थाई श्राधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एच० सी० जयाल, प्रणासन उपनिदेशक, इसे महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 ज्न 1979

सं० ए० 12026/23/78-(एस० डी०) प्रणासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक के महालेखाकार, मणिपुर, इम्फाल के कार्यालय में लेखा प्रधिकारी के पद पर कार्य कर रहे श्री ए० के० दत्ता को 31 मार्च, 1979 प्रपराह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक भारत सरकार के सीरम विज्ञानी तथा रसायन परीक्षण के कार्यालय, कलकत्ता में लेखा ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

2. मुख्य लेखापरीक्षक दक्षिण पूर्वी रेलवे, कलकत्ता के कार्यालय में ध्रपना परावर्तन हो जाने पर श्री के० सी० जाना ने 31 मार्च, 1979 श्रपराह्न से भारत सरकार के सीरम विज्ञानी नथा रसायन परीक्षक के कार्यालय में लेखा श्रिधकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

भाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक /15 जून 1979

सं० ए० 32014/1/79-भण्डार-1—स्वाग्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री रत्तन सिंह को 23 श्रप्रैल, 1979 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार करनाल में सहायक डिपो मैनेजर (ग्रुप बी राजपतित) के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

एस० के० कथांक, उप-निदेशक प्रशासन

उप-निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 4 अप्रैल 1979

सं० पी०ए०/73(13)/78-आर.० 4——ितदेशक, भाभा पर-माणु श्रनुसन्धान केन्द्र, डा० (श्रीमती) चन्द्रप्रभा सत्यप्रकाश मित्तल को, इस श्रनुसन्धान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में 7 मार्च 1979 के पूर्वात्न से 5 अप्रैल 1979 के श्रपराह्न तक बिल्कुल श्रस्थाई रूप से निवासी चिकित्सा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 श्रप्रैल 1979

सं० पी०ए०/73(16)/78-प्रार०-4—निदेशक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, डा० (श्रीमती) ग्रमृता मिसरी को, इस श्रनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में, 4 ग्रप्रैल 1979 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेशों तक, श्रस्थाई रूप से निवासी चिकित्सा ग्रधिकारी सियुक्त करते हैं।

> एस० रंगनाथन ं उप स्थापना ग्रिधिकारी (श्रार०)

बम्बई 400085, दिनांक 18 मई 1979

सं० 5/1/79-स्थापना 11/1906---नियंत्रक, भोभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के श्राने लिखी अवधि के लिये, तदर्थ श्राधार पर स्थाना-पन्न सुरक्षा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं:--

				
ऋम ं	नाम तथा	स्थानाप न्न निपक्ति	ग्रवधि ——-	
सं०	पद 		ं से (पूर्वाह्न)	तक (श्रपराह्न)
-	 श्री के० एस० रावत, पुरक्षा ग्रधिक	महायक सुरक्षा ऋधिकारी गरी	27-7-77	23-9-77
2. 8	त्री डी० एन० ग्रधान, सहाय पुरक्षा ग्रधिक	> सुरक्षाग्रधि- क कारी	6-8-77 17-9-77	14-9-77 10-11-77

दिनांक 23 मई 1979

सं० 5/1/79-स्थःपता 11/1958—ित्तयंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र, श्री एस० डी० भोंसले, सहायक लेखा श्रिधिकारी को, दिनांक 18-12-1978 से 20-1-1979

की अविधि के लिये, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न लेखा प्रिध-कारी II नियुक्त करते हैं।

> कु० एच० बी० विजयकर, उप स्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऋजी विभाग विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग मुम्बई-5, दिनांक 27 शप्रैल 1979 .

सं० पी० पी० ई० डी/3(283)/76-प्रणासन/7488-— इस प्रभाग की तारीख 1 मार्च, 1979 की समसंख्यक श्रधि-सूचना जिसके श्रन्तर्गत भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस प्रभाग के स्थानापल सहायक लेखापाल श्री पी० बसु को 26 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्म से 18 प्रश्रैल, 1979 के प्रपराह्म तक के निये इसी प्रभाग में महायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त किया गया था, के कम में 5 मई, 1979 के श्रपराह्म तक के लिये उसी पद पर श्रस्थाई रूप से कार्य करने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

दिनांक 19 मई 1979

मं० पी०पी० ई० डी०/3(236)/79-प्रशा०/8796— विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के निम्नलिखित कर्मचारियों को 1 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न से अगले श्रादेश तक के लिए उसी प्रभाग में श्रस्थायी रूप. में वैज्ञानिक श्रिधकारी/इंजीनियर-ग्रेड "एस बी" नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	वेतमान ग्रेड	स्थायी पद यदि कोई है तो
— स	 र्वश्री		
1. वी	० पी० महाजन	नक्शानवीस ''सी	J *
2. श्री	एस० आर० पेंधा	^{प्रतृ} रवहीं	
3. एन	० एफ० दास्वाला	वैज्ञानिक सहा-	वैज्ञानिक सहायक
		यक" सी"	''बी''
4. एस	० एस० घरोड़ा	। −−बही−−	वर्हा
5. एन	० पी० पिल्लै	 वहीं	स्थायीवत् बैज्ञा-
			निक सहोयक
		•	'बी'
6. श्री	एस० दुरेराजन	⊸वही 	वही ⁻

दिनांः ४ जुन 1979

मं० पी० पी० ई० डी०/3(283)/78-प्रणा०/9005---इम कार्यालय की तारीख 18 खर्येल, 1979 की श्रिधिसूचना, जिसके अनुसार इस प्रभाग के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री एन० सुष्ण कुमार की 30 मार्च, 1979 से सहायक लेखा अभिकारी नियुक्त किया गया था, को देखने की कुपा की जाए 5 श्री सुष्णकुमार, सहायक लेखा अधिकारी को 22 मार्च, 1979 के अपराह्म से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर प्रयावनित किया जाता है।

दिनांक 12 जुन 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3(262)/76-प्रणासन 9452— भियुत प्रायोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक एसद्-द्वारा इस प्रभाग के स्थायी प्रवरण कोटि लिपिन श्री एन० टी० वारवानी को जून 7, 1979 के पूर्वाह्न से जुलाई, 13 1979 तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कामिक श्रीध-कारी के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं। यह नियुक्त सहायक कामिक श्रीधकारी श्री श्राप्ट० सारंगपाणी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए है।

> ब॰ (व॰ **ध**त्ते, प्रशासन श्रिधकारी

कय भ्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-40001, 13 जून 1979

सं० सं० क० म० नि०/2/1(19)-77 प्रशासन/16117-निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० डी०
काण्डपाल, सहायक भंडार प्रिधकारी को प्रवकाण स्वीष्टत
होने के कारण इस निशालय के प्रस्थायी भंडारी श्री जी०
सी० गुप्ता को स्थापनापन्न रूप से सहायक भंडार प्रधिकारी
के पद पर रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880
40-1000-द० रो० 40 1200 के तन क्रम में दिनांक 14-5-79
से 16-6-1979 तक तदर्ष रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त
करते हैं।

सी० वी० गोपासकृष्णन महायक कार्मिक श्रधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 13 जून 1979

सं० भाषाप/स्था०/1/जे०-6/1798—भारी पामी परियोजना के, विशेष कार्य-श्रिधकारी श्री जे० एल० जैन, श्री श्रू-लिपिक (वरिष्ठ), भारी पानी परियोजना (कोटा) को उसी परियोजना में श्री के० टी० जोस, सहायक कार्मिक श्रिधिकारी के छुट्टी पर जाने के कारण उनके स्थान पर 14 दिसम्बर, 1978 से 9 फरवरी, 1979 तक के लिए तदर्थ श्राधार पर श्रस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक श्रिक्षकारी नियुक्त करते हैं।

ग्रार० सी० कोटियनकर प्रणासन श्रधिकारी रिऐंकटर अनुसंधान कड़

कलपासकम, दिलांक 31 मई 1979

सं० धार० धार० सी०/पी० एफ०/3193/79-8640-रिएक्टर ध्रनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, परमाणु
ऊर्जा विभाग के केन्द्रीय संवर्ग में राजस्थान परमाणु विद्युत
परियोजना के स्थायी सहायक कार्मिक ध्रिधकारी श्री तिन्दीवानम सुन्दरेश विश्वनाथन श्रय्यर को 26 मई, 1979 के
पूर्वाह्र से श्रगले ब्रादेश तक के लिए रिएक्टर ध्रनुसंधान केंद्र
में प्रशासनिक श्रिधकारी-II नियुक्त करते हैं।

पी० वी० सोमनाथन मुख्य प्रशासन श्रधिकारी ऋते परियोजना निदेशक

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 15 जून, 1979

मं० ६० (1)00622--भारत मौसम विज्ञान विभाग के दिस्सी में भौसम विज्ञान के उपमहानिदेशकः (उपवारण) श्री जार्ज एक्षेक्जेंडर सरकारी सेवा में निदर्तन की श्रायु १२ १६६ने पर 31 मई, 1979 के श्रपराह्म में सरकारी सेवा में निवृत हो गये।

सं० स्था० (1)04048—भारत मौसन विज्ञान विभाग के प्रादेशिक मौसम केंद्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय के सहायक मौसम विज्ञानी श्री जी० एन० दास का 3 अप्रैल, 1979 को निधनहो गया।

> गुरुमुखराम गुप्सा निवेशक इते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1979

सँ० ए० 32014/4/78-ई० सी०—महानिदेश नागर विमानन ने श्री के० एल० कर्माकर, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, पटना, को दिनांक 30-4-1979 (पूर्वा) से नियमित शाधार पर सहायक संचार श्रिष्ठकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है श्रीर इन्हें क्षेश्रीय निदेशक दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा उप निदेशक प्रशासन

नई दिस्ली, दिमांक 6 जून 1979

सं० ए० 12026/1/79-ई० एस०—-राष्ट्रपति ने भारतीय बायुसेना के निम्नलिखित प्रधिकारियों को स्थानांतरण पर दिनाक 8-5-79 (पूर्वाक्ष) से ग्रीर भन्य श्रादेश होने तक नःगर विमानन विभाग में पायलट/सह-पायलट के ग्रेष्ट में प्रजिनियुक्ति के प्राधार पर नियुक्त किया है जैसा कि उनके नाम के मामने दिया गया है :--

- (i) स्क्वाइजन लीडर जे०जे० जोसफज पजेयलटज
 - (ii) स्क्वाड्रन लीडर के० एस० राणा सह-पायलट

सं० ए० 38013/1/79-ई० ए०---निवर्तन श्रायुप्राप्त कर लेने पर श्री ए० एस० जदेजा, विमानक्षेत्र श्रिधकारी, सिविल विमानक्षेत्र, राजकोट, दिनांक 31 मई, 1979 (अपराह्म) को सरकारी सेवा में निवृत हो गए हैं।

> वी० वी० जोहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 8 जून 1979

सं० 1/83/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्दारा मुख्य कार्यालय, बम्बई के पश्यात लेखावार श्री ए० के० वर्मा को श्रल्पकालिक खाली स्थान पर 16-4-1979 से 17-6-1979 (दोनों दिन समेत) तक की श्रवधि के लिए तदर्थ श्राधार पर स्थानापम रूप से परियात लेखा श्रिधकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/363/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्दारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्रं: मार्बस फर्नाण्डेज को तदर्थ श्राधार पर श्रत्पवालिक खाल जगह पर 15-11-1978 से 11-1-1979 (दोनों दिन समेत) तक की भविध के लिए और नियमित श्राधार पर 2 श्रप्रैल, 1979 से भागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/367/79 स्था०—बम्बई शाखा के उप परियात प्रबंधक, श्री ग्रार० एल० मेनेझेस निवर्तन की ग्रायु के ही जाने पर 31 मार्च, 1979 की ग्रयराह्म सेवानिवृत हो गए।

दिनांक 11 जून 1979

सं० 1/430/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा देहरादून शाखा के श्रधीक्षक, श्री नारायण सिंह को 2 श्रत्रेल, 1979 के पूर्वाह्म से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से महायक प्रशासन श्रिध-कारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/452/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा स्विचन समूह, बम्बई के तकन की सहायक, श्री एच० बाल सुब्रह्मफ्यन को 4 मई, 1979 के पूर्वाह्म की श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर उसी कार्यालय में स्थान पन्न का से सहायक श्राभियंता नियमत करते हैं।

> पा० कि० गोवन्द नायर निदेशक (प्रणा०), कृते महानिदेशक

बम्बई बिनांक, 11 जून 1979

सं० 1/35/79-स्था०--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के वरिष्ठ फोरमैन, श्री एम० के० धवन को 2 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्म में और आगामी आदेशों तक नियमित आधार पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य यांत्रिक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/51/79-स्था०—िनिवेश संचार सेवा के महा-निवेशक एसद्द्वारा श्री उदय कुमार सिन्हा को 16 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से श्रीर श्रागामी श्रावेशों तक वि० प्र० श्रनुभाग पूणे में श्रस्थायी रुप से सहायक श्रभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/311/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेश के एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री ए० एस० पाएस को एकदम तदर्थ ग्राधार पर ग्रत्मकालीन खाली जगहों पर 1-11-78 से 23-12-78 तक ग्रीर 21-2-1979 से 31-3-1979 तक को श्रवधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न कुप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

> एच० एल० मलहौता, उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर-440001, दिनांक 13 जून 1979

सं० 3/79 --श्री बी० बी० पोरे, प्रवरण श्रेणी निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, ने, उनको ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, श्रेणी "ख" के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 27-4-1979 के पूर्वीह्म से श्रधीक्षक, श्रार० बी० सी० केन्द्रीय उत्पाद शुरुक प्रभाग-II नागपुर का कार्यभार संभाल लिया।

एस० के० घर समाहर्ता

निर्माण महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1979

सं० 33/5/78-ई० सी० 9---निर्माण महानिदेशक, कं० ली० नि० वि० ने संघ लोह सेवा ग्रायोग द्वारा निम्नलिखित नामितीं को महायक वास्तुक के ग्रस्थायी पदीं पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द०

रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके भागे लिखी तारीखों से नियुक्त किया जाता है।

ऋ० सं० नाम सहायक वास्तुक वेतन टिप्पणी के पद पर ६० सर्वश्री नियुक्ति की प्रतिमाह तारीख

- 1. एस॰एन॰ सेगल 31-5-79 650/→ इन का बेतन जल्द ही (पूर्वाह्म) नियमानुसार पुननियत किया जायेगा
- 2. घरम सिंह 21-5-79 650/- --वर्हा---(प्रपराह्म)
- दोनों श्रधिकारियों को सहायक थास्तुकों के नाते उनकी नियुक्ति से 2 वर्ष की श्रवधि तक परिवीक्षा पर रखा जायेगा।

3. श्री एस० एन० सेगल की तैनाती वरिष्ठ वास्तुक (एच० एन्ड टी० पी०) I एकक के० लो० नि० वि० श्रीर श्री धरम मिह की तैनाती वरिष्ठ वास्तुक (खाद्य) VI एकक, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली में की जाती है।

कृष्णा कान्त प्रशासक उपनिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1979

सं० 27-ई० / टी० (15) / 78-ई० सी० II---इस विभाग के श्री के० सी० त्यागी, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) का जून 5, 1979 को देहान्त हो गया । श्री त्यागी निर्माण सर्वेक्षक II के पद पर कार्यालय मुख्य इंजीनियर श्रहणाचल प्रदेश, न्यू ईटानगर में काम कर रहे थे।

वी० म्रार० रत्तू उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक (निर्माण)

उत्तरी रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक जून 1969

सं० 11—परिचालन एवम विपणन विभाग के निम्न-लिखित प्रधिकारी उनके नाम के सामने दी गई तिथि से ग्रंतिम रूप से रेल सेवा से निवृत हो गये हैं।

सर्वश्री

- 1. वी०पी० दूबे, एस०सी० ओ० (जी०) एच 31-1-79 प्रपराह्न
- 2. डी० गार० भास्कर, ए० टी० एस०/

ए० एस० ग्रार० . 31-1-79 ग्रंपराह्न

प्रीतम सिंह ए० एस० | पी०सी०|
 एच० | क्यू० 31-3-79 प्रपरा ह्न

- 4. टी० मार० ए० प्रकाश एस० एस० दिल्ली 30-4-79 मपराह्म
- 5. वामन सक्षमण डीं ० एस० ग्रो०/मुरादा-

बाद . . . 31-5-79 प्रपराह्म

एच० पी० गुप्ता,

क्रुते महाप्रबन्धक (कार्मिक)

मद्रास, दिनांक 12 जून 1979

सं० 3620/लिक्वि०/560/79—यतः महाराजन एंड कंपनी प्रा० लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) जिनका रिजस्ट्रीहत कार्यालय 176, हाइ रोड, तिस्नेल्वेलो में है, का समापन किया जा रहा है।

श्रीर यतः प्रधोहस्ताक्षरित यह विष्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रखता है कि समापना कि काम संपूर्ण हो चुका है
श्रीर यह कि लेखा विषरणियों से समापक द्वारा विये जाने के
लिये ग्रेपेक्षित है, यह कमतः छः मास के लिये नहीं हो गयो
है, ग्रतः जब कंपनी श्रीधनियम 1956 की धारा 560 की
उपधारा (4) के उपबधों के अनुसरण में एतद्द्वारा सुचितिकिया
जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के ध्रयसान
पर महाराजन एण्ड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्यिडेशन) का नाम यित इसके प्रतिकृत हेतुक दिशत नहीं किया
जाता है, तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर कंपनी
विघटित कर दी जायगी।

या० सत्यनारायण कंपनियों का सहायक रजिस्ट्रार, मद्रास

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

श्रहमदाबाद-380009, दिनांक 14 जून 1979

सं० 21/1784/लिक्विडेशन—कम्बर्ना श्रिधिनियम 1956 की धारा 445(2) के श्रधीन मेसर्स कैथमंगलम चीट फंड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कम्पनी ग्ररजी नं० 13/1976 में भहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के ताीख 20-11-1978 के ग्रादेश द्वारा मेसर्स कथमंगलम चीट फंड प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन का ग्रादेश दिया गया है।

> जे० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक गुजरात अहमदाबाद

कस्पनी श्रिधिनियम 1956, श्रीर पांडिचेरी केमिकल्स प्राइ-वेट लिमिटेड के विषय में ।

पांडिवेरी, दिनांक 14 जून 1979

सं० 59----कम्पनी प्रधिनियम 1956 घारा 560 उपधारा (5) की प्रनुसार एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि पांडिकेरो केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम झाज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

> एस॰ ग्रार॰ वी॰ वी॰ सत्यनारायना कम्पनियों का रजिस्ट्रार पांडिचेरी

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिख्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1979

सं० सी० आई० दी० समन्वय/पिक्ल 0/विल्ली-1/77-78/7229-नीचे उन व्यक्तियों तथा हिन्दु ग्रविभक्त परिवारों के नाम की सूची दी गई है जिनका निर्धारण विलीय वर्ष 1977-78 के दौरान 10 लाख रुपए से ग्रधिक के धन पर हुन्ना है।

- (एक) में ''श्राई'' व्यक्ति की हैसियत का तथा ''एच'' हिन्दु अविभक्त परिवार का सूचक है तथा (दो) में कर निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणों में दिखायी गयाधन (चार) में कर-निर्धारित धन (पांच) में निर्धारितों द्वारा देयकर (छह) में निर्धारिती द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है :---
- (एक) श्रंगिरा देवी, 4634, श्रजमेरी गेंट, दिल्ली (1) आई (2) 1970-71, 1971-72, 72-73, 73-74, 74-75 और 75-76 (3) 1313218, 119852, 204250 (-) 551213 (-) 364996 (-) 235761 (4) 1619760, 1500465, 1389459, 1125486, 1293690, 1629775, (5) 26640, 64804, 58731, 23197, 28244, 50342 (6) 26640, 64804, 58731, 23197, 28244, 50342 (
- (दो) देश राज गुप्ता, 4634, ध्रजमेरी गेट दिल्ली (1) ध्राई (2) 1974-75 (3) 13056 (4) 1263691 (5) 22911 (6) 21458।
- (तीन) हरोश कुमार अग्रवाल 40,42, जनपथ, नई दिल्ली (1) आई (2)1977-78(3)1237898(4)1297590, (5) 21040 (6) 21040।
- (चार) आर॰ बी॰ पटेल, मार्फत मोहिन्दर पुरी ऐंड कं॰ चार्टेड एकाउन्टेंट्स, कनाट प्लेस नई दिल्ली (1) आई (2) 1968-69, 69-70, 70-71, 72-73, (3) 1545069, 16 24463, 931700, 1052561 (4) 1790901,

2236517, 1379554, 1684004 (5) 22818, 39096, 16489, 44720, (6) 15001, 30081, श्रूप्स, 26017।

क० न० बुटानीः, श्रायकर श्रायुक्त दिल्ली-1, नई दिल्लीः

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1979

सं० 106--श्री विशेन सिंह हैयांको (एस० टी०) भ्रायकर निरीक्षक, भ्रायकर कार्यालय, नैनीताल को भ्रायकर भ्रधिकारी, वर्ग "ख" के पद पर भ्राफीसिएट करने के लिए ६०650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिलांक 30-10-1978 के पूर्वाह्न में विशेष कार्य अधिकारी, कार्यालय भ्रायकर श्रायुक्त, लखनऊ के हमें में कार्यभार संभाला।

सं० 107—श्री सिया राम विपाठी, भ्रायकर निरोक्षक भ्रायकर कार्यालय, फतेहपुर को भ्रायकर श्रधिकारी, वर्ग "ख" के पद भ्राफीसिएँट करने के लिये ६० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदी-भ्रत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 30-10-78 के पूर्वीह्म में कर बसूली श्रधिकारी, गोरखपुर के रूप में कार्यभार संभाल।

सं० 108—श्री संगम लाल श्रीवास्तवा, श्रायकर निरीक्षक, कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त, इलाहाबाद को श्रायकर श्रिष्ठकारी वर्ग ''ख'' के पद पर श्राफिसिएट करने के लिए ए० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोश्रत किया गया है। पदोश्रति कपर उन्होंने दिनांक 30-10-1978 के पूर्वाह्म में श्रायकर श्राधिकारी, संग्रह, कार्यालय श्रायकर श्राय

सं 109—-परमानन्द कन्सल, श्रायकर निरीक्षक कार्यालय निरीक्षो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (लेखा परिक्षा) लखनऊ को भ्रायकर भ्राधिकारी वर्ग "ख" के पद पर भ्राफिसिएट करने के लिये इ० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने 8-12-78 अपराह्म में भ्रायकर भ्रधिकारी ना गई सैना प्राप्त न कार्यकर भ्रधिकारी ना गई सैना प्राप्त न कार्यकर भ्रायकर भ

एस० के० लाल भ्रायकर भ्रायुक्त, लखनऊ प्ररूप भाई • टी ० एन ० एस •--

ायह**र मधिनायम, 1961 (1961 का 43) की धा**रा **269च (1) के मधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यानय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III दिल्ला-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून, 1979

निर्बेण मं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-III -79/355-भतः मुझे, डी० पी० गोयल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ा 43) (जिसे
इतमें इसके पणात, 'उन्त अधिनियम' कहा गया है),
हो धारा 269-ख के भ्रधान सक्षम प्राधिकारी को एक
विधास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
इतिन जाजार मूल्प 25,000/- ६० में प्रधिक है
और जिसकी सं० एम० सी० डी० नं० 104 प्लाट नं०
198 है तथा जो गांव गोंखली, भ्राजाद नगर, कृष्ण नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री।तो भ्रधिकारी के वार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के श्रधीन, तारीख 24-10-1979

को (विकास निर्माण उति विवास स्पूर्ण में अम के दूष्ण नात प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्णमान पिक्कल में, ऐसे दृष्णमान प्रतिफल का पन्द्र । प्रतिफत से अधिक है और धन्तरिक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्त्रिलिखत उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वासाविक इन न स्थित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त भिक्षित्यम, के धर्धान कर देने के ध्रम्बर्ट के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धार/या
- (वा) ऐसी जिसी आप या जिसी छन या ग्रम्य भास्तियों को जिंग्हें भारतीय पायकर भिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्तियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व पन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रता भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. श्री ग्रमर सिंह पुत्र श्री साहिब सिंह गुलगन सिंह बनाम गुरचरन सिंह पुत्र श्री ग्रमर सिंह निष.सी ई-3, ईस्ट ग्राफ कलाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)।
- मै० विक।स कंस्ट्रकणन कं० इनके पार्टनर श्री बी० पी० गोयल के द्वारा निवासी एफ० ~3/25, कृष्ण नगर, दिल्ली। (ग्रसरिती)।

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्ज सम्पति के सर्वन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के धर्मन के संबंद में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की मादिश्व पा तत्क्षम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की श्रविश्व, जो भी श्रविश्व बाद में भागत होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों से से किसी क्यक्ति दारा,
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रम्य स्थित होरा, सधीह्तस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्जी का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उन भश्याय में विया गया है:

अमुसुधी

एक मकान जिसका म्यूनिसिपल नं० 104 है ग्रीर प्लाट नं० 198 है जो 300 वर्ग गज के प्लाट के ऊपर बना है ग्राजाद नगर (नजदीक छुष्ण नगर जो गांव गोंडली का एरिया, इलाका माहदरा दिल्ली-51 है निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्वः गली पश्चिमः सङ्क

उत्तर: प्लाट नं० 196 दक्षिण: प्लाट नं० 200।

> डी० पी० गोयल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारी**ख**: 23-6-1979

प्रक्ष चाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मिलांग मिलांग, दिनांक 27 फरवरी, 1979

निर्देश सं० ए० 212/कि० एम० जे०/78-79-प्रतः सुझे, रवीन्द्र नाथ बरा पायकर पिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे असमें इसके पश्चास् 'उयस अधिनियम' महा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/कि॰ या अधिक है और जिसकी सं० 14770/91 वेशवाना तालुक मो० वाचिल है तथा जो परगना कुशीरकुल मौजा बनामाली में स्थित (श्रीर इससे उपाबख श्रनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करीम गंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 3-11-1078 को

पूर्वोक्त सम्यति के उतित बाजार महस्य से कथ के बृश्यनान विकल के लिए अश्वरित की गई है जौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पत्थह प्रतिशत प्रक्रिक है और अग्तरक (अग्तरकों) भीर भन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरक के लिए तय पाकः गया प्रतिकत, निम्नलिक्त उद्देश्य से अग्त अग्तरण लिखित में बास्तिक रूप से सम्बर्ग मिला कित जुंदिय से सम्बर्ग मिला कित में बास्तिक स्व से स्वित सम्बर्ग मिला गया है:——

अम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत दक्त अधि-नियम, के भधान कर दन के भन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे जबने में सुविधा से लिए। भीर/मा

(का) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिनाने में सुविधा के लिए।

पतः घर, उन्त अधिनियम का घारा 269-ग के प्रनृ-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-वृकी उपवारा (1) के बन्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—=

- 1. श्री जोतिनमय साहा, कलकत्ता (धन्तरक)
- 2. श्री पिजुश कान्ति बानिक, 2'श्री मनोज कान्ति बानिक विक्काम चाद स्कूल रोड़, करीमगज।

(म्रन्तरिती)।

को यह स्वता बारों करके पूर्वीका सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस पूजना के राजरत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जा उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया सवा है।

अनुसूची

जमीन का माप 7 (सात) कट्टा (बगाली) एक पुराना श्राप्ताम प्टाइप मकान के साथ जो करीमगज में कछार (भ्रसम) जिले के एम० एम० रोड़ नामक स्थान में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बरा सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रप्जेन रेंज, शिक्षांग

तारीख: 27-2-1979

से मधिक है

प्रस्प आई+ टी+ एन+एस+-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शिलांग, दिनांक 4 श्रप्रैल, 1979

निदेश सं० ए० 215/जी० एल० जी०/78-79/2-3-प्रतः मूझे, राजेन्द्र नाथ बरा,
धायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूह्य 25,000/- इपये

ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० पी० सं० 1 दाग सं० 437 है तथा जो भोंग चींग, मावखोग्रा मौजा नारागांव, गोलाघाट टाउन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय गोलाघाट में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीव ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में वास्तिक रूप ये कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई कियो प्राप की वाबत, उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (श्व) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य झास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

भतः सव, उक्त भन्निविषम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भन्नितिषम, की धारा 269-म को उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तित्रों, अर्थात् :→→

- 1. श्री निरमलेश्वर चालिया, गोलाघाट (ग्रन्तरक)
- 2. श्री अरुण कुमार हाजारिका, स्व० महेश्वर हाजारिका के पुत्र, कृष्ण नगर, गोलाघाट टाउन के वार्ड नं० ६। (म्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की बारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवता किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त गर्वो घोर पर्दो का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं घर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन का माप 1 (एक) बिगहा 2 (दो) कट्ठा 10 (दस) लसा जी कृष्ण नगर, गोलाघाट टाउन के माब-खोधा मौजा, शिवसागर जिला (ग्रसम) में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ धरा सक्षम प्राधिकारी सहामक घायकर घासुबत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग 1

ता**रीख: 4-4-19**79

मोहरः

भारत सरकार

हार्थालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

णिलांग, दिनांक 4 भ्राप्रैस, 1979

निर्देश सं० ए०-216/जी० एल० जी०/78-79/89-अतः गूझे, राजेन्द्र नाथ बरा जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० पी० सं० 1 श्रौर वाग सं० 437 है तथा जो भोग चौंग, नारागांव गोलाघाट टाउन में स्थित है (श्रौर इससे उपावब श्रनूसूची में श्रौर पुर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय गोलाघाट में, रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक्क है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में बास्तविक रूप से काका नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्राधि-नियम, के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दाकित्व में कमी करने या उससे वक्ने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अस्य ग्रास्तियों को, दिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भनः भव, उक्त ार्जनसम्म की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त स्विनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्वीत निम्निजित स्वित्यों, भवीत :--

- श्री प्ररुण कुमार हुन।रिका स्व० महेववर हुआरिका के पुत्र गोलाघाट टाउन के कृष्णनगर वार्ड सं० ६ । (श्रन्तरक)।
- 3. श्री मोतीलाल यग्रजाल स्व० शामनाथ श्रग्रवाल के पुत्र गोलाघाट टाउन, वार्ड स० १ । (श्रन्तिग्ती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उन्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्यत्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त प्राव्दों भीर पढ़ों का, जो उक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही घर्ष होगा, को उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप। (एक) बिगहा 2 कट्ठा 10 (वस) लसा जो ऋष्णनगर, मावखोआ मौजा गोलाधाट टाउन, शिवसागर जिला (असम) में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बर। सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, शिलांग 1

तारीख: 4-4-1979

भोहर:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 जून 1979

निदेश स० 4900—यतः मुझे, श्रो० धानद्राम धरमकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख कि संक्षीन मधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-कार्ष्य से ग्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० 27/77-84-ए (पारट) है, जो रनधे घोटर स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोरम्बट्डर (डाक् मेंट सं० 3135/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्ट्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण कि स्वित में वास्तविक इप से क्ष्मित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के श्रघीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रिधनियम या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रव उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रभीन निम्निजिबित व्यक्तियों अर्थीत :—
3—13601/79

- 1. श्री। श्रीमती। कुमारी कें नेजप्प चेट्टीयार के कुटण मूर्ति (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रा० आर० सुदंरलाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बंधी क्यिक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 क्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण:--्समें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुमुची

भूमि श्रौर निर्माण 27/77-84 ए रनघे घोटर स्ट्रीट कोयम्बटूर (पारट) (डाक्मेंट सं० 3135/78)

ग्नो० ग्रानंद्राम सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 12-€≇79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , मब्रास

मद्रास, दिनांक 12 जन, 1979

निवेश सं० 4900--यतः, मुझे, ओ० श्रानद्रांम **अ**गयकर ग्रंघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० 27/77--म्रारा (पारट) है, जो रनघे घोडर स्ट्रीट, कोयम्बटूर में स्थित है (घोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्र (डाक्मेंट सं० 3136/76) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्ट्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए ग्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐमे मन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से जबत प्रन्तरण निविता में बास्तविक ऋष ने कथित नहीं कियागया है: --

- (क) प्रस्तर्गसंहई कियों प्रायं का बाबत, उक्त आधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: ग्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिबित व्यक्तियों, प्रवति:--

- श्री के० नंजप्पा चेट्टीयार के० कृष्णमूर्ति (अन्तरक)
- 2. श्री एन० ग्रार० सरस्वती ग्रम्माल (भ्रन्तरिती)।

को यह सुबना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्मिल के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर मूचना की तामीस से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्तिद्वारा ;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य स्थनित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उनत मिश्वनियम के भव्याय 20 क में परिभाषित है, वही भ्रषे होगा जो उस भ्रध्याय में दियां गया है।

ग्र**न्स्**ची

भृमि भ्रौर निर्माण 27/77,---प्रारा (पारट) रनधे घौडर स्ट्रीट, कोयम्बतूर (डाकुमेंट मं० 3136/78)।

> श्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

प्रकप धाईं ही एन एत ---

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म (1) के संधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 12 जून 1979

निदेश सं० 8379—यतः, मुझे, ओ० ध्रानंद्राम क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका जवित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 62, हैं, तथा जो मारियम्मन कोयिल स्ट्रीट, कारेखल में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कारेखाल (डाक्सट सं० 561/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख को श्रक्तूबर, 1978

अधीन, तारीख की श्रक्तूबर, 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे मई विक्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके
बृक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृग्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों)
के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नतिखित
उद्देश्य से सकत अन्तरण निवित्त में बास्तिबक कप से कवित नहीं
किया गया है:—

- (क) प्रत्यारण से हुई जिल्ही मान की बाजत उक्त मिंक नियम, के भंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किंग्य गया वा किया धाना चाहिये था, खियाने में मुनिधा के सिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

- श्रो रामवन्द्रन चेटियार ठनपाल चेटियार रामलिनगम (ग्रन्तरक)।
- 2. श्री हाजी एस० के० टी० मोहम्मद मुलदान एम० ६० हबूका उम्मान। (ग्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रिशोइस्ताक्षरी के पास लिचित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: —इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भश्याय में विका गया हैं।

प्रमुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण 62, मारियम्मन कोविल स्ट्रीट, कारैखाल (डाकूमेंट सं० 561/78)

भ्रो० न्नानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज , मद्रास

तारीख: 12-6-1979

मौहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 6743—यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत श्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं०एम० सं० 29/1 ए० 2 है, जो पल्लावरम

भ्रीर जिसकी सं०एम० सं० 29/1 ए० 2 है, जो पल्लावरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पल्लावरम (डाक्मेंट सं० 2284/78) श्राईटम सं० 118-123 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना श्राहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत् :---

- 1. श्री एस० एस० पलनियव्यन (प्रन्तरक)।
- 2. श्री के० श्रार० मीनाकषी सुन्दरम, के० श्रार० करुष्पैया, के० श्रार० ग्रन्नामर्लं, के० श्रार० एस० ए० करुष्पत चेट्टीयार, के० श्रार० पलिन्यप्पन, के० ग्रार० सात-लिनयम। (श्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उनल ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि निर्माण एस० सं० 29/1 ए० 2(पारट) पल्ला-वरम (डाकूमेंट 2284/78) (श्राईटम सं० 118-123/78) श्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

प्रांख्य आई० टी० एन० एस∙--

ग्रायकर **पाधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 8387—यत:, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियमं कहा गया है), की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकाणों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 391, 397, 298, 399, 400, 401, 403, 404, 406, 407, श्रार० एस० है, जो सं० 84, श्राकृषंघारट ग्राम, पाडिचेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण का में विणित है), रिजिन्हों कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रवृलघारट, पाडिचेरी (डाकूमेंट सं० 1107/78) में मारतीय रिजिन्हों करण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1978 पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितिक के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रितिक से, ऐसे दृश्यमान श्रितिक का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरिक (श्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भिध-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारती। आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिएथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: —

- 1. श्री पोरे० राचेनद्रिन (श्रन्तरक)।
- 2. श्रो रामपेरुमाल (ग्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सग्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

च्यव्हीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त भीध-नियम, के श्रष्ठवाय 20-क्र में परिभाषित हैं वही भागें होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि प्रार० सं• 396, 397, 398, 399 400, 401, 403, 404, 405, 406, 407, ग्रार० एस० सं० 84, प्रकृतवारट ग्राम, पाडिचेरी।

> श्री० श्रानंद्राम सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर मिश्रनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 8376—यत:, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० है, जो लाप्पूर तोने स्ट्रीट, पाडिचेरी में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पुर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पाडिचेरी (डिक्स्मेंट सं० 1832/78) रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16') के श्रधीन, तारीख अक्तूबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत प्रधि-तिबम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या प्रस्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रज, उक्त श्रिधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण मैं, उक्त के श्रिधिनियमकी धार 269-म की उपचारा (1) भीम निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- मुलखराज पुत्र श्री गुरादित्ता मल श्रीमित बिमला पत्नी श्री जगजात सिंह राय नियासी आबादी भक्त सिंहपुरा, सुल्तान विंट, अमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. वरणजीत कौर पत्नी श्री दोवान सिंह निवासी 1/10 गुरू नानक देव युर्विसिटी, अनृतसर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

न्यव्होकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों भौर पदों का, जो उन्त श्रिधिनियम, के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूम श्रीर निर्माण लाष्पुर स्ट्रोट पाडिवेरी (डाकूमेंट सं० 18 32/78)।

> भ्रो० आनंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रंज-11, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

भोहर:

प्रकप पाई० टी॰ एन० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज- , नद्वास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

िदेश सं० 8375—यतः, मुझे, श्री० श्रानंद्राम धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के श्रमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपए से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 57, है जो पच्चेयप्पा मदली स्ट्रीट, कुम्ब-कोनम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कुम्बकोनम (डाक्सेट सं० 1819/78) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रक्तुबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिक) भौर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपश्रारा (1) के अधीन विस्तिविधित व्यक्तियों, श्रवीत्:---

- 1. श्री के० राघवाचारियार। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रार० मल्लीखा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्राजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रिधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

भूमि श्रौर निर्माण 57, पच्चैयप्पा मुदली स्ट्रीट कुम्बकोनम (डाक्मेंट सं० 1819/78)

> ं श्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1979

निदेश मं० 8402--पतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ब्रीर जिसकी सं० एस० सं० 491/1, ब्रीर 491/2 (पार्ट) है, जो पेरोयकुलम ग्राम दिवेल्नूर तालुक में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिवेल्लूर (डाक्मेंट सं० 3110/ 78) में रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

मत: घव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) भी निमनलिखित व्यक्तियों, सभीत:---

- 1. श्री दी० मेकलक इंस्ट्रमेंटस श्रीर फारमाचुटिकग्रस लिमिटेड, शाहाबाद इनवेस्टमेंडंस श्रीर ट्रेडर्स (पी०) लिमिटेड। (श्रन्तरक)।
 - 2. श्री एन० बालसुन्नमनीयन । (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुमूची

भूमि ग्रौर निर्माण एस० सं० 491/1 ग्रौर 491/2 (पार्ट) पेरीयकुलम ग्राम दिवेल्लूर तालुक।

ग्री० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख**ै**: 12-6#69

प्रक्ष भाई • टी • एन • एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 296-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निवेश सं० 6747—यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन मक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- च॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13, हैं जो नारत कसेंट रोड, मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ट्री० नगर, मद्रास (डाक्मेंट सं० 1142/78) में भारतीय रिजिस्ड्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख शक्ष्त्रबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बूश्वमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया अया प्रतिफल, निस्तिचित उद्देश्य से सकत भन्तरण लिखित में बास्तिक क्या में कथित नहीं किया गया है:——

- (ह) प्रश्नरण ने हुई किसी प्राय की वाबन 'उक्त भिष्ठितियम' के भ्रष्ठीन कर देने के अध्वरक के दायिक्य में कमी करने या उग्रसे ध्याने में सुविधा के लिए; भीर/पा
- (॥) ऐसी किसी आयया किसी धनया प्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिधिनियम, गा धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं शन्तिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुखिधा के निए;

- श्री लारसन और ट्रयूको एमप्लाईज को० श्रापरैटिब सोसाइटी (श्रन्तरक)।
- 2. श्रीमती श्रोय० जी० पी० पारतसारती, श्री एस० कृष्तमूर्ति, श्रीमती लकष्मी (श्रन्तरिती)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की धविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की धविष्ठ, को भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितवस किसी धन्य व्यक्ति द्वारा; प्रक्षोत्त्वस्वाक्षरी के बास सिवित में किये वा सकेंगे।

स्पादशीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनस श्रक्षित्रियम के प्रश्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 13, नारत कसेंट रोड़, मद्रास-17 (डाकूमेंट सं \circ 1142/78)

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 11, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

प्रका प्राई०टी० एन० एस०----

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269थ(1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निवेश सं 4924—यतः, मुझे, ग्री० ग्रानंद्राम शासकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7/28, टवृन हेडकुवाटरस रोड़ है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पुणं रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाक्सेंट सं० 3359/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तुबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है भीर पन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीज ऐसे धन्तरण के लिए तय पावा गया अतिफल, जिम्मिसिस नहें को उच्त धन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किस महीं किया गवा है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की वाबत, उक्त प्रधिनियम के घषील कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (च) ऐसी किसी भाग या किसी वन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिन्नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नित्यम या धन-कर भिन्नित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अव, उन्त प्रविनिवम की बारा 26\$-ग के अनुबर्ग में, मैं, उन्त धविनियम की बारा 26\$-व की इवबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्वात्:-- 1. श्री ग्रार० के० भार० कारतिकेसन (ग्रन्तरक)

2. श्री जी० श्रार० वालसु**न्नम**िनयम श्रार० राजेन्द्रर (श्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये एसब्हारा कार्यवाहियां जुक करता हूं।

उन्त सम्यत्ति ने भर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन म प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

हनवडी सरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्रों का, जो उक्त श्रक्षितियम के भ्रष्टपाय 20-क में परिवाबित हैं, वहीं भर्च होगा, जो उस भ्रष्टाय में दिवा सब है।

प्रमुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 7/28, टबून हेडकुवारटरस रोड़, हुसुर रोड़, कोयम्बटूर (डाक्मेंट सं० 3359/78)

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

प्ररूप आई० टी• एन० एस०-----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

भार्यालय, सहायक प्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, विनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 4905—यत: मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम भामकर विवित्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त भिर्मियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-इपए से भिन्न है

श्रीर जिसकी सं० 15/22, रघुपित लै० श्रीर है, जो कोयम्ब-टूर में स्थित है (श्रीर इससे उक्कबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, घांदीपुरम, कोयम्बटूर (डाक् मेंट सं० 2614/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रवटूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निविद्यत में वास्तिक का से स्वरात महीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (बं) ऐसा किसो ब्राय या किसो धन या ब्रग्य आस्तियो. को, जिन्हें मारतीय ब्रायकर धिवनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवनियम या ध्रम-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के किए;

प्रत: प्रन, उक्त प्रविधितन की बारा 269-ग के मेंगुसरण में, में, उक्त प्रविधितन, की प्रारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निकालिबित व्यक्तियों, प्रकृत:--- . श्री वी० जनारदन (ग्रन्तरक)

2. श्री के० एस० नरसिम्मय्या, के० एन० वेनकटरामन (भन्तिरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्षन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबीय, जो भी शबीय बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर सम्पत्ति में हितवड़ किसी धन्य अपक्ति हारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ध्रष्ट्याय में विद्या गया है।

भ्रमुसूची

भूमि भौर निर्माण 15/22, सायिट सं० 22, रयुपति ले० भौर ,सनघनूर ग्राम कोयम्बटूर (डाक्सेंट सं० 2614/ 78)।

> श्रो० श्रानंद्राम सज्जम प्राधिकारी स**हायक श्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

प्ररूप भाई• टी॰ एन• एस•--

आयक्तर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व](1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निर्देश सं० 4895 — यतः, मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके काचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सम्मा प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाबार मूस्य 25,000/- धपए ते ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं 119/1, 129/2, 129/3ए, 129/3सी ०. 129/3ई ०, रालपल्ली, है, जो कूनूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कूनूर (डाक्सेंट सं 1314/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1978 को पूर्वोचत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृत्यमान प्रतिकृत्य के लिये प्रस्तित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोचत सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य, उसके वृत्यमान प्रतिफल ते, ऐसे वृत्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिकृत से प्रिक्त है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया थया प्रतिकृत, मिम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिक क्रथ से किया नहीं किया गया है: →-

- (क) प्रश्तरण स हुई किसी भाय की बाबत, उक्त खिलियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए जा या. छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त यधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त धिवियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिकित नपक्तियों, प्रयात:—

- 1. श्री टेजीबाय (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जी० प्रसनचंद जक्ख (श्रन्तरिती)

को यह पूजर्ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

इन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, पंधीहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

ण्यक्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त शस्तों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अध होगा, जो उस ग्रध्यात्र में विधा गया है।

अनुसूची

भूमि स० सं० 119/1, 129/2, 129/3 ए, 129/3 सी, 129/3 ई०, राठपत्नी ग्राम, कूनूर (डाकूमेंट स० 1314/78)

श्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

तारीखा: 12-6-1979

प्रक्षप आई • टी • एन • एस •---

त्राय कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं(1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज,-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979 निर्देश सं 4896—यतः, मुझे, औ० श्रानंद्राम, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० स सं० 150/3ए, 157/4, 157/1बी, 150/1ए, 150/2, 150/2, 150/4, 150/3बी, 150/5ए/1, 150/5ए/2, 157/1ए, 157/1बी, 157/3ए, 157/3बी राडपल्ली ग्राम, कूनूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कूनूर (डाक्मेंट सं० 1317/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तुबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है मौर अन्तरक (अन्तरकों) मौर अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से क्वित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राप की बाबत, उक्त श्रिषितियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या;
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः धव, उक्त धिधिनियम की घारा 269-ग के ध्रुनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निधिवा व्यक्तियों, प्रपीतः—

- 2. श्री लालचंद भ्रनोपचंद भौर कम्पनी (भ्रन्तरक)
- 2. श्री जी० प्रासनचंद जबख। (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितब स किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पदों का जो उक्त ग्राधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि सरवे सं० 150/3ए, 150/4, 157/1बी, 150/1ए, 150/2, 150/4, 150/3बी, 150/5ए/, 150/5ए/ 2, 157/1ए, 157/1बी, 157/3ए, 157/3बी, राडपल्ली ग्राम, कृत्र।

(डाक् मेंट सं० 1317/78)

श्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ग्रा, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

प्ररूप माई०टो • एत • एस • ----

आयफर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांध 12 जून, 1979

4892--यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम, निदेश सं० आयकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के घषीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से घिक है है, जो श्रिधिनियम में स्थित है भ्रौर जिसकी सं० (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दारापुरम (डाक्-मेंट सं० 1827/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रक्तूबर, 1978 को पुर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृत्य से कम के दृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण सिक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देते के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसने चचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत व्यधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, जियाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त ग्राधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, ग्रबात्:—

- 1. श्रीमती रादा वासुदेवन (ग्रन्तरक)।
- 2. श्री चिन्न करुपन्न देवर (ग्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सरता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई मो आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में जकातान को तारोख से 45 दिन की घविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (दा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी
 के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रिचित्रम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिजाणित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गमा है।

अनुस्य:

भूमि श्रिधिनियम 3 एकरस और 30 सेनट्स (डाकूमेंट स॰ 1827/78)

> स्रो० स्रानंद्राम सक्षम प्राविकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

प्ररूप भाई० टी० एम० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 को 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1979 निर्देश सं० 8291—यतः, मुझे, श्रो० श्रानद्रांम श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर बस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है भीर जिसकी सं० 184, जो बारती स्ट्रींट, पोडिचेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 1912/78) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख

ग्रास्त्वर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्चत से प्रविक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिक्त लग्ने किया वहेश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक ख्या में किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय को बाबत उक्त आबि नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः शव, उक्त श्रिप्तियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रीष्ठितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रिप्तीन तिम्नलिजित व्यक्तियों, अर्थीत:---

- 1 श्री जोसफ भ्रनतोनिस्यामी लुपरस्टोन भठैकलम (भ्रन्तरक)
- 2 श्रोमनी ग्रनटोनेटे मेरी लूयिस (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाशन को तारी आ से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्जेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 184, बारती स्ट्रोट, पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 1912/78) ।

म्रो० म्रानद्रांम सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

अगाहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

क्रायालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्रण) । श्रुजैन र्रेज Π , मदास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979 निदेश सं० 4928—यतः, मुझे, ग्रो० ग्रानद्रांम आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० एफ० स० 242/3 धनपती ग्राम, है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब ग्रनुसूची मों ग्रीर पूर्ण रूप मों वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2552/78) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तुबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकत के निए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) बीर पन्तरितों (पन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए ता पान गा निकत निम्तिबित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कियत नहीं किया गया है:——

- (त) प्रन्तरक से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय भायकर पिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के लिए;

धत: धव, उन्त घितियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त घितियम की बारा 269-ग की जण्धारा (1) बधीन निम्नितिक स्वक्तियों, घर्षोत्:--- 1. श्री चेल्लम्माल, मध्दाताल

(भ्रन्तरक)

2 श्री ग्रार० दामोदरस्वामी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्मित के **प्रजैन के लिए** कार्यवाह्यिं करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी स्थिक्त मों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्त मों से किसी स्थिक्त द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रविद्योक्तरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि एस० स० 242/3, धनपती ग्राम कोयम्बद्र (डाकुमेंट सं० 2552/78)

श्रो० झानद्रांम सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रो ६ण) श्रजैन रेंज II, मद्रास

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधील सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज,-II मद्रास मद्रास, दिनांक 12 जन, 1979

निदेण सं० 4928—यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/— रुपए से प्रधिक है

मीर जिसकी सं० एस० एफ० सं० 242/3, है, जो धनपती ग्राम, कोयम्बटूर में स्थित हैं) (ग्रीर इससे उपावद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाक्सेंट सं० 25551/78) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन भन्तवर, 1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यचापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वाश्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा किसी श्राय यां किसी धन या ग्रन्य आस्तिमों की जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सविधा के लिए.

अतः श्रव, उबन मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरक में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अश्वीन, निम्निशिश्वत ध्यक्तियों, अर्थात् :—— 5—136G1/79

- 1. श्री चेल्लम्भाल वठवल्ली (भ्रन्तरक)।
- 2 श्रं। ग्रार० डामोठरस्वार्मः (श्रन्त रर्ता)।

को यह मूजता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रजॉन के लिए कार्येजाद्वियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षी के पास किसित में किए जास तेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त कान्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि एम० म० 242/1, धनपती ग्राम कीयम्बटर। (डाकर्मोट स० 2551/78)

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज II, मद्रास

प्रकृप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 12 जुन, ि निदेश सं० 4928---पतः, भुझे, भ्रो० श्रानद्राम श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त भक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भन्नीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है श्रीर जिसकी एस० एफ० सं० 242/3, है, जो धनपती <mark>प्राम ,कोयस्त्रटूर में स्थित है (ग्र</mark>ीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बदूर ैं (डाकमेंट सं० 2550/78) रिजस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, श्रक्तुबर, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यभान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है मीर मन्तरक (मन्तरकों) मीर मन्तरितो (ग्रम्सरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्सरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में

> (क) सन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(ख) ऐसी कियो आप या कियो झन या मन्य प्रास्तियो, को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या झनकर प्रधिनियम, या झनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों अर्थात:—

- 1. श्री चेल्लमाल वेंठवल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री डी॰ सरोजिनी (श्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई मी भार्कींप :--

- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारी से 45 दिन की भवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अगडस्ता अरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धोद्धरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उन्त भीव-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जा उन अध्याय में दिशाययां है।

अनुसुखो

भूमि एम० सं० 242/3, धनयती ग्राम, कोयस्बटूर। (डाक्नोंट सं० 2550/78)।

> श्रो० आनंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज II, मद्रास

प्र**क्ष भाई • टो ॰** एन • एस •----

भायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 12 जून, 1979

निदेण सं० 4891—यतः, मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 7/3, 4, 5, 6, 7, 9, 9ए, है जो, भ्राननूर ग्राम श्रविनाषी तालुक में स्थित है (भ्रीर इसस उगाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भ्राननूर (डाक्स्मेंट सं० 1072/ 78) में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, भ्रावसूबर, 1978

का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1978
को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यबापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार नृस्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तह
प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (पन्तरकों) और मन्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिख्नि में
बाहतविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय को बाबत उक्त भिन्न-नियम के घन्नीन कर देने के घन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के खिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर भिष्ठिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रद: अब, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269 ग के सन्-सरण में, में, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269 व की उपचारा (1) के अश्रीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रेषांब्!——

- 1. ए० सम्पतकुमार (म्रन्तरक)।
- 2. श्रे डुरैस्वामी (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारो करक पूर्शनित सस्यात के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रजंन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की सबिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिसबद किसी भस्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोत्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पश्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदी का, भी उस्त प्रश्चित्तियम के प्रश्नपाय 20-३ में परिभाषित है, वहीं धर्म होगा, को उस बहसाय में दिया गया है ।

भनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 7/3, 4, 5, 6, 7, 9, 9ए, ग्रननूर ग्राम श्रविनाषी तालुक (**डाक्**सेट सं० 1072/78)

ग्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज II, मद्रास

प्ररूप माई • टी • एन • एस •-

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 6759--यतः, मुझे, स्रो० स्नानंद्राम भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख 🕊 अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि ग्गावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000√- ६० से पश्चिक है

ग्रीर जिसकी सं० 12, वठगरम है, जो ग्रभिनजकरै, मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, कोठम-पा**खम मद्रा**स (डाक्मेंट सं० 3463/78) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरितो (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अभ्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निमिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्व न कमीकरने या उससे बचने में सुविधा के किए; घोर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या मन्य मास्तिमों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिष्ठितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का का जाना नाहिएना, छिपाने में सुविधा के लिए।

नतः थन, उक्त ग्रींधनियम, की घारा 269≉ग के ग्रन्-सरव में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269व की सपकारा (1) के व्यक्षीन निम्न्**चिच**त व्यक्तियों, अर्थात ।—–

- श्री रा० पी० चन्द्रशेखरन (श्रन्तरक)
- 2. श्री कवालिटी ठैयरस (म्रन्तरिती)।

को यह सचना जारी करके पूर्वोकत नम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में । हतबद्ध किसी ग्रन्य अपक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण -12, व गरम, ग्रभिनजिकरै, सद्रास (डाक्मेंट सं० 3463/78)

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी. सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज II, मद्रास

तारी**ख**ः 12-6-1979

मोहरः

प्रकृप आई॰ टी॰ एन० एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर भ्रायक्त, (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज,-मद्रास

मद्राम, दिनांक 12 जून 1979

निदेश सं० 6728-यतः, मसे, मो० भानंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 184, हैं, जो साऊंट रोड़, मद्रास-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, द्रिपिलकेन, मद्रास (डाक्सेट सं० 821/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रवतूबर, 1978 को

पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के पृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है लि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिधिनयम के भधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या घण्य प्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय आवकर प्रधिविषम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उभत अधिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, म, उक्स ग्राधिनियम की धारा 269-ग की उपबारा (1) के अधीन निक्नकिसित व्यक्तियों, ग्रमित :---

- 1. श्री वेस्टर्न इण्डिया थियटर्स लिमिटेड (अन्तरक)2. श्री राजेश एटरप्राइजेज (अन्तरिती)
- को मह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पक्ति के झर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्खेंप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ने मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हिंत-नद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धो का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण -184, माऊंट रोड़, मक्कास-2, (डाकूमेंट सं० 821/78) ।

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज VI, मद्रास

तारीखंं: 12-6-1979

प्रारूप भाई*० टी•* एन० एस०--

भायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मदास मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 6737---यतः, मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास खरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 10, डोर सं० 29 है, तथा जो चामियरस रोड़, मद्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास (डाक्मेंट सं० 1518/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रक्तूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निक्तलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्यार नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत **एक्ट** भौधिनियम के भंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के सिए; भौर/या

> ो आय या किसी वन या वन्य आस्तियों को जन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जानां वाष्ट्रिए था, छिनाने में सुनिवा के लिए;

अत: ग्रव, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुतरण म से उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) श्रीम निकासिकित व्यक्तियों, शर्यात :-

- 1. श्री के० एस० सुब्रमनियम (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती के० सारदा (ग्रन्तरिती)।

नासूराम, कासगंज, एटा

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुढ करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्ठीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शन्दों मौर पर्वों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि और निर्माण 29, (प्लाट सं० 10) चामियरम रोड़, मद्रास (डाकूमेंट सं० 1518/78) ग्रो० ग्रानंद्राम

> सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

प्रकृप साई॰ टी॰ एन० एम॰-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269न (1) के प्रधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, तहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भौपाल

भोपाल, दिनांक 29 मार्च, 1979

निदेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपान 79-80/ 1259--श्रत:, मुझे, बी० एल० राव,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उन्त भिष्टिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के भिष्टीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य, 25,000/- द॰ से भिष्ठक है

ग्रौर जिमकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 26-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्धइ प्रतिवात से अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के जिये तम पामा ग्रांतिफल, निम्तिजियात उद्देश्य से जक्त मन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राथ की बाबत चक्त बाग्नि-ियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरफ के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिये; ओर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवनियम या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के धिके;

श्रत: श्रम, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, को धारा 269-घ की उपचारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रमीत्ः—

- 1. श्री भगवान्नदाम पुष्त श्री ब्लाचन्द रूपचन्द 2. श्रीमती हीराबाई पत्ति श्री भगवान दास द्वाराश्री भगवानदास नेपियर टाउन, जबलपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री टेकचन्द पुत्र श्री धनश्याम दास केसवानी सर्राफा वार्ड भागीचार मेसर्स पापुलर ब्रेड फैक्टरी, जबलपुर। (श्रन्तरिती)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीध में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, ध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

अम् सूची

मकान "श्राणीण" से प्रसिद्ध बेयरिंग पुराना कारपोरेणन नं 1072 नजूल बेयरिंग प्लाट नं 4/1 व 4/7 णीट नं 1 प्लाट एरिया 5479 वर्ग फुट सिविल स्टेणन, जबल जबलपुर।

बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायाज्य श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, भोषाल

तारी**ख**: 29-5-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्षन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 मई 1979

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/ 1260--यत:, मुझे, बी० एल० राव आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की घारा 269-च के ग्रहीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सम्प**त्ति, जिसका** स्वावर 25,000/-रुपये से मधिक है मल्ब श्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 24-10-1978

को पूर्षोक्त सम्पत्ति के अबित बाजार मूल्य से कम के बृथवनान प्रतिकल के लिए प्रत्तिरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंषापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्वमान प्रतिकल से प्रते वृश्यमान प्रतिकल है धौर प्रत्तिक (प्रत्तरकों) भीर प्रत्तिरिती (प्रश्तरितिथों) के बीच एसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित चहेश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से खिवत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त, ग्रिध-नियम के प्रचीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (भ) ऐती किसी माय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें, भारतीय श्रायकर मिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिविनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-बरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित श्यक्तियों, प्रथीत् :---

- श्री णिणिर कुमार (2) णरद कुमार पुत्र श्री णरत-चन्द दुबे, मकान नं० 2, दुबे कालोनी, इन्दौर। (अन्तरक)
- 2. श्री दिलीप हनुमन्त भुसारी 96, सिलाबट पुरा इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में प्रप्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिविनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नं० एक का भाग दुबे कालोनी, इन्दौर। बी० एल० राव

> सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-5-1979

अरूप माई• टी• एन• एस•--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन भवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज भोपाल भोपाल, दिनांक 29 मई 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल 79-80/
1261--श्रतः, मुझे, बी० एल० राव
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गयः है), की धारा
269-ख के भधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूटर
25,000/- क्पये से भ्रधिक है,

श्रौर जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पुर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यशान शतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (प्रन्तरकों) भोर जन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि क्वित यो गया विश्व कप से स्वित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-त्रियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या असे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा एसी किसी धाय था किसी धन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत धिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं जन्तरित्ती उत्तर प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना लोकिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रव: प्रव त्रशत यधिनियम की धारा 269-म के प्रनुसरण में, में, उपत यधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, रिम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात :----

- श्री भ्रानंद चिरमुले पुत्र श्री विनायक चिरमुले बीमा नगर, इन्दौर (भ्रन्तरक)।
- 2. श्री रामप्रसाद पुत्र श्री कन्हैयालाल जी प्रसाद, 2. श्रीमती मुणीला प्रमाद पत्नी श्री रामदास प्रसाद न्यू गस्स कालेज, इन्दौर। (ध्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हो।

जनत सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी ग्रम्य अ्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्व होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

समस्पी

मकान स्थिति प्लाट नं० 6 बीमा नगर, इन्दौर।

बी० एस० राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपा**स**

तारीख: 29-5-1979

मोहर∷

प्ररूप भाई » टी • एन • एस • -- -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के ब्राधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज-, भीपाल भोपाल, दिनांक 29 मई, 1979

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/79-80-1262--श्रत: मुझे, खी० एल० राव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाजर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- स्वए से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (स्रोर इससे उपाद्मब प्रनुसूची में घौर पुर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 20-10-1978

को पूर्वीकत गम्बित के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके
बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पख्दह प्रतिशत्त
पश्चिक है भीर प्रन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती
(धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम गाया गया
प्रतिकल, निम्निविश्वत उद्देव से इन्त प्रन्तरा लिखित में
अस्तिक का ते क्षित नहीं हिएस गया है :--

- (६) यन्तरण सं त्रुड़ किओ प्राप्त की **वश्य**त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायि**रण** में ऽऽ: ारत या जयश **यजने में सुविधा** के **निए;भीर/या**
- (क) ऐसी केबा जाप प्राप्त प्रस्ताया प्रस्त प्राप्तियों तो विक्रमें वारतीय धायकर भाषितियम, 1920 (1922 का 10) प्राप्तियम प्राप्तियम, प्राप्तिकरण, प्राप्तिकरण, प्राप्तिकरण, प्राप्तिकरण, प्राप्तिकरण, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तियों हारा प्रकट क्रिक्त का एक धा या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुवेशा के लिए;

भारा: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क भारत में, मैं, जन्म प्रिविधिय की बारा 269-घ की उपधारा (1) अखीन निम्नलिखित वरिन्तयों, प्रयति :----

- 1. श्री (1) राधेश्याम (2) सीताराम दोनों पुत बाबूलाल जी नौ गना, ग्राम:--लोहारदा तहसील बागल, जिला देवास (श्रन्तरक)
- थी चतुरभुज पुत्र श्री प्रेमचन्द जी गर्मा मकान नं०
 उवापुरा, इन्दौर (भ्रन्तरिती)

को यञ्च सूचनः आरी करके प्रवोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी
 भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस नूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इितवज्ञ किसी धन्य ज्यक्ति द्वारा, भक्षोहस्ताकारी के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रीर पर्दों का, वा उबत श्रिष्ठ-नियम के भव्याय 20-क में यथा परिश्राणित है, बही मर्व होगा, जो उस प्रध्वाय में दिया गया है।

धनुसची

प्लाट नं० 1/16 पर स्थिति मकान, महेश नगर, इन्दौर बी० एल० राव सक्षम प्राधाकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 29-5-1979

प्रकप प्राई॰ टी॰ एस॰ एस॰---

यागकर प्रविभियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा (1) के प्रचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज-, भोपाल

मौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, इन्दौर जलबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिष्ठीन, तारीख 14-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिगत से ग्राप्टिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर भन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय को बाबत, उसत धितियम के ग्रमीन, कर देने के धन्तरक के वायस्य में क्रमी करने या उससे स्थाने में सुविश्वा के विष्; घोर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर घिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिविनयम, या घन-कर घिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के जिए;

धतः धव, उक्त धिधिनियमं की धारा 260-म के धनुसरण में, में, उक्त धिधिनियमं की धारा 260-म की उपवारा (1) के धवीन निष्नक्षित्वतं स्थिक्तवों अर्थान्:---

- श्रो गुरमुखनास पुत्र श्री रेवा चंद्र, मनीशा बिल्डिंग राईट टाउन, जबलपुर। (ग्रम्तरक)
- 2. श्रो नारायनदास पुत्र श्री कीमतराम, नया मोहल्ला जबनपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोन्त सम्पत्ति ने ग्रर्जन के लिए कार्यवाह्यिमं करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्सियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्दों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 861/1 से 861/2 सी और भूमि 2401 वर्ग फुट मोट नं० 81 लाट नं० 198/1 का भाग भरतीपुर, मोहल्ला, राशीवगंज, मुशताल वार्ड, जबलपुर।

बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-5-1979

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰~

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अभीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रैंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 मई, 1979 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80--1264--श्रत', मुझे, बी० एल० राष,

धार्यकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त घिषिनियम' कहा गया है), की घारा 269-का के घिषीन संभाग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-इपये से बाधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो मुडवाइ। में स्थित है (भ्रौर इससे उपाब इ अनुसूची में भ्रौर पुर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, मुडवाडा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्राधीन, तारीख 13-11-1978

ग्रिधीन, तारीख 13-11-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिक्षत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में
बाह्यविक रूप से कथित नहीं किया वया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, खकत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में क्यी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (का) ऐसी किसी याय या किसी धन या वश्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रध: मह, उपत प्रक्रिनियम, की बारा 269-न के सनुसरक में, में, उस्त प्रक्रिनियम, की बारा 269-च की उपवारा (1) के स्वतीन निक्निविस्त व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री खुशीराम काकवानी पुत्र श्री हीरानंद काकवानी
 श्रीमती सुगीला रानी पित्न श्री खुशीराम काकवानी निवासी सावरकर वार्ड, मुख्याड़ा, जबलपुर। (श्रन्तरक)।
- 2. (1) लक्ष्मनदास पुत्र श्री भगवानदास (2) श्रीमती हकीबाई पन्नी श्री भगवानदास सिंधी, गुरुनानक वार्ड, मुडवाड़ा, जबलपुर। (श्रन्तरित्री)

को यह सूचना जारो अस्के पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूँ।

जनत संपत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की खबिछ था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविष्ठ, जो भी प्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्लिकड़ किसी भ्रम्य स्थक्ति द्वारा, भ्रधोत्स्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा मकीं।

स्पवशिकरण:---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त श्रवितियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रामं होगा जो उन मध्याय में विया नया है।

असमि

मकान नं० 249 (भाग) गुरुनानक वार्ड, मुडवाड़ा।

बी० एल० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-5-1979

प्रारूप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मई, 1979

निवेश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्वी०/भोपाल/1979—80/1265—ग्रतः, मुझे, बी० एल० राव, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रिधिनियम, कहा गया है) की धारा 269घ के श्रिधीन सक्षम ग्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान भाग है, तथा जो सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-10-1978

तारीखं 19-10-1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने जा फारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रति त. से अधिय है और सन्तरफ (अन्तरफों)
और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिजित उद्देश से जनत अन्तरफ़ लिखत में वास्तविक लग से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) घन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर क्षेत्र के धन्तरक के दायिस्त्र में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (क) ऐसी किकी माय या किसी मन या भ्रम्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रमिनियम, भा धन-कर भ्रमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिशिशाश प्रक≛ नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मारं, उत्तत मिक्षिनियम की धारा 269-ग के असु-सरण में, में, चक्त मिक्षिनियम की आरा 269च की उपधारा (1)के अधीन निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री देव पारमनाथजी, जैन मन्दिर घनण्यामदाम बुदवेय सिगई प्राईवेट मन्दिर) सर्राफा बाजार, सागर द्वारा लक्ष्मीचन्द ट्रस्टी। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं सर्स मनूलाल नन्दूलाल पुत्र गिरधारीलाल महेश्वरी द्वारा पार्टनर श्री कृश्नपाल नमूलाल महेश्वरी, कटरा सागर (श्रन्तरिती)।

स्रो यह सूचना जारी करके पूर्णीका सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्तिके अर्जन र संबंग में काई भागा अंत .--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भविध या तरसंबंधी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जा भी अविध माद में समाप्त जीती की जीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ध्यतित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की ता एत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिसबद्ध किरी, अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा प्रति।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ां का, जो उक्त ग्रिशितियम के अध्याय 20-क में परि-सापित हैं बड़ी धर्य होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 18 का भाग, कटरा, सागर।

बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-5-1979 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज

भोपाल, दिनांक 31 मई, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80-1266---श्रत', मुझे, बी० एल० राव भायकर भिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिष्ठिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-

रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान भाग है, तथा जो सागर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पुण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, सागर में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 19-10-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि प्रन्तरक (धन्तरकां) धौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण ते हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रिविनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (ब) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत । भ्रम, उन्त मिनियम की धारा 269--ग के मनुसरण में, में, उन्त भविनियम की धारा 269--न की उपधारा (1) के सभीन निम्नसिक्ति स्पन्तियों, भर्गाह्य---

- 1. श्री देव पारसनाथजी जैन मंदिर घनश्याम बुद्धेय ंगई (प्रायवेट मंदिर) सर्राफा, सागर द्वारा सक्सीचंब, ट्रस्टी (ग्रन्तरक)।
- 2. श्रीमती कोशल्या बाई साहू ग्रीर श्री राधेलाल महेश्वरी, कटरा, सागर। (ग्रन्तरिती)।

को यह पूजना जारीकरकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

•पच्छीकरण:

इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
प्रिधिनियम के प्रध्याय 20—क में परिभाषित
हैं, वही भ्रयं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 18 का भाग, कतरा, सागर।

बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-5-1979 मोहर: प्ररूप भाई• टी॰ एन॰ एस०-

थायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छार। 269-च (1) के ब्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

भोपाल, दिनांक 31 मई, 1979

निदेश सं० श्राए० सी०/एक्बी०/भोपाल/79-80-1267 श्रतः, मृद्धो, बी० एल० राव आयफर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिर्मियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द० से प्रधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० मकान भाग है, तथा जो सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज श्रनुसूची में ग्रीर पुर्ण रूप से विणित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मागर में, रजिस्द्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्ल प्रतिक्रत से प्रक्षिक है, धौर अन्तरक (धम्तरकों) और धन्तरिक्षी (धम्तरिक्षियों) के बीच ऐसे धम्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उद्देश्य से उसल धन्तरण सिक्ति में बास्तिक कप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत उकत अधिनियम के भिन्नों कर देने के श्रव्सरक के बायित्व में क्सी करने या उससे बचने में श्रुधिश क निया सीरोग
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या यान्य यास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रविनियम, या जलन्त्रण श्रविनियम, 1957 (1957 का 27) े प्रयोजनार्थ कत्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाकिए या, कियाने में सुविधा के निवा:

क्षतः धव, जनन ध्रामिनयम, की आरः 269-ग के मणु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों मर्चीत् :—

- 1. श्री देव पारमनाथजी जैन गंदिर घनश्याम बुदबेय सिंगई (प्रायवेट) सर्राफा बाजार, सागर हारा लक्ष्मीचंद, ट्रस्टी। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती द्रीपदी बाई सा कटरा, सागर। (श्रन्तरिती) को पह सुचना जारी करण पुत्रक्ति सनान्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करना त

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के शम्बरम में कोई भी ब्राक्षेप:---

- क) इस मूचता ए राजपत्र में अक्षणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पितियों पर सूचना की लामिल से 30 दिन की अविधि, शो भी अविधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पुलॉग्य प्रक्रियों में से किसी अविस्त नारण
- (ख) इस सुबना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति ारा, अधाहराधारी है पास जिल्ला में किए जा सकीं

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त गाव्यों श्रीर पद्यों हा, को उक्त धिनियम, ा प्रध्याय 20क्त में परिभाषित हैं। प्रति समें दोगा श्री उस अध्याय में दिया गया है।

<mark>प्रनुस</mark>ुची

मकान नं० 18 का भाग, कटरा, सागर।

बी० एल० राव पक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, भोषाल

तारीख: 31-5-1979

शास्त्र माई० ो∙ एत० एस∙----

आयक्तर साधनियम, 1901 (1961 का 43) की मारा 269थ (1) के मधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरोक्तण) भ्रजन रेंज

भोपाल, दिनांक 31 मई, 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80-1268--- प्रतः, मुझे, बी० एल० राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क गधीन सक्षम प्राधिकारी को पह विश्वास करने का कारण है कि ह्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र• से श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मागर में, रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-10-1978 को पर्वोक्त संपत्ति के उथित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यगान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशह से मधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया वया प्रतिकत्र,तिस्त्रतिष्ठित उद्देश्य ते उक्त ग्रस्तरण निश्वत **में बास्त्**विक क्रवसे अधित की किया गया है:--

- (क) अस्तरण पहुई किमी आय की बाबत, उक्त ग्राधि-नियम, क अधीन कर के के अस्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी घन या प्रस्थ पास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ अस्पिति द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था किया जन्म नाहित था, फिलान में तिक्या के लिए;

अतः ग्रन, उक्त अजिनियम की घारा 269-न के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रगीन निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री देव पारमनाथजी जैन मंदिर घनश्याम बुदवे सिंगई (प्रायवेट मंदिर) सर्राफा बाजार, मागर द्वारा लक्ष्मी- चन्द, ट्रस्ट्री। (ग्रन्तरक)
 - श्रीमती सरस्वती बाई साह कटरा, सागर। (भ्रन्तरिती)

को यह मुक्ता जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सारा:
- (य) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति नारा, अधोहस्ताक्षरी के पान
 लिखित में किये जा पक्षेंगे।

स्वक्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्कों भीर पदां का, जो उक्त धिविनयम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य होगा, जो उस भक्षाय में दिया गया है।

यन्**सूच**ो

मकान न० 18 का भाग, कटरा, सागर।

बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-5-1979

कार्यासय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज

भोगाल, दिनांक 31 मई, 1979
निदेण स० ग्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोगाल/79-801269--ग्रतः, मुझे बी० एल० राव
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 19-10-1978

क श्रधान, ताराख 19-10-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविह हम से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसो कियो धाय या सिसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिषिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उन्त मधिनियम की घारा 269-व के घनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिधित व्यक्तियों अयौत् :--7--136GI/79

- 1. श्री देव पारमनाथर्जा जैन मदिर घनश्याम बुदवेय सिगई (प्राप्तवेट मन्दिर) सरीका बाजार, सागर द्वारा लक्ष्मी-चन्द, ट्रस्टी। (अन्तरका)
 - 2 श्रोमती रामश्री बाई कटरा, मागर। (भ्रन्तरिती)

को यह पूर्वा जारी करके ह्वाँश सम्पत्ति के **अर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना परालि के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्वद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों स्रोर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के स्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस स्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 18 का भाग, किटरा, सागर।

बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-5-1979

प्रकप ग्राई० डी॰ एस॰ एस॰----

भायकर ध्रियिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के घ्रधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भोपाल दिनांक 31 मई 1979

निदेश सर ग्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/ **जायकर** ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० मे मधिक है भीर जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो सागर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावढ़ ग्रन्भुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के **ग्र**धीन तारीख 19-10-1978 पुर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य संकम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पक्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृष्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक ।है और ग्रन्तरक (मन्तरकों) भीः भन्तरिती (मन्तरितियों) के भीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्न/लिजित **प्रहेश्य से उन्त भन्त**्ग निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) झन्तरण सें हुई किसी जाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीत कर देने के अन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी वन वा मन्य म्नास्त्यों की, जिन्हें भारतीय माय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर म्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यव उन्त भ्रिष्टिमियम की धारा 269-ग के कनुसरण में, भे, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात:--

- 1. मैंसमं मन्नूलाल नन्नूलाल पृत गिरधारी लाल महेम्बरी बारा पार्टनमं 1. कृष्णपाल 2. श्रीमती कौणल्या बाई 3. श्री राधेण्याम कटरा सागर (अन्तरक)।
- श्रीमती णकुन्तला सिंघई पत्नी श्री महेन्द्र कुमार सिंगई मांदी नगर जिला सागर। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भविष्य जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किये जा सकेंगे।

हरक्दीकर गः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त ध्विनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

महान नं० 18 का भाग कटरा सागर।

बी० एन० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 31-5-1979 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायभ ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

भाषानः दिनाकः 1 ज्नः 1979

निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्त्री०/भोपाल 79-80/ 1271-- ग्रतः मुझे बा० एन० राव प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिप्तका उचित बाजार मृल्य 25,000/-

ए० से समिक है

श्रीर जिसको सं० मकान भाग है तथा जो इन्दीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्न श्रप्तिकारो के कार्यालय इन्दौर में. रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन. तारीख 29-11-1978 की

पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है दुश्यमान यह विश्वास करने का कारण यचापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ने प्रधिक ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भ्रग्तरिती है भीर (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निशिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उन्त भ्रष्ठि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविका के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त ग्रिश्रिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, जनत प्रश्विनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के **मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रयांत् :--**

- ा श्री देवेन्द्र कुमार णिवना, फतेहपुरकर निवासी 3, माधित नगर, दर्ग्दार (श्रन्तरक)।
- 2 थीं रध्नाथ महादेव दिवेबार 30, बक्शी गर्ला, इन्दौर। (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यत्य में कोई मी प्रार्थे। :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

मकान तं० 30 का भाग बक्शी गली, इन्दौर।

वी० एल० राव मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 1-6-1979

माहर

रुत्से अधिक है

प्रकथ धाई• टी• एन• एस•---

लामकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269प(1) के अधीन सूपना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भोषाल, दिनांक 1 जून, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/1272-अत', मुझे, बी० एल० राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/-

श्रीर जिसकी सं० मकान भाग है, तथा जो इन्दीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दीर से, रिजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रद्व प्रतिशत से प्रधिक है और जन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित हिश्य से इक्त भन्तरण लिखित में वास्त्विक इस से कथित नहीं किया गया है—

- (क) भग्जरण से हुई किसं प्राप्त के वाक्त अक्षा धिनियम, के भधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचन में खुविधा के लिए; धौर/पा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी बन ना प्रत्य प्रास्तियों की किसी श्राय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वाधन-कर अधिनियम, वाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, दिगाने में नुविधा के लिए;

भतः भव, उपन अधिनियशं की बारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त मिनियमं की बारा 269 मं की उपधारा (1) के अधीन, जिन्निकित स्थितियों, सर्वातु:---

- 1. श्री देवेन्द्र कुमार पुन्न श्री णिवाना फतेहपुरकर 3, साकेत नगर, इन्दौर (श्रन्तरक)।
- श्रीमती निलिती बाई पानी श्री विनायक मजूमदार निवासी 29 बक्की गली, इन्दौर। (श्रन्तरिती)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो उक्त - श्राधिनियम के शक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रथाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 30 का भाग बनगी गली, इन्दौर।

बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी कार्यालय महायक स्नायकर आयुक्त(निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 1-6-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस •---

मायकर मिश्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,

भोपाल, दिनांक 1 जुन, 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्की०/भोपाल/79-80/ 1273---ग्रत', मुझे, बी० एल० राव,

श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-४० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है, (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पुर्ण च्यमें वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रिधीन, तारीख 30-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आयबाबत की उबत अधि-नियम के मधीन कर बेने के प्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्वीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाम या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें घारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः धव, उक्त अधिनियम की घारा 269-म के अनु सरण में म, उक्त घिबनियम की घारा 269-म की उपना रा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, धर्मातः --

- श्री देवेन्द्र कुमार शिवना फतेह्पुराग्र निवासी 3 सर्कित नगर, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- 2 श्री दत्तान्नेय गोविन्द नाईक निवासी 30, बक्शी गली, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह मूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्अन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर गुचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्विनियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के मीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनबद किसी भ्रम्य स्थिति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पाप विश्वित में किये जा सकींगे :

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 30 का भाग, बक्शों गली, इन्दौर।

बो० एल० राव मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 1-6-1979 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एम० श्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,

भोपामः दिनांक 1 जनः 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्बो०/भोषाल/79-80 1274--श्रतः, मुझे, वी० एल० राव ,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी संव मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुस्के में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख 30-10-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण न हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रंथिनियम के ग्रंथीन कर देने के ग्रंथारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य श्रास्तिकों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ब्रसः धव, उक्त भ्रविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त भ्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्राधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रो देवेन्द्र कुमार शिवना फतेहपुरकर निवासी 3 साकेत नगर, इन्दौर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रो भासकर रामचन्द्र संगोरकर निवासी 30. बक्शी गली, इन्दौर, । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 30 का भाग, बक्शी गली, इन्दौर।

बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राप्टुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 1--6--1979 मोहर: प्रहा ग्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्राविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 1 जुन, 1979

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/ 1275—-- मून: मझे बी० एल० राव,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० बिल्डिंग भीग है, तथो जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 30-10-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अग्लरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अग्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धनकर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धवः उक्त घिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः ---

(1) श्री मन्त मल्हार राव पुत्र श्री तांड्या साहिब होलकर पीपिलया पाला, इन्दौर (ग्रौर भ्रन्य परिवार के सदस्य)।

- (2) 1. श्रीमती पारवर्ता देवी, पत्नी श्री भंवरलालजी, मन्द्रोरा।
 - श्रीकृष्ण गोपाल पुत्र श्री मुन्दरलालजी मन्डोरा, इन्दौर।
 - श्रीमती इकमनी देवी पत्नी कृष्ण गोपाल जी मन्डोरा, इन्दीर।
 - श्रीमती सतोष देवी पत्ती श्री रोजेन्द्र प्रसाद-जी मन्द्रोरा, इन्दौर।
 - श्रीमती कमलादेवी पत्नी श्री श्रोमप्रकाण मन्दोरा, इन्दौर।
 - 6. श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री मुर्**लीधर** मन्डोरा, इन्हीर ।
 - त्र डा० सुणील कुमार पृत्र श्री कमलराजजी मन्डोरा, इन्दौर।
 - 8. श्रीमती सुधा कुमारी पुत्री श्री पुरुशोत्तमदाम जी कावरा, भोपाल। (श्रन्तरिती)
- (3) 1. मैंसर्म मनोहर ड्रेसर्स,
 - 2. माँसमं प्रेमचन्द राजेन्द्रकुम।र
 - 3. मौसर्स सबरंग हुससं
 - 4. मैं समं के० ग्रार० मन्डोरा हेडर्स,
 - मैसर्स बी० एस० मन्डोरा,
 - 6. नोरननमन (सभी किरायेदार)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसुची

मंपत्ति का नार्थ ईस्ट भाग विश्डिग 34, राजबांडा; इन्दौर।

> बी० एल० राव मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी महायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ष** : 1-6-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतमर कार्यालय

निर्देण गं० अमृतगर/79-80/53--यतः मुझे एम० के० धर, श्राई० श्रार० एम०

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र॰ से भ्रिधिक है

ग्रीर जिसकी स० कृषि भूमि 61 कनाल 14 मरला जो कि फलेगढ़ णुकर नाक तहसील ग्रीर जिला ग्रमृतसर है तथा जो श्रमृतसर तहसील में स्थित है ग्रीर इससे उपा- बद्ध ग्रमृत्सी में ग्रीर पूर्ण क्ष्म से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्रमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में बाह्मविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिशिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी मन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या धन कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उस्त धिवित्यम की बारा 269-ग के प्रनुसरक में, में उस्त ग्रीधिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) अधीन विम्मीसिक व्यक्तिय प्रयो,—

- (1) श्री फौजा सिंह पुत्र शाम सिंह गांव फतेहगढ शुकर चक तहसील श्रीर जिला श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री कैंप्ट्रन रघुबीर सिंह लख बिन्दर सिंह जश-विन्दर सिंह पुत्रगण मोहन सिंह रिहायस बरेका तहसील श्रम्तसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (यदि कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो, तप (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
 धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिष में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 61 कनाल 14 मरला जो कि फतेगढ़ शुफर चक त० और जि० अमृतसर में है रिजिस्ट्रकृत नं० 3851 तारीख 24-10-78 और रिजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर तहसील में है।

> एस० के० धर सक्षम श्रधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (नि क्षिण) व्यर्जन रोज, अमृतसर

तारीख । मोहर । प्रक**र आई**० टी० एन**०** एन**० ------** --

पाय में अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के ध्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, ग्रमृतगर कार्यालय

श्रमृतसर, दिनांक 1 जून, 1979

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/79-80/554—यतः मुझे, एस० के० धर

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के प्रधीत संअप पाधिकारी की. यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर प्रकृति, जिपका विवाय वाजार मूह्य 25,00) - रु से पिछ है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भृमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 16 सरले है तथा जो कि गांव रखजीता तहसील व जिला श्रमृतसर में स्थित हैं (ग्रौर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय तहसील श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25 श्रक्तूबर, 1978 को

पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्व के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे पड़ विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अति यत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिता (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कार्या नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से ब्रुई किनो प्राप्त को बाबत उक्त अधिनियम र प्रधीन तर देने के श्रम्तरक के शायित्व म कवी कान या उनम बचत में सुविधा के लिए; और/या
- () ऐसी किसी धाय था किसा धन सा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया उत्ता चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए।

अतः अव, उश्त अधिनियम की धारा 26% के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26% की खपकारा (1) अधीन. विस्नितिश्वित व्यक्तियों, अधीत ।—

- (1) श्री मृलखराज पुत्र श्री गुरादित्ता मल श्रीमती विमला पत्नी श्री जगजीत सिंह राय निवासी ग्राबादी भक्त सिंह पुरा, मुलतान विङ, ग्रमृत-सर। (ग्रन्तर्क)
- (2) श्रीमती चरणजीत कौर पत्नी डा० दीवान सिंह निवासी 1/10, गुरु नानक देव युनिवसिंद्री, ग्रम्तसर।
- (3) जैसा कि उपर मं० 2 में है और कोई किराये-धार हो तो (वह व्यक्ति, जो जिसके श्रिधिभोग में सम्पक्ति हैं)।
- (4) ग्रीर कोई व्यक्ति जो इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहनस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूक्ता अगरी करके पूर्वीका सम्मति के श्रजंत के लिए कार्यवादियों करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- क) इप सूचना 'के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्या सस्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की घविष्ठ, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्वब्दोक्तरण :---इसम रयुक्त शब्दों भीर पदों हा, जो उक्त प्रश्चितियम हे प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 16 मरले हैं जो कि गांव रखजीता तहसील अमृतसर में स्थित है जैंमा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 3869 दिनांक 25-10-78 आफ रजिस्ट्रींग श्रयारद्री अमृतसर तहसील के कार्यालय में पड़ी है।

> एम० के० घर सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

वारी**ख** : 1-6-1979

मोहर:

8-136GI/79

प्रकृष भाई । ही । एन । एस ०--

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 269-व (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजीन रेंज, ध्रमृतसर कार्यालय

🏿 श्रमृतसर, दिनांक 1 जून, 1979

निदेण मं० टी० टी०/79-80/55-यतः मुझे एम० के० धर

भागकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-ख के धर्मन मध्यम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का नारण है कि स्थावर मण्पत्ति, जिसका चित्र भाजार मून्य 25,000/- कः से मिक है

भीर जिसकी संख्या कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 63 कनाल 11-1/2 मरले हैं तथा जी कि गांव बहाला तहसील तरन तारन में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद श्रनुमूची में ग्रीर पूण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय तरन तारन में स्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के न, तारीख 19 श्रक्तूबर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार भूत्य से क्ष्म के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पति श्रीत हैं विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्मति का उतित का पराह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्मति का उतित का पराह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्मति का उतित का पराह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्मति का उतित का पराह विश्वाम करने वात्र स्थान है की योग सन्तर्भ (भन्तरकों) और अन्तर्भ रो का विश्व से प्रतर्भ के लिये तय पाया गया शिकल, निम्नलिक्त उद्देश्य से अक्त भन्तरण लिन्छन में वास्तिक का न हिंदी नहीं किए नया है :---

- (क) अन्तरम से हुई कियों आयं की नाम उपन अधि-नगर र प्राप्त कर देने के घन्तरक के यादित्व भक्तमी करने या उससे बचने में पृथिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रत्य पास्तियं। को चिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनन अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या विया आना चाहिए था, ळिपाने में सूबिआ हे लिये;

भतः भव, उक्त अधिनियम की घरा 269-ग के अनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की अपधारा (1) के अधीत निम्नलिखिन व्यक्तियों. धर्मात:-- (1) श्री ठाकुर सिंह पृत्र श्री भगत सिंह निवासी गांव प्ररक्ता नहसील तरन तारन

(भ्रत्तरक)

(2) श्री लखबीर सिंह पुत्र श्री जरनैल सिंह नियाली गांव वडाला तहसील तरन तारन

(भ्रन्तरिनी)

- (3) जैपा कि ऊगर सं० 2 में धौर कोई किरायदार हो तो (बह व्यक्ति, जिसके ध्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि कोई स्रीर व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूजना जारी करके पूर्वीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यगीह्यां करता हूं।

जल समाति के अर्था के यन्त्रमार्मे हाइ नो पात्रेप :--

- (क) इस मृचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का सम्रिच या तासकी। क्यांपतयों पर सूचना की जामील स 30 दिन की घर्वांचे, जो भी भवधि बाद मंसमाप्त होती हो के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (स्र) इस श्रचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितमस् रिशी अन्य व्यक्ति द्वारा, भक्षीहरूताक्षरी के पत्म रिशी कार्य व्यक्ति द्वारा, भक्षीहरूताक्षरी के पत्म

हरबडी कर गः :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता. जो उस प्रध्याय ने विधा गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 63 कनाल 11-1/2 मरला है जो कि गांव बडोला तहसील तरन तारन में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रंड डीड नं० 4372 दिनांक 19-10-78 ग्राफ रजिस्ट्रांग श्रथारिटी तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर मक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 1-6-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की घारा** 269घ (1) के अ**धी**न मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतगर, दिनांक 1 जुन, 1979

मिदेश स० ए० एस० आर०/79-80/56—पेत: मुझे एस० के० धर

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-म्ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बोत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 मलाल 14 मरले है तथा जो कि गांच रख जीता तहसील श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर तहसील में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर तहसील में रिजस्ट्रीकर्ण श्रिधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 श्रक्तूबर, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्थह प्रतिशत में भ्राधक है भीर मन्तरक (श्रन्तरकों) भीर मन्तरिता (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखा उद्देश्य म उना अन्तरण लिखिन में वाम बिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो आय को बाबत, उक्त मधि-नियम के भ्रभीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी जिलो आय या किसी घन या घ्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री ठाहुर नबीन चन्द पुत्र श्री जगदीश **चन्द** निवासी एवगीना ग्राब चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रवान चन्द्र पुत्र ठाकुर जगदीय चन्द्र निवासी रखजीता नहमीत श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैमा कि फ्रपण मं० 2 में ग्रीर कोई किरायेदार हो तो (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिटिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि ग्राँग कोई व्यक्ति इस जायदाद से रुचि रख़ता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ज है)।

को यह युवा। यारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के **भर्जन के** लिए कार्यवाहिया गुरू हरता हूं।

उक्त रिति संप्रवेत कलार्यथ में कोई भी खाक्षेप :--

- (क) इत मूचना के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का नामीप से 30 दिन की अवधि, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्बद्धोन्नरगः --इशम प्रयुक्त सम्बों स्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क, में परिभाषित हैं, बही सर्वे होगा, जो उस सम्यास में दिया गया है।

भनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कनाल 14 मरले हैं जो कि गांव रखजीता में स्थित हैं जैसा कि रजिस्ट्रड श्रीड नं० 3888, दिनांक 26-10-78 श्राफ रजिस्ट्रींग ग्रथारिटी ग्रमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० के० धर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, श्रमृतसर।

दिनाकः 1-6-1979

प्रस्प आई० टी॰ एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, ग्रम्तसर

भ्रमृतसर, दिनांक 1 जून, 1979

निदेश सं० टी० टी०/79-80/57—यतः मुझे एस० के० धर

धायकरः प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- स्थये में प्रधिक है

श्रीर जिसेकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कताल 4 मरले है जो कि गांव पड़ोरी गोला तहसील तरन तारन में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), र्शिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, ब्रीतारीख 26 अक्तूबर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
बृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रश्चिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
क्रिया से उत्त अन्तरण विज्ञा में वास्तिक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माथ का नावत उक्त मधिनियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किमी धन या घम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सबः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिलियम की धारा 269-घ उप-बारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत् --- (1) श्री हजारा सिंह पुत्र श्री फौजा सिंह गांव पडोरी गोला तहसील तरन तारन

(ग्रन्तर ह)

(2) थी बीरी पुत्री श्री हजारा सिंह निवासी गांव पडोरी गोला तहसील तरन तारन।

(भ्रम्तरिती)

(3) जैया कि ऊपर सं० 2 में ग्रीर कोई किरायंदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिमोग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि ग्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह भूवना आरो करके पूर्णवत सम्पर्ण के अर्जन के लिए कार्यशिह्यां करता है।

उका समाति हे मार्गा हे संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इर स्वता के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 15 दिन की प्रविध या तत्से वंधी व्यक्तियों पर र्वना की नामीन से 30 दिन की अविधि; जो की प्रविध बाद में समाप्त ीती हो, के पीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शरा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रशासन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मध्यक्ति में हितबद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा, प्रधाहम्ता-क्षरी के पाम लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमँ प्रयुक्त मन्दो और पर्दा हा, जो उक्त अधि-नियम के यहबाय 20-क में परिभावित हैं वही अर्थ हो।। जो उन प्रकार में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कनाल 4 मरले जो कि गांव पडोरी गोला तहसील तरन तारन में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रड डीड नं० नं० 4446 दिनांक 26-10-78 ग्राफ रिजस्ट्रींग ग्रथारिटी तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर सक्षम स्रधिकारी

महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख :

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 1 जून, 1979

निर्देण म० ए० एम० ग्रार०/79-80/58---यत: मुझे एम० कॅ० धर

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भ्रीर क्रिकेट के जन समय विस्तान भेजना रहता

वर्ग मं

में स्थि

से वर्षि

शहर

16)

पूर्वोक्त

प्रतिफर

विश्वा

सम्परि

- से, ऐसं दृश्यमान शातफल का पन्द्रह् प्रातशत स आधक है मीर मन्तरक (प्रस्तरकों) मीर मन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीज ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश ने उना प्रस्तरण निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अशरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्र**धिनयम** के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
 - (ख) ऐमी किसी प्राय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रगुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अबो। निमानिवित व्यक्तियों, प्रयोतः—- (1) श्रीमती चान्द रानी पुत्री श्री दुर्गा दाम निवासी6 श्रोल्ड जेल रोड, श्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री सुरजीत सिंह, तांजन्द्र सिंह पुत्रान श्री किर-पाल सिंह श्रीमती जतीन्द्र पत्नी श्री सुरजीत सिंह श्रीमती मीना टी० सिंह पत्नी श्री तांजिन्द्र सिंह निवासी डी० डब्ल्यू० ग्राग्० ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किरायदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षमोग में सम्।त्ति है)।
- (4) यदि ग्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ह ग्रर्जन के मंत्रध में कोई भी धाक्षेप :---

ना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि समा त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों किसी व्यक्ति दारा;

ना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्त अवित द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराजी कर गः---इनमें नगुकत भवदों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 6 प्राध्वेट जो कि पुरानी जेल रोड, ग्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 3019 दिनांक 16-11-78 ग्राफ रजिस्ट्रीग श्रथारिटी श्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज हैं।

> एम० के० धर सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीखः : मोहर: प्रस्प ग्राई० टी॰ एन० एस०-

भागकर श्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के घंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिसांक । जून, 1979

निदेण सं० ए० एस० भार०/79-80/59—पत: मुझे एम० के० धर आई० आर० एस० भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्गत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपय से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एक इमारत ढाई मंजिला कोट बाबा दीप सिंह, गली नं० 4 श्रमृतमर में है तथा जो श्रमृतमर शहर में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य में हन के र्शा प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे रृश्यमान प्रतिकत का प्रम्दह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत निम्नितांखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक इप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (स) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्राहितयों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: मन, उन्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसर्व में, में, उन्त प्रिवितियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातु :---

- (1) श्रीमती जीत कौर पत्नी बक्तशीण सिह रिहायण बजार नं० 4 कोट बाबा दींग सिंह श्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुरिन्दर सिह, सुरबीर सिंह, हरचरन सिह, पुत्रगण सुजान सिह रिहायण गली णहीदा वाली चौक परागदास ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो। वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि कोई ब्यक्ति इस सम्पत्ति से एचि रखता हो तो (वह ब्यक्ति, जिसके बारे मे प्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को महसूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राझेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की ग्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो; के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 दितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रबीहस्ताझरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्रिक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत ढाई मंजिला कोट बाबा दीन गिह बाजार नं० 4 अमृतमर में है । ग्रीर रजिड़ीकृत न० 3122 तारीख 24-11-78 ग्रीर रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर शहर में है।

> एम० के० धर आई० आर० एस० सक्षम श्रीधकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख: 1 जून 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेज समृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 2 जून, 1979

निदेश मं० जी० एस० पी०/79-80/60--यतः मृझे एम० वेः० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्वात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख त पधो सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर प्रश्वात्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- क∘ से ग्राधिक है

श्रोर जिसकी सं० एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले हैं और सुपर स्ट्रक्चर भी साथ है तथा जो कि सिवल लाइन, गुरदारापुर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिनारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 25 श्रक्तूबर, 1978 को

को पूर्वीति सम्पत्ति के उजित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिरित की गई है और मुझे यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापूर्वितन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रशिक है और घन्तरक (प्रम्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) ६ बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निकानिधित उद्देश्य से उन्त धन्तरण कि बित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- क) अन्तरण स हुई किसी ग्राम की बाबत, उर्ध प्रशिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिष्ठित्यम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसर में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-न की अपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री संत निरांकारी मंडल, रिजर्स्ट दिल्ली द्वारर श्री हरि राम मुखनार-ए-खाम। (अंतरक)
- (2) श्री मनदीर बेदी पुत्र श्री जी० एस० वेदी निवासी गुरदासपुर (स्रीतरिती)
- (3) जैना कि अपर मं० 2 में स्रीर कोई किरायेदार हो तो (यह व्यक्ति, जिसके स्रिक्षिणेण में सम्पत्ति है।
- (4) यदि स्रोर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जातना है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह पूचना चारो करके नूर्वोक्त सम्यत्ति के सर्जन के लिए ए । आस कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त बंगित ए प्रारंग है गंबंध हैं कोई भी बाओर:---

- (क) अस नूजना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में भमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हैं विमा करिन गरा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 किन के भीतर उक्त क्याबर सम्पत्ति में हिनबाह किसी पत्र काकित द्वारा श्रष्टोत्त्वस्ताक्षरी के पा। लिखित में किंग पा किया ।

हराब्दी हरग -- असी गुका नध्दा सीर वर्ष का, जो उक्त सकि-नियम, के सब्याय 20-के में दिशाधित हैं, 'ही अर्थ हां। जो उस उसार में दिल नस है।

ग्रनुसूची

एक प्याद स्मि का जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले है ब्रोर दुक्त स्ट्रक्तर भी साथ है जो कि विश्वित लाइन, गुरदावपुर में स्थित है जैया कि रिजिस्ट्रड डीड नं० 4437 दिसक 25-10-78 बाक रिजिस्ट्रिंग अथारिटी गुर-दासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० के० धर सक्षम ऋधिकारी सह्य हे ऋथिहर ऋथिकत (निरीक्षण) ऋजंन रेंज, ऋमृतसर।

नारीख: 2-6-1979

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 2 जून, 1979

निदेण मं० जी० एम० पी०/79-80/61—यतः मुझे एम० के० धर

म्नायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो कि सिविल लाइन, गुरदासपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्रीजरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 25 श्रक्तुबर, 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए शन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशन भिष्क है भीर मन्तरक (शन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरग में हुई किसी श्राय की वायत, उबत भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (भा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भाय भारितयों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठितयम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम, या धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा ृं(1) अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षातः——

- (1) निरंगारी मंडल रिजस्ट्रड, दिल्ली द्वारा श्री हिर राम मुखातार खास (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सरदारनी राज बेदी पत्नी श्री जी० एस बेदी निवासी गुरदासपुर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैमा कि ऊपर मं० 2 में धौर कोई किरायेदार हो तो (बह ब्यक्ति, जिसके ध्रधिभाग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में किल रखना हो (बह बाकिन, जिनके वारे में श्रधो-हस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्मत्ति में हिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती ता, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

श्यव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

एक इमारत जो कि पुरानी डी० सी० की कोठी से जानी जानी है जो कि जिल्लिन लाइन, गुरदासपुर में स्थित है जैसा कि रिजस्टर्ड डीड नं० 4438 दिनांक 25-10-78 प्राफ रिजस्ट्रिंग अथारिटी गुरदासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर सक्षम प्रधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख :2-6-1969

प्ररूप माई० टी• एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्योजय, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जून, 1979

निदेश मं० ए० एस० श्रार०/79-80/62—यतः मुझे एम० के० धर आयकः श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिक्षित्तयम' कहा गया है) , की धारा 269-ख के श्रिक्षीत मक्षा श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है ।के स्थावर सपत्ति; जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से श्रिधिक है

ष्ट्रीर जिसकी संख्या आधा भाग प्लाट खसरा नं० 831 मिन है तथा जो कि तुंग वाला सरकुलर रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर उसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय स्रमृतसर शहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 श्रक्तूबर, 1978 को

पूर्नोनत मंपिल के उनित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भृष्टों यह विश्वास करने का कारण है कि यबान वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यतान प्रतिफल हो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) खोर अन्तरिती (अन्तरिन तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्राध्यानियम के प्रधीन कर दोने के भ्रम्तरक के दायित्व में रुमी करल या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (छ) एमा लसी अध्य या किमा धन प्राप्तियाँ को, जिन्हें भारतीय भावकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उकत अधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, उक्त भिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् !——
9 —136GI/79

- (1) श्रीमती प्रेम शाम पत्नी डा० राधे शाम निवासी श्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री (1) बलचरणजीत सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी मकान नं० 502, श्रकालगढ़ कादीयां जिला गुरदामपुर
- 2. श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री हरभजन सिंह निवासी कोठी नं० 5920, सेक्टर 53-डी, चण्डी-गढ़। (श्रन्तरिती)
- (3) जैमा कि ऊपर सं० 2 में ग्रीर कोई किरायेदार हो तो (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में कि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यहसूचना जारी करके पूर्वीना संयनि के अर्जन के जिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं!

उथत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीय .--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा धधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ं श्व**च्छो बरण :—-इसमें** प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उकत अधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्ध् चो

ग्राधा भाग प्लाट खमरा नं० 831 मिन जो कि तुंग वाला, सरकुलर रोड ग्रमृतमर में स्थित है जैसा कि रिजस्टर्ड डीड नं० 2714/1 दिनांक 26-10-78 ग्राफ रिजस्ट्रिंग ग्रथारिटी ग्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज हैं।

> एम० के० धर सक्षम प्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रमृतसर ।

तारीख: 2-6-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एन०---

धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 2 जून, 1979

निदेण सं० ए० एस० म्रार०/79-80/63—यनः मुझे एम० के० धर

मायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीत सञ्जम प्रिधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट श्राफ लैंड नं० 2802 से 2804 पुराना ग्रीर नया 2522 से 2525/1-23 तक है तथा जो कि चील मंडी, श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रीधकार्र के कार्यालय, श्रमृतसर णहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 15 नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रम्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुत्रिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त घिषिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अवीन, निम्निविधित व्यक्तियों, भाषींत्ः --

- (1) श्री त्रलोचन मिंह पुत्र निहाल सिंह निवासी मकान नं० 2802/1, चील मण्डी, ग्रमृतसर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पूर्ण चन्द, किणन चन्द पुत्रान श्री बखु राम निवासी 2612-13/1 महा सिंह गेट, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैमा कि ऊपर सं० 2 में ग्रौर कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि कोई भ्रौर व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
 किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:---इनमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट नं० 2802 से 2804/1 पुराना और नया नं० 2522 से 2525/1-23 तक जो कि चील मंडी प्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रिजस्टर्ड डीड नं० 3001/1 दिनांक 15-11-78 ग्राफ रिजस्ट्रिंग श्रथारिटी श्रमृतसर गहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर सक्षम अधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

नारीख: 2-6-1979

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०-

भायकर ग्रंघिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के भ्रंघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर श्रमृतसर,िदिनांक 2 जून, 1979

निदेश सं ए० एस० ग्रार० 79-80 64- यतः मुझे एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीण सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं० एक प्लाट नं० 2802 से 2804/1 मिन हैं तथा जो कि चील मण्डी, ग्रमृतमर में स्थित हैं (ग्नीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमुची में ग्नीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर ग्रहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 13 दिसम्बर, 1978 को

16) के प्रधीन, तारीख 13 दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (प्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण, लिखत में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (%) धन्तरण से हुई किसी झायकी बाबत, उक्त झिष्ट-नियम के झुधीन कर देने के धन्तरक ने दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भिविनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त भिविनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के भवीन निम्नसिखित व्यक्तियों, भर्यात् :-- (1) श्री त्रजोजन सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह 2449/ 1-23 चील मण्डी, ग्रम्तसर।

(अन्तरक)

- (2) श्री सोनी राम पुत्र श्री लक्ष्मन दास निवासी मकबूल पुरा, श्रमृतसर मार्फत जीवन ज्योति फी ग्रस्पताल श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैमा कि ऊपर सं० 2 में है स्त्रीर कोई किराये-दार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में मम्पत्ति है)
- (4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घि-नियम, के धट्याय 20क में परिभाषित है, यही अर्ब होगा, जो उस घट्याय में विया गया है।

अनुपूची

एक मूमि का प्लाट नं० 2802 से 2804/1 मिन जो कि चील मंडी प्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3366/1 दिनांक 13-12-78 स्राफ रजिस्ट्रींग प्रथारिटी स्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० के० धर सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर।

नारीख : 2-6-1979

प्ररुप आई० टी॰ एन० एस० ---

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रन रेज श्रमृतसर भ्रमृतसर दिनांक 2 जून, 1979

निदेण सं० ए० एस० ग्रार०/79-80/65--यतः युझे एम० के० धर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनर प्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्राधा भाग प्लाट खसरा नं० 831 है तथा जो कि सरकुलर रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर गहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—-

- (1) श्रीमती प्रेम शाम पत्नी डा० राधे शाम निवासी सरक्लर रोड, श्रमुसतसर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बलचरणजीत सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी मजान न. 502, ग्रकाल गढ कादियां गुरदासपुर. (2) श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री हरभजन सिंह। निवासी कोठी नं० 1592 सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में ग्रीर कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इम मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो छक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्राधा भाग प्लाट खमरा नं० 831 मिन जो कि तुंग बाला, सरकुलर रोड, श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रजि-स्टर्ड डीड नं० 2760/1 दिनांक 2-11-78 श्राफ रजिस्ट्रिंग श्रथारिटी श्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० के० धर सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारी**ख** : 2-6-1979

मोहर

प्रकृप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 जून, 1979 निदेश मं० पी० टी० ए०/158/78-79—श्रतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा

अधिकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वासकरने का कारण है कि स्यावर सम्पति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० मकान नं० 4493/5 का 2 व 3 भाग है तथा जो जगदीण प्राश्रम, पिटयाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक्ष स्वनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिटयाला में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 क्य 16) के ग्रधीन, तारीख नयम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिषक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है !——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविचा के लिए; भौर/या
- (थ) ऐसी किसा भाव या किसा धन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भावकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्वात्:—

- (1) श्री मतनाम सिंह सोढ़ी पुत्र श्री केणव मोढ़ी व श्रीमती श्रमृत कौर पत्नी केणव दयाल सोढ़ी, सोढ़ी भवन, मरहन्दी बाजार, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) डा० घरनजीत खुराना पुत्र श्री श्रमीर चन्द, डा० महेशइन्दर सिंह पुत्र मनजीत सिंह वासी राजिन्दरा हास्पिटल, पटियाला। श्री मोहन भूटानी पुत्र हाकम चन्द व श्री पंकज भूटानी पुत्र मोहन भूटानी श्राफ धनबाद मकान नं० 4493/5, नजदीक जगदीक श्राश्रम, पटियाला। (श्रन्तरिती)
- (3) श्री भूपिन्दर सिंह गुप्ता वासी मकान नं० 4493/5, जगदीण श्राश्रम, पटियाला। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजंन क संबंध में कोई भी प्राक्षप: --

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध ओ भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण: इसमें प्रयुक्त शन्दों भौर पदों का, जा उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं० 4493/5 का 2 व 3 भाग जो बंडूगर रोड, जगदीण स्राथम, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि राजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, पहियाला के विलेख संख्या 3935, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 2-6-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979 सं० पी० टी० ए०/157/78-79⊸–श्रतः

निदेण सं० पी० टी० ए०/157/78-79⊸-श्रत: मुझे त्थू राम स्थकर क्षमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे कसर्मे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूस्य 25,000/- ठ० ने मिक्षिक है,

श्रीर जिसकी मं० कान नं० 4493/5 का 2 व 3 भाग है तथा जो डा० जगदीण मार्ग, बड्रगररोड, नजदीक जगदीण आश्रम, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म में, विणा है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवस्वर, 1978 को का प्वॉक्त संपित के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृह्म यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्म मृह्म यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मृह्म, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्म प्रतिकल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिति विक कप से कबित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबठ उक्स अधिक नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 को 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः, अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बन्-सरण में मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्।——

- (1) श्री मतनाम सिंह सोढी पुत्र श्री केणवदयाल सोढी व श्रीमती श्रमृत कौर पत्ती श्री केणव दयाल सोढी, सोढी भवन, सरहन्दी बार, पटियाला।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) डा॰ चरनजीत खुराना पुत्त ग्रमीर चन्द्र, डा॰ महेगइन्दर सिंह पुत्र मनजीत सिंह, ग्राढ़ राजिन्दरा हास्पिटल, पटियाला। श्री मोहन भूटानी पुत्र हाकम चन्द व श्री पंकज भूटानी पुत्र मोहन भूटानी ग्राफ धनबाद, वासी मकान नं० 4493/5, बडुंगर रोड, पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री भूपिन्दर कुमार गुप्ता पुत्न श्री बृज लाल वासी मकान न० नं० 4493/5, जगदीश स्राश्रम, पटि-याला। (वह व्यक्ति, जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजंन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त संपति के धर्मन के संबंध में कोई भी माक्षेप .--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथापरि-माषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो, उस भ्रष्ट्याय में दिया गया हैं।

प्रमुसुची

मकान नं० 4493/5 का भाग जोबंडूगर रोड, जगवीश श्राश्रम, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी, पिट्याला के कार्यालय के विलेख संख्या 3934, नवस्बर, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

मोहर:

तारीर: 6जून, 1979

प्ररूप भाई० टी∙ एन० एस०------

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

<mark>ग्रर्जन रें</mark>ज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून, 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/163/78-79—-श्रतः मुझे नरयू राम

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से भिधक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 666.5 वर्ग गज है तथा जो लहैन, पटियाला में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबड़ अनुभूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत घांधक है और धन्तरक (अन्तरकों) घोर धन्तरितों (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कांबत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्नरा से हुई कियो अप की बाबत, उक्त बाधिनयम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
 - (ख) ऐसी किसी मार ा किसा धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर घिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधनियम, या धन-३२ घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अक्टः भव, उक्त अधिनयम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त धिष्ठिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

- (1) मर्वश्री तरलोक सिंह व दिवन्दर सिंह पुत्र श्री दिवान सिंह वासी भूपिन्दर रोड, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जसबीर सिंह व स्रमृतवीर सिंह व श्रीमती प्रीतम कौर पुत्र व विधवा श्री गुरबचन सिंह वासी लहैंल, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वास्त सम्मान के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, को भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पवों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा को उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षत्रदृष्ट 666.5 वर्गगज है भ्रीर जो लहुन, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3899, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 6 जून, 1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस०--

धायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के ध्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंग लुधियाना लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/159/78-79~— प्रतः मुझे नत्थू राम,

श्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूण्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 666.5 वर्ग गज है तथा जो लहैल पटियाला में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारों के कार्यालय पटियाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवस्वर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्नष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के शिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त मधिनियम, की घारा 269-घ की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

- (1) मर्वश्री तरलोक सिंह व दिवन्दर सिंह पुत श्री दवान सिंह वासी भूपिन्दर रोड पटियाला (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जसवीर सिंह व स्नमृतवीर सिंह पुत्र श्री गुर-चरन सिंह वासी लहैंल पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्तन के लिए कार्यत्राहिमां करता है।

उन्त सम्वत्ति के प्रश्रंत के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप: -

- (फ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घमधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की घमधि, जो भी घमधि दाट में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) ६म सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्य क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित्त में किए जा सहेंगे।

स्वव्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जा उक्त प्रिवित्यम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 666.5 वर्ग गज है ग्रीर जो लहैल पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3936 नवम्बर 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रेंज लुधियाना

तारीखाः : 6-6-1979 मोहरः प्ररूप ग्राई• टी॰ एन॰ एस॰----

धायकर प्रधितियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज भागकर भवन लुधियाना लुधियाना दनांक 6 जून 1979 नवेश सं० पी० टी० ए०/190/78-79—भ्रतः मुझे नत्यु राम

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख कि श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

स्रोर जिसको सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है तथा जो गांव तिपड़ो पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रधि-कारों के कार्यालय पटियाला में रजिस्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ताद्वीख सितम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्थित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, प्रस्तित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्थित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (ग्रन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर धन्तरण लिखित वास्तविक से रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन व श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मै, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

- (1) श्री गुरिन्दर सिंह पुत्र श्री हरदेव सिंह वासी पटियाला। (श्रन्तरक)
- (2) श्रो लाल ईन्दर सिंह पुत्र श्री सुखिन्दर सिंह बासी वपड़ो पटियाला। (धन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उस सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है और जो त्रिपड़ी पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रिजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4559 दिसम्बर 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (निर्दक्षिण) ग्रर्जन रेंज लुधियानः

तारोख ' 6 जून 1979 मोहर '

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० पो० टो० ए०/191/78-79----श्रतः मुझे नत्थ् राम

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है तथा जो गांव विषष्ट माईदां पटियाला में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ना श्रिधकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख दिसम्बर 1978 की

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बागार भूट्य से कम के दृश्यमात प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति हा उचित बाजार भूट्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐते दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देश्य से उक्त प्रनारण लिखित में बास्तिक रूप में किया नहीं किया गरा है:→→

- (क) मन्तरण से हुई किमो प्राय की बावत उन्त भिष्ठितयम के भिर्धान कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उनतं, प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों अर्थात :-

- (1) श्र) गुरिन्दर सिंह पुत्र हरदेव सिंह वासी पटि (भ्रन्तरक)
- (2) श्रां हरजिन्दर सिंह पुत्र श्री सुखीन्दर सिंह वासी त्रिपड़ी पटियााला। (श्रन्तरिती)

को यह पूजना जारो करके पूर्जीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

हारती हरण:--इसमें प्रयुक्त शस्तों और पदों का, जो उक्त भिद्यानियम_ु के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है श्रीर जो त्रिपड़ी पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संया 4569 दिसम्बर 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रैंज लुधियाना

तारोख : 6 जून 1979 मोहर: प्रकप आई• टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

नदेश मंा पीं विश्व ही ग्राप्त १७० विश्व मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है प्रीर जिसकी संव प्लाट जिसका क्षेत्रकल 4 कनाल है तथा जो लिपड़ी पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिकियम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख नवम्बर 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अग्तरक (अन्तरकों) पौर अग्तरित (अरिन्ततियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (ख) ऐसो किसो आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उन्त अधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया करना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भता, भव, उन्ता पश्चिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उन्त भोधनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्रामिती जसेयन्तकौर पत्नी श्री राजिन्तर सिंह गरेयाल बीबरीयाँ रोड लाहौरी गेट पटियाला । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमिनी कमलेश वंगल पत्नी श्री सुभाप कुमार वंगल 1553-पुराना गद्दा खाना आर्थ समाज पटियाला। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी पत्रधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकागन की तारीख में 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण:--इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है ग्रीर जो विषड़ी पटियाला में स्थित है।

(जायोदाद जैपा) कि रजिस्ट्रोसिती श्रीधकारी, पटियाला के कार्यालय के विजेख संख्या 4222, नवस्बर, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक द्वायकर द्वायुक्त (निरीक्षण) द्वर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 6 जून, 1979 मोहर:

प्रकृष ग्राई • टो • एन • एस • -----

था। कर प्रचितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के प्रधीत सूचत

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 जून, 1979

निदेण मं० पी० टी० ए०/273/78-79—च्यतः मुझे नत्य राम

आसकर बांधनिमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्द्र प्रशिमिनम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है, श्रीप

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 14 मरले है तथा जो गांत्र तिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्री-करण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 11) के श्रीधन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति ह उनित बाजार मूच्य से कथ के बृश्यमान प्रतिकल के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण निश्चित में वास्तिबक इप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किसी प्राय की बादत उका अधि-नियम के स्विधीन कर होने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किमी भाय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रय, उक्त प्रक्षितियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधितियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निकालिक्त व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री हरदेव सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरचरन सिंह गरेवाल वासी ववरीयां रोड, लाहौरी गेट, पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जसकीर सिंह व श्री भ्रमृतवीर सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह वासी 133. पंजाकी बाग, पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह मूजना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी धन्म व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्शिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उस्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं. बही गर्य होगा, जो उप ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 14 मरले है श्रीर जे गांव त्रिपडो, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी, पटियाल के कार्योलय के विलेख संख्या 5746, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारं।ख ' 6 जून 1979 मोहर प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/254/78-79—प्रतः मुझे नत्यू राम भायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६०

से ग्रधिक है श्रौर जिसकी

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 7.1/2 मरले है तथा जो लिपड़ी साईदों पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1978 को

पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से भ्रधिक है भ्रीर अन्तरक (श्रम्तरकों) भ्रीर अन्तरिती (श्रम्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं, किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्टिनियम, के भ्रिष्टीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रम, उक्त भिधिनियम की धारा, 269 ग के श्रनुसरण में में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1); भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्— (1) श्री हरजीत मिह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव मिह् गरेवाल वासी विवरीयां रोड़ लौहरी गेट पटि-याला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमृतवीर मिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह व श्रीमती राजिन्दर कौर पत्नी श्री जसवीर सिंह वासी 133 पंजाबी बाग पटियाला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रत्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षितियम के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 7.1/2 मरले है भ्रौर जो गांव विजड़ी माईदां पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख सख्या 5595 फरवरी 1979 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख • 6 जून, 1979 मोहर

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. लुधियाना लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

निदेण सं० पी० टी० ए०/256/78-79---- प्रतः मुझे नत्थू राम आयक्टर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर प्रिम्नित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वे से प्रिम्निक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव विषड़ी साईदों पटियाला में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप के विजत रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मिनियम के भ्रधीन कर वेते के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसो किसी याय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रबं, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-ग के प्रमसरण में, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधोन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:⊶- '

- (1) श्रा हरजीत सिंह पुत श्री हरदेव सिंह वासी विवरीयां रोड लौहरी गोट परि (%
- (2) श्रोमती प्रोतम कौर विधवा श्री गुरचर श्रोमती कुलजिन्दर कौर पर्ता श्री ग्र सिंह वासी 133-पजाबी बाग पटियाल (श्री

को यह सूचना जारी करके पूर्वीमत सम्पक्ति के अर्जन के कार्यवाहियां भरता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सू तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब शन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पवों का, जो जक्त नियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित भ्रथे होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 11 मरले है थ्रं गांव विषड़ें: साईदां, पटियाला में स्थित है। (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रेंक्ती अधिकारों, पर् के कार्गालय के विलेख सख्या 5611, फरवरी, 19 दर्ज है)।

> नर सक्षम प्रा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर श्रर्जन रेंज लुि

तारीख ' 6 जून 1979 मोहर ' प्ररूप भाई० टी• एन० एस•-

मायकर मििनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज लुधियाना लुधियाना दिनांक 6 जून 19**7**9

निदेश सं० पी० टी० ए०/199/78-79—- अतः मुझे नत्थु राम

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ध्रधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 11 मरले है तथा जो त्रिपड़ी साईदां पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्री,-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से खक्त अन्तरण विखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी वन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीविनियम या धन-कर भीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रन, उक्त प्रधिनियम की खारा 269-ग के भनुसरण में में, उक्त ग्रीविनियम की धारा 269-ग की उ (1) के ग्रधीन निम्नीलिखित व्यक्तिकों, भर्यात्:—- (1) श्रा गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, वामी विवरीयां रोड, लौहरी गेट पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो जगदेव सिंह पृत्र श्रो भगवन्त सिंह वासी चक्ष्य तहसोल व जिला पटियाला। (ग्रन्तरितो)

को यह मुखा जारी करके पूर्वीश तस्पति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता है।

उस्त सम्मति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीक से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:---दममें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त भ्रक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 11 मरले है श्रौर जो विपड़ो साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रिजिस्ट्रोकर्ना श्रिधकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख सक्या 4740. दिसम्बर 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारी**ख** : 6 जून, 1979 मोहर प्रास्त्य **भाई** टी० एन**० एस०----**-

भायकर व्यक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज लिधियाना

लुधियाना दिनक 6 जून, 1979

निदेश सं० एसम्रोए 17/78-79--श्रतः मुझे नन्थू राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित्र बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 964 वर्ग मीटर है तथा जो सेर, सोलन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सोलन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (108 का 16) के श्रधीन, तारीख अक्तूबर, 1978 पूर्वोक्त, संपत्ति के उतिन बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पल्डह प्रतिशत से प्रधिक है घीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भायकी बाबत उक्त भाध-नियम के भाषीन कर देने के बन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी छन या प्रम्य ग्रास्त्रियों की, जिन्हें नारतीय भ्रायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या छन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः धन, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, श्रयीत्:---

- 1. श्री बी॰ सी॰ मधोंक पृत श्री रहा लाल, बामी माडल टाउन, भ्रम्बाला भहर (श्रन्तरक)
- 2. श्री जीवन लाल गोयल पुत श्री सुन्दर लाल गोयल, फीलड श्रफसर, एल० श्राई० सी० मोलन, श्री णिवनाथ सिंह त्यागी लैक्चरर, गोरमेंट कालज, नालागढ, श्रीमि कुशम लता गोयल पुत्ती श्री बृज भूषण, ट्रैन्क रोड, सोलन। (श्रन्तरिती)

को गर् मृत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्गत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियां में से किसी क्यक्ति दारा,
- (ख) इस म्चमा के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भांतर उक्त स्यावर संपत्ति में दित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरण:—-इनमें प्रयुका गक्यों और पदो का, जो उक्त श्रिवित्यम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 964 वर्ग मीटर है ग्रीर जो सेर सोलन में स्थित है।

(जायेदादा जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, सोलन के कार्यालय के विलेख सं० 260, श्रक्तूबर, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक 6 जून 1979 मोहरः अरूप प्र∈० टी• एन• एस•----

अयक्तर प्रचितिया, 1961 (1981 का 43) की धारत ं रूप (1) । यदीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

निदेश मं० नीट्रीए/212/78-- 79--- ग्रतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिये इसमें इसके पण्चात् जिक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी की, पह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, विसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-४० से अधिक है

श्रीर जिकी सं० भूमि जिसका धोत्रफल 3 कनाल 4 मरले है तथा जो गांव विपड़ी साईदां, पटियाला, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विणित है), रिजस्ट्रांकर्ता ग्राधिकारी, के कार्याक्षय, पटियाला में, रिजस्ट्री-नयम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन,

तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के कृष्यमान प्रतिकल के निष्ण क्ष्मिरिट को गई है और मुझे यह विक्रास करने का करण है कि लेकाव्योंका स्थानि का उचित बाजाए मूल्य उसके प्रतिकत प्रतिकल के पूर्व कृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकल प्रतिकल के मौर क्ष्मिर प्रतिकल का और कर्कार्य (वस्ताविक के मौर क्ष्मिर प्रस्तिक कि निष्ण त्य पाया गया प्रतिकत, निम्नोनिश्चित अर्थ्य से उक्त प्रस्तरण निश्चित में ग्रह्मिक क्ष्म से क्ष्मित नहीं कि ग्रामक है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- ाल १ ऐसो किसी आय वा किसो धन या अन्य अविश्वयों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर मेधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रंधिनियम, या प्रश्नकर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) (प्रशेजनार्थ अन्तर्शि हारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के निए;

अतः अव, उक्त श्राधानयम की घारा 269-म के मनुसरण म में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन नम्नणिखित व्यक्तियों के अर्घौत्:——

- श्री गुरिन्दर सिंह गरेबाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरे-त्राल, वासी विवरियां रोड, लौहरी गैंट, पटियाला (अन्तरक)
- 2. श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री भगवन्त सिंह वासी चर्मग, तहसील पटियाला (श्रन्तरिती)

को यह भूवना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूजना के राजपत्र में अकाणन की तारीख से 45 विष की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूजना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीलर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मुक्ता के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्राल में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्नीहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पत्तों का, जो 'उक्त अधिनियम', के शब्दाय 20का में परिमाणित हैं, बही अर्थ गेगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सकी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 4 मरले है ग्रौर जो गांव व्रिपड़ी, पटियाला में स्थित है ।

(जायेदादा जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5090, जनवरी, 1979 में वर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्ष्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक 6 जून 1979 मोहर: प्रकृष माई• टी• एन• एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० पीटीए/197/78--79-श्रत: मुझे नत्थू राम

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूस्य 25,000/- क्ये से ग्रधिक है प्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 7 सरले है तथा जो गांव त्रिपड़ी, पिटयाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पिटयाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक को दिसम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत प्रधिक है घौर अन्तरक (अम्बरकों) भीर अम्तरिती (अम्बरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्ष कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से किंवत नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण में हुई किसी प्राय की वाबत, उकत अधि-नियम, के धधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में रूमी करने या उससे अधने में सुविद्या के लिए; क्षेत्रीया
- (ख) ऐसो किसी पाप या किसी बा या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिविनयम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अन्नः अन्न, उन्तं यदिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में में, उन्तं अधिनियम की बारा 269-व की जपधारा (1) के प्रधीन निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्री हरजीत सिंह पुत श्री हरदेविसह वासी विन-रिया रोड, लौहरी गेट, पटियाला । (अन्तरक)
- 2. श्रीमित मनजीतकौर पत्नि श्री इकबाल मिह, वासी पिट्याला । (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रकेंन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रस्य क्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त ग्रिक नियम के ग्रव्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, बही ग्रमें होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 7 मरले हैं ग्रौर जो गांव विपड़ी, पटियाला में स्थित हैं ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, पिटयाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4708, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है) ।

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 6 जून 1979 ।

मोहरः]]

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एस०-----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० सीएचडी/247/78--79--ग्रतः मुझे, नत्थू राम,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपये से श्रधिक है, ग्रौर जिसका प्लाट जिसका क्षेत्रफल 528.13 वर्ग गज है तथा जो नं 1529 मैंक्टर 33-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (ब्रीर इससे उपावड अनुपूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मधिनियम, के भधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; **डॉर**/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

भतः सब, उक्त भविनियम की धारा 269 ग के भनुसरण में, में उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा, (1) के अधीन निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- া श्रीमति शारदा संहब्जा, विधवा श्री डी० पी० संहुब्जा मकान नं० 1487,मैक्टर 15, फरीदाबाद (श्रन्तरक)
- 2. लैं० क० के० डी. श्रार० णर्मापुत्र ले० पं० सन्त राम वासी 3094, सैक्टर 27-डी चन्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजेंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरो के पास लिखित में किये जा सकेंग !

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के मध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गेया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 528.13 वर्ग गज है ग्रीर जो नं० 1529, सैक्टर 33-डी, चन्द्रीगढ़ में स्थित है। (जायेदाद जैसा कि रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 705, नवम्बर, 1978 में दर्ज है) ।

> नत्थु राम मक्षम प्राधिकारी भह्(यक ग्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण ग्रजन रंज, लुधियाना

दिनांक: 6 जून 1979

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ध्रशीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यालय महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून, 1979

निदेश सं० पीटींग्/137/78---79--श्रतः मुझे नत्थू राम,

प्रामकर घांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त घिंधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्म 25,000/- रु० मे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिमका क्षेत्रफल 80 कनाल 13 मरले है तथा जो गांव भाटियां, नहसील व जिला पिटियांला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिटियांला में, रजिस्ट्रीरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्य-

मान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के गन्द्रह् पतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक क्य में स्थित नहीं किया गया है हम्म

- (क) धन्तरण स हुई किसी आय की बाबन, उबत प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किनी धन या अन्य मास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ एस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविद्या के लिए;

अतः धव, उकत मधिनियम की ब्रासा 269-ग के धनुसरण
में, मैं, उक्त मधिनियम की ब्रासा 269-व की उपधारा (1)
अब्रीन निस्तृतिवित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- श्री छज्जू पुत्र श्री रह्ना त्रामी गांव भादियां तहमील व जिला पटियाला (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नत्थू राम पुत्र श्री बख्णी राम, वासी गांव भाटियां, तहसील व जिला पटियाला (श्रन्तरिती)

को यह मुकता बारो छएक पूर्वीका अस्पति के धर्जन के तिए कार्यवाहिया करता हूं।

बक्त सम्बक्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कार्य सा पाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बरधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समान्त होती हो, क भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचन। के राजपन में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर तक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलका किसी अन्य व्यक्ति झारा, सामदुस्तान्तरों के पासालिकत में किए का सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शश्री और पदों का, को उत्त अखि-नियम के सध्याय 20-उ में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उन ग्रहणाय में विः गया है।

भ्रनुसूची

भूमि जिसका क्षत्रफल 80 कनाल 13 मरले है ग्रीर जो गांव भाटियां : तहसील व जिला पटियाला म स्थित है। (जापेदाद जमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला

्रीतिक्दाः जसा कि रिजिस्ट्रीकतो ग्रिधिकारी, पटियाला के कार्यात्रय के विलेख मैं० 3637, ग्रव्तृबर, 1978 में दर्ज हैं।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 6 जून 1979

प्रकार बाई डी ० एन • एन •----

्र १५०र अधितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 ४९६ (1) के संघीत सूचना

मारत सर्गार

कार्यालय, महायक धायकर सायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निदेण सं० सीएचडी/242/78-79---- ग्रनः मुझे, नत्थू राम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-54 है अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करते वस कारण है कि स्पावर पंत्रित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2.1/2 मंजिल बिल्डिंग नं० 679, सैक्टर 20-ए, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधि-कारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिथीन, दिनांक नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यभान जितकल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित आजार मूह्य, जार पृथ्यभाग असिकल का प्रश्न प्रतिकल का प्रश्न प्रतिकल का प्रश्न प्रतिकल का प्रश्न प्रतिकल का प्रश्न प्रतिकार से व्यवक है भीर अस्तरक (अस्तरकों) भीर अस्तरिती । धन्ति जित्यों) के बीच ऐस अस्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बासरकि विक कर से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसो भाग की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के बागिस्त में कमी जरने था उसमे बचने में सुविधा के लिए; घोर/या
- (ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या पत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1372 का 11) या उत्तन स्थिनियम, कः धनकर अधिनियम, कः धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) उ. १६० छ। धनियम, 1957 (1957 का 27) उ. १६० छ। धनियम, वार्थिका चित्रा प्राप्त का किया स्था था वार्थिका जिला स्था था वार्थिका जिला का लिए।

भतः अा, ाका अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्ण में, में, उनत भिधितियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन निम्निलिखिन व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. श्रीमति अमर कीर पत्नी श्री ज्ञान सिंह वासी मकान नं० 259, सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्यारे लाल पुत श्री पुरत चन्द व सर्वश्री प्रेम सागर व ग्राम प्रकास पुत्र श्री प्यारे लाल मारे वासी 679, सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़ (श्रन्तरिती)
 - 3. श्री के० मी० कीणिक, पहली मंजिल, श्री एच० के० जनेजा, पहली मंजिल, श्री भूपिन्दर कुमार, दूसरी मंजिल, सारे वामी मकान नं० 679/20-ए चन्डीगढ़ (वह न्यक्ति (जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)।

को प्रस्मा जारी करके पूर्वोक्त संशति के प्रजेत के एक कार्यसाहियाँ करका हूं।

उनत मपरित के धर्मन के संबंध में कोई भी भारतप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रशासन की नारीच से 3.5 दिन की अवधि का तस्संबंधी व्यक्तियों पर कृतना ा नापीत में 30 दिन की भवधि, जो की भी भागी-बाद में समाप्त होती हो। ते भागर पूर्वीका व्यक्ति नाथा;
- (ख) इस मूचना के राजपन मं बकाशत को तारीश्र से 45 दिन के भीतर उपत स्थायर संपत्ति में द्विताव भिन्ना भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए ता नकीं।

हिन्द्रशिक्षरण :--इनमें प्रयुक्त शब्दा मोर वर्षों का, जा उन्तर धिनियम के मध्याय 20-क में परिकाषित है, वहीं भवें होगा, जा उस जन्म में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 679, मैक्टर 20-ए चन्डीगढ़। (जायेदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय विलेख संख्या 655, नवस्बर, 1978 में दर्ज हैं)।

> नत्यू राम, मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 6 जून 1979

प्रव्रहर प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (196) का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

यार्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक ७ जून 1979

निदेण मं० राज०/19/78-79--- प्रतः मुझे नत्थू

राम

ष्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत तता अभिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मस्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपर्ये से अधिक है

थोर जिसकी सं० मकान नं० 5-जे/1 गांधिन्य वालं।नी, राज-पुरा टाऊन णिप, है तथा जो राजपुरा, जिला पटियाला भे स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड अनुभूची में झार पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, १६५-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोस्त सम्मित के उवित याजार भूल्य से कम क दूश्यमान प्रतिफल के जिए प्रतारित को गई है प्रीर मुझे यह विषयाम करने का कारण है कि ययापूर्वास्त ममाल का उवित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एखह प्रतिगत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकत, निम्निजिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्रस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई िक्सी ग्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ग्रवीन कर देने के ग्रग्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर प्रधिनियम 1922 (1923 का 11) वर उक्त ग्रविनियम या ग्रन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 की 27) क प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्री मनमोहन कृष्ण गौर पुत्र श्री राजा राम, वासी 5-जे/1, गोबिन्द कालोनी, राजपुरा टाऊन णिप (ग्रब वासी एफ 4/1 मालवीय नगर, नई दिल्ली) । (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमित शकुन्तला देवी पत्नि श्री हीरा लाल वासी दाल मण्डी, बुलन्दशहर (उ० प्र०) ग्रब वासी 5-जे/1, गोबिन्द कालोनी, राजपुरा टाऊन। (ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए गर्यवाहियां करता हूं।

- उत्त तम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--
- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वयक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रम्बोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 5-ने/1, गोबिन्द कालोनी, राजपुरा टाऊन। (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, राजपुरा के कार्या-लय के विलेख संज्या 2848, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः ६ जून, 1979।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269म (1) के अधीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ल्धियाना

नुधियाना, दिनांक 6 जून, 1979

निदेश मं० पीटीए/162/78-79--- अत: राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख 🤫 अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उलित बाजार मृत्य 25,000/- ३० से बिघक है

श्रीर जिसकी भूमि जिसका क्षेत्रफल अकनाल ६ मरले है तथा जो विपड़ी नजदीक गरेराव फिलिंग स्टेशन, पटियाला में स्थित है (श्रीर इस मे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अजीन, दिनांक नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुरे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्ध्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अन्तने में सूविधा के लिए; भीर या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन व श्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए:

श्रतः श्रव, उक्तश्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उनत श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) म्रधीन प्रयत्ः--

- 1 श्री गुरिन्दर सिंह गरेराल पृत्न श्री हरदेव सिंह गरेवाल वासी मोहल्ला बिवरियां, पटियाला
- 2 श्रीमित केदार कीर पत्नि स्व० श्री मनजीत सिंह वासी मोहल्ला भैंकन, सुनाम व श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री मनजीत सिंह, वामी मनीर, पटियाला (ग्रन्तिरती)

की यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों से सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में तिहबद्ध कियो अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले है भ्रौर जो विपड़ी परियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, पटियाला के विलेख सं० 3968, नवम्बर, 1978 में दर्ज है।

> नत्थु राम मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्वत (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 6 जून 1979

ारू भाई• टी• ्न• एस•——

ग्रायकर यश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के घष्टीन सुखना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना

लिधियाना दिनांक 6 जून, 1979

निदेण सं० एलडीएच/135/78-79--- ग्रतः मुझे नत्यु राम सह(यक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, ल्धियाना भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिमे हममें ६मके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्यास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार भुन्य 25,000/- य• से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी-19-354/डी, नजदीक खारामा कालेज, फार वोमैन है तथा जो डा० हीरा सिंह रोड सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैए, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीद, दिनांक नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्ति। बाजार मृत्य से का के दश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसकं धुश्यमान प्रतिफल से ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रानिशत से मधिक है, भीर यह कि मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त सन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त सिंध-नियम, के भ्रभीन कर देने के ध्रम्तरक के दायित में कभी करने या उसते बचने में दिवधा के लिए; और/मा
- (का) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रम्य यास्तियों को जिल्हें भारतीय भाष-कर विधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, पा धन-कर भ्रिजियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधः के लिए;

भत:, अब उक्त प्रधितियम की जारा 269ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधितियम की बारा 269 च की उपवारा (1) के अधीन निम्निश्चित स्पक्तियों, अर्थात् :----

- 1 श्री मनवीर सिंह गरेताल पुत्र श्री बलबीर सिंह द्वारा श्रीमित सिंबन्दरजीत कौर, मूख्तयारे श्राम वासी 8-ए, सिंबिल लाईन, भटिंगा (श्रन्तरक)
- थी ग्रणोक कुमार पुत्र श्री मेला राम मारफत ग्रणोक स्टोर,
 चौक गिरजा, चौड़ा बाजार, लूधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बन्धि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्मति के पर्वर के सम्बन्ध में को है भा माक्षेप :---

- (क) इस शूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की पविषया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर शूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास जिख्यत में किए या सकेंगे :

स्पन्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, यहां धर्षहाता जो उस शब्दाय में दिया गया है।

धमुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी-19-354/डी, नजदीक खालसा कालेज फार वोमैंन, डा० हीरा सिंह रोड, सिविल लाईन, लुधियाना । (जायेदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, लूधियाना के कार्या-लय के विलेख संख्या 3270, नयम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त भ्रज्ञंन (निर्राक्षण)

. श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 6 जून, **1**979 मोहर: अधिक है

श्ररूप भाई० टी० एन० एस०—-भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० एलडीएच/139/78--79-- ग्रतः मुझे नत्यू राम, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-आ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से

मीर जिसकी सं 0 1/2 भाग मकान नं 0 बी-19-354/डी, है तथा जी डा० हीरा सिंह रोड, नजदीक खालसा कालेज फार वोमैन, लुधियाना में स्थित है (ग्रोर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया श्राना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः शव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित अपिक्तियों, धर्मातः——
12—136GI/79

- 1 श्री मनवीर सिंह गरेवाल पुत्र श्री बलबीर सिंह द्वारा श्रीमितसिविन्दरजीत कौर जी० ए० वासी 8-ए सिविल लाईन, भटिंडा (श्रन्तरक)
- 2 श्री श्रशोक कुमार पुत्र श्री मेला राम मारफत श्रशोक स्रोर, गिरजा घर चौक चौड़ा बाजार, लुधियाना (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधितयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रषं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

1/2 भाग मकान नं० बी 19-354/डी डा० हीरा सिंह रोड नजदीक खालसा कालेज फार बोमन, सिविल लाईन, लुधियाना ।

(जायेवाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3336, नवस्त्रर, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम स्टब्स्कारी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 6 जून, 1979

प्ररूप धाई० टी • एन • एस० -----

आमकर स्थिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अजीत मूबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून, 1979

निदेश सं० पीटीए/166/78---79--- श्रतः मुझे, नत्यू राम भाधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की खारा 269-धा के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/- इ∍ से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 7565/5 का भाग है तथा जो हीरा नगर, बड्गर पटियाला में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1978 की पूर्वोक्त संपत्ति के अजित शाजार सूल्य से कम के युवनमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मुस्य, उसके पुण्यमान प्रतिफात से ऐसे दृश्यमान प्रतिफान बा पम्ब्रह बतिशत - अधिक है और धन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उत्तत ग्रन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, गा धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, किपानें में सुविधा के लिए;

बतः यव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के मनूसरण में, में, उक्त प्रथिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्तिलिक्ष व्यक्तियों, अर्थातः न

- 1. श्री जगजीत सिंह सिध् पुत्र राम नारायण सिंह, वासी मकान नं ० 5 9 6, सैक्टर 1 8-बी चन्डीगढ (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमिति मनजीत सोढी पत्नी श्री मतनाम सिंह सोढी, सरहन्दी बाजार, पटियाला (श्रन्तरिती)
- 3. श्री सतनाम सिंह सोक्षी पुत्र श्री केशव दियाल सिंह वासी सरहन्दी बाजार, पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनतं सभ्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी मासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की घविध या तत्से बंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, को भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्तावारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण :--इसमें प्रमुक्त सन्दों भीर पर्यो का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस झड्याय में विया गया है।

अमुस्ची

मकान नं० 7565/5 का भाग जो हीरा नगर, बंडूगर, पटियाला में स्थित है।

(जायेदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० 4047, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)

> नत्थूराम सक्षम प्राधिकारी

महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 6 जून 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निवेश सं० पीटीए/151/78-79---- प्रतः **मुझे**, नत्थू राम

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 7565/5 का भाग है तथा जो हीरा नगर, बहुगरण पिटयाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पिटयाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रग्तरकों) ग्रोर प्रन्तरिती (प्रम्तरितियों) वे बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के धधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में दुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिश्वनियम था धन-कर ग्रिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण कि, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) कि क्धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री जगजीत सिंह सिध् पुत्र राम नारायण सिंह नासी मकान नं० 596, सैक्टर, 18-बी, चन्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सतनाम सिंह सोढी पुत्र श्री केशवदियाल सिंह सोढी सरहन्दी बाजार, पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
 प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शृतवा
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त प्रिवित्यम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही प्रथ होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 7565/5 का भाग जो हीरा नगर बड्रगर, पदियाला में स्थित है।

(जायेदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटिायाला के कार्याविलेख संख्या 3817, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिधयाना

दिनांक: 6 जून, 1979

प्ररूप आई० टी० एन∙ एस०-

ग्रावकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज लुधियाना

लिधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० पीटीए/150-ए/78-79--श्रतः मुझे, नत्थू राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 7565/5 का भाग है तथा जो हीरा नरग, बंडूगर पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप से बांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हा से काया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिन नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उनतं भिधिनियम, की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उनतं श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रवीत्:—

- श्री जगजीत सिंह सिधू पुत्र श्री राम नारायण सिंह वासी
 596, सैक्टर 18-बी चन्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- श्री सतनाम सिंह पुत्र श्री केशवदियाल सिंह, सरहन्दी बाजार, पटियाला (म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दी झीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रीट्याय 20-क में परिभाषित ' हैं, बही अर्थ होगा जो उस श्रीट्याय में दिया गया है।

अमुसची

मकान नं० 7565/5 का भाग जो हीरा नगर, बंडूगर, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3702, प्रक्त्वर, 1978 में दर्ज है) ।

> नत्थ् राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोंज, लुधियाना ।

विनांक: 6 जून, 1979

प्रका प्राई- टो० एन० गुस०---

आयक्र अधिकिणम, 1961 **(1961 का 43) की धारा** 2**69-ष (1) के प्रधीन सुबना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून, 1979

निदेश सं० पीटीए/150/78-79--- अतः मुझे, नत्यू राम आया ६२ प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उना अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत सक्षय प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, मिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ क• से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव जायेदाद नंव 7565/5 का भाग है तथा जो हीरा नगर बंडूगर, पिटयाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पिटयाला में, रजिस्ट्रीकरण, श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिंदत बाजार मृह्य से कम के दृहयमान प्रतिकल के लिए भन्दरित की गई है भीर मृग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत भिष्ठक है, भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिकक कर पे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्टारक के दायिरब में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, 'छिमाने में सुविधा के लिए;

सत: ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-म के अनुसरक में, में, अक्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उपमारा (1) के सभीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- 1. श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री राम नारायण सिंह मकान न० 596, सैक्टर 18-बी धन्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित मनजीत सोढ़ी पत्नी श्री सतनाम सिंह सोढ़ी, वासी सरहन्दी बाजार, पटियाला (श्रन्तरिती)
- श्री सतनाम सिंह सोढ़ी पुलश्री केणविषयाल सिंह सोढ़ी, वासी सरहन्दी बाजार, पटियाला (वह व्यक्ति, जसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यन्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

हन्तरहोक्करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भयं होगा, जो उस भड़याय में विया गरा है।

अनुसूची

नकान नं० 7565/5, हीरा नगर, बंदूगर, पटियाला। (जायेदाद जसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी,पटियाला के कार्या-लय के विलेख संख्या 3816,नवम्बर, 1978 में दर्ज हैं)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 6 जून 1979

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

नुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निवेश सं० पीटीए/167/78-79-अतः मुझे, निष्यू राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके तक्ष्यान 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थानर सम्मित, निवका उचित गाजार मृत्य 25,000/-क्ष्मए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 7565/5 का भाग है तथा जो हीरा नगर, बंडूगर पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण हप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिसत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का पन्दह श्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर धन्तरितों (पन्तरितिशां) के बोब ऐसे प्रश्नरण के लिए तथ पाया गया श्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से अन्तर अन्तरण लिखित में बाहतीक हम स कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसो भाग को बाबत, उक्त प्रकिन नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रक्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः धन, उन्त भिवित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री राम नारायण सिंह वासी मकान नं० 596, सैक्टर 18-बी चन्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2. श्री सतनाम सिंह सोढ़ी पुत्र केणवदियाल सोढ़ी, सरहन्दी बाजार, पिंटयाला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाष्ट होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम, के भध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही भये होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान नं ० 7565/5 का भाग जो हीरा नगर, बंडूगर पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4048, नवम्बर, 1978 में दर्ज है ।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रेंज, लुघियाना

दिनांक: 6 जून, 1979

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th May 1979

No. A.12019/5/74-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Senior Analyst for the period from 1-6-79 to 31-8-79, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri M. S. Chhabra will be on deputation to an excadre post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance OM No. F. 10(24)-E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN

Under Secretary, Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st May 1979

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following Assistant Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an ad hoc basis as Section Officer (D.P.) for the period from 2-6-1979, to 31-8-1979, or until further orders, whichever is earlier:—

- 1. Shri S. P. Bansal
- 2. Shri B. R. Gupta
- 3. Shri M. M. Sharma

No. A.12019/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an ad hoc basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period mentioned against each or until further orders, whichever is earlier:—

- 1. Smt. Sudha Bhargava, 2-6-79 to 31-8-79
- 2. Shri Chand Kiran, 2-6-79 to 31-8-79
- 3. Shri J. N. S. Tyagi, 28-5-79 to 27-8-79.

S, BALACHANDRAN, Under Secy. for Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 20th June 1979

No. 14029/7/79-NE.II.—In continuation of this Ministry's Notification No. 14019/7/79-NE.II dated the 22nd February, 1979, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of Shri H. Guha, as Adviser (Animal Husbandry) in the North Eastern Council Secretariat, Shillong upto 31st December, 1979, on the existing terms and condition.

S. S. PARMAR, Under Secv.

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th June 1979

No. A-19014/3/78.AD.V.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Agarwal, a permanent Section Officer of

the C.S.S. Cadre of the Ministry of Home Affairs, to officiate as Administrative Officer in the Central Bureau of Investigation on ad-hoc basis for the period from 1-6-1978 (FN) to 16-8-1978 (FN).

HERO A. SHAHANEY, Adm. Officer (E) C.B.I.

DIRECTOR GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the 14th June 1979

No. O.II.1032/79-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr (Mrs) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 29th May, 1979 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 18th June 1979

No. O.II.1100/78-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) Mangala Rajan as Junior Medical Officer on ad-hoc basis with effect from 5-6-79(FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY, Asstt. Dir. Adm.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi-110011, the 12th June 1979

No. 11/1/78Ad. I.—In continuation of this office Notification of even number dated 21-2-1979 the President is pleased to extend the appointment of Shri S. Jayashankar, an Investigator in the Office of the Director of Census Operations (Technical) in the same office, with his head-quarters at Trivandrum, on a purely temporary and ad-hoc basis from 1-4-1979 to 10-4-1979.

P. PADMANABHA, Registrar General

POSTS & TELEGRAPHS AUDIT ORGANISATION

New Delhi, the 15th June 1979

O.O.No. Admn.III-79 23(A)(2) Notifications.—Consequent upon his permanent absorption in National Thermal Power Corporation I.td. New Delhi (a Government of India enterprise), in public interest with effect from 1st April, 1978. Shri B. L. Chopra, a substantive Audit Officer of the Posts and Telegraphs Audit Organisation, is deemed to have retired from Government service with effect from the same date in terms of Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

LACHHMAN SINGH, Jt. Director of Audit (H.QRS).

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New De'hi, the 15 June 1979.

No. 40011 (1)/79/AN-II (1).—The undermentioned Accounts Officers were transferred to the Pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster	No.					 Grade	Date from Which Trans- ferred to Pension Es- tablishment	Organisation
1					 		 3	4	5
S/S 1,	Shri R.L. Sharma (0/59)				•	•	Officiating Accounts Officer	31-7-78	Controller of Defence Accounts Western-Command. Meerut.
2.	B.P. Arya (0/216)		•	•		•	Officiating Accounts	31-8-78	Do.

1	2							3	4	5
S/S	 hri						~			
								Officiating Accounts	21.0.70	Controller of Defence Accounts Western Command
3. 4.	O.P. Sharma, (0/53) . B.N. Kohli (P/118) .	•		:		•		Officer Permanent Accounts	31-8-78 30-9 - 78	Meerut. Do,
5 .	M.L. Chibber (0/62)							Officer Officiating Accounts	31-10-78	Do.
6.	Harcharan Singh (P/299)		_					Officer Permanent Accounts	31-10-78	Do.
7.	P.L. Bhatia (P/169) .	•	•	•	•	•	•	Officer Do.	30-11-78	Do.
8.	K.N.V. Krishnan, (P/390)	•	•	•	•	•	•	Do.	31-12-78	Do.
9.	D.V. Behal (P/444)		·					Do.	31-12-78	Do.
10.	Surat Singh (P/584)							Do.	31-12-78	Do.
11,	Rajinder Kumar (0/180) .	-	-					Officiating Accounts	31-12-78	Do.
12.	N. Kalyanasundaram' (P/41)				-			Officer Permanent Accounts Officer	31-12-78	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
13,	I.N. Seth (0/228)						-	Officiating Accounts Officer	13-12-78	Do.
14.	M.M Kapoor (P/599) .	•		:			•	Permanent Accounts Officer	31-12-78	Do.
15.	C.R. Ganguly, (0/138) ,		•		-			Officiating Accounts Officer	31-12-78	Do.
16,	Dhananjoy Dutta (P/84).	٠	•	•		•	٠	Permanent Accounts Officer	31-12-78	Controller of Accounts (Fys) Calcutta.
17.	G.S. Bhabhe (P/255) .	•	•	٠	•	•		Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.
18.	S. Padmanabhan (P/75),	-	•	•		•	•	Do.	31-1-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
19.	K.M.K.S. Nambiar (0/262)	•	•	•	-	•	•	Officiating Accounts Officer	31-1-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
20.	A.S. Roy, (P/88)	•	•		٠	•		Permanent Accounts Officer	31-1-79	Controller of Accounts (Fys) Calcutta.
21.	B.B. Ghosh (P/89) .							Do,	31-1-79	Do.
22.	Swinder Singh (P/438)						-	Do.	31-1-79	Do.
23.	K.K. Bancrjee (0/265) .							Officiating Accounts	31-1-79	Dø.
24.	Dharam Pal Bhall (P/37)							Officer Permanent Accounts Officer	31-1-79	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
25.	O.P. Kansal (P/232) .			•		. •		Permanent Accounts Officer	31-1-79	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.
26.	B.R. Gupta, (P/503) .	•	-	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer	31-1-79	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.
27.	Randhir Singh, (P/585)							Do.	28-2-79	Do,
28.	N.K. Kulkarni, (P/164)				•			Permanent Accounts Officer	31-1-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
29.	Amar Nath, (P/249) .				٠.			Do.	31-1-79	Do,
30.	K.V. Raghavan, (P/70).					•		Permanent Accounts	31-1-79	Controller of Defence Accounts
31.	A.S. Iyer (P/395)			•				Officer Do.	31-1-79	(Air Force) Dehradun. Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
32.	H.B.S. Chandra, (0/121)				-			Officiating Accounts Officer	28-2-79	Do.
33.	H.L. Sharma, (P/101) .	•	•		٠	٠	-	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu Cantt.
34.	Jagdish Chander (P/258)							Do.	31-1-79	Do,
35.	P.L. Sharma, (P/434) .							Do.	28-2-79	Do.
36.	K. Parameswaran Nair (0/3	39)			•		•	Officiating Accounts Officer,	28-2-79	Accounts (Navy) Bombay.
37.	T.S. Raman: (P/206) .	•	•	•		•	•	Permanent Accounts Officer	28-2-79	Do.
38.	V.G. Mungekar, (P/297)							Do.	28-2-79	Do.
39.	R. Venkataramani, (P/110)	٠	-	•	•	•		Permanent Accounts Officer	28-2-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona-1.

1		2						3	4	5
S/S	hri									
40.	Kulbir Banga (P/244) .	•			•	•	•	Permanent Accounts Officer	28-2-79	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
41.	Anil Kumar Ghosh (P/154)		•	•	٠	•	•	Do.	28-2-79	Controller of Accounts (Fys) Calcutta.
42.	A. Narasimhamurthy (P/125)		•	•	•	•	•	Do.	28-2-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South Madras.
43,	V. Lakshmivarahan (P/63)	•	•	•	•	•	•	Do.	28-2-79	Controller of Accounts Defence (Other Ranks) Madras.
44 .	T. Kothandapani (0/298)	•	•	•	•	•		Officiating Accounts Officer	28-2-79	Do.
45.	A.K. Dass (P/332) .		•	•		•	•	Permanent Accounts Officer	28-2-79	Controller of Defence Accounts Patna.
46.	Santosh Kumar Sen Gupta (P/18) _.		•	•	•	•	Pernmaent Accounts Officer	28-2-79	
47.	Shri Ram Bhargava (0/116)	•	•	•	•	•	•	Officiating Accounts Officer	28-2-79	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
48.	Jagdev Paul Mehra (P/428)	•	•	•	•	٠		Permanent Accounts Officer	28-2-79	Do.
49.	K.V. Varghese (P/380).	•	•	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer	28 - 2-79	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona-1.

2. The following is added as Para 2 to this departmental notification bearing No. 40011 (2)/78/AN-A dated 5-8-78.

"Shri Prem Chand Sharma Permanent Accounts Officer (P/645) has been granted leave pending retirement for 120 days for the period from 4-5-78 to 31-8-78 by C.D.A. WC, Meerut Capit."

3. Having given three months notice from 15-5-78 (AN) for voluntary retirement from service with effect from 14-8-1978 (AN) under the provisions of Rule 48 (1) of C.C.S. (Pensions) Rules 1972 and the above notice having been accepted by the C.G.D.A. New Delhi, Shri T.K. Sahasrabudhe, Pt A.O. (P/433) who was on deputation to the Bharat Heavy Electrical Limited, Power Projects and services Head Quarters New Delhi and was relieved of his duties in that office on 25-6-1978 (AN) on reversion to the D.A.D. has retired from service with effect from 14-8-78 (AN) and has been transferred to the Pension Establishment with effect from 15-8-1978 (AN).

He has been taken on the strength of CDA (O) Poona with effect from 26-6-1978 (AN) and has been granted earned leave from 26-6-1978 to 8-8-1978 (44 days) and haif pay leave from 9-8-78 to 14-8-78 (6 days) by them. This period of leave will run concurrently with the notice period.

S. N. CHATTOPADHYAY

Dy Controller General of Defence Accounts (Pers).

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 11th June 1979

No. 32/79/G.—The President is pleased to appoint Shri Ravi Kumar PAUL J. D. as Asstt, Manager (Prob) w.e.f. 6th Jan., 1979.

No. 33/79/G.—The President is pleased to appoint Shri Tapas Kumar DATTA as Asstt. Manager (On Prob) w.e.f. 6th Jan., 1979.

The 13th June 1979

No. 31/79/G.—The President is pleased to accept the resignation of Shri M. H. Jeyachandran, Offg. Dy. General Manager (Subst & Permt. Manager) from I.O.F.S. with effect from 25/11/78(AN).

V K MEHTA, Asstt. Dir. Genl. Ord. Fy. Board.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOP.

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF

IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 16th June 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1302/79-Admn(G) 4457.—The President is pleased to appoint Shri P. M. A. Hakeem, IAS (MH: 69) as Joint 13—136GI/79

Chief Controller of Imports and Exports, Bombay with effect from the forenoon of 7th May, 1979, until further orders.

C. VENKATARAMAN, Chief Controller of Imports & Exports.

New Delhi, the 15th May 1979

No. 6/1261/78—ADMN(G)4376.—In partial modification of this office Notification No. 6/1261/78-Admn(G)/1092, dated 31-1-1979 Shri K. S. Sahasranaman, officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay was permitted to retire voluntarily from Government service with effect from 12th December, 1978 (FN) after availing of the leave preparatory to retirement.

2. This supersides this office Notification No. 6/1261/78-Admn(G)/1092 dated 31-1-1979.

RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENTOF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 8th May 1979

No. 12(347)/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. A. Bari, Deputy Director (IMT) Small Industries Service Institute, Gauhati as Director (Gr. II) (General Administrative Division) at Small Industries Service Institute, Solan on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 6th April, 1979.

The 19th May 1979

No. 12(71)/61-Admu.(G).—The President is pleased to permit Shri K. L. Palit, an officer permanent as Deputy Director (Mctallurgy) and ad-hor Director (Gr. II) (Met.), Regional Testing Centre, Calcutta to retire from Government service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 31st December, 1978.

No. 12(83)/61-Admn.(G).—Consequent on his deputation to Seychelles as Expert under the I.T.E.C. Programme for a period of 2 years. Shri F. A. Ryan relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Regional Testing Centre, Madras with effect from the afternoon of 27th April, 1979.

No. 12(380)/62-Admn(G).—Consequent upon his appointment as Project Officer (Fertilizer) in the Deptt. of Chemicals and Fertilizers, Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers, New Delhi, Shri J. Balasubramanian relinquished charge of the post of Deputy Director (Chemicals) in Small Industries Service Institute, Bangalore with effect from the afternoon of 6th April, 1979.

No. A-19018/318/77-Admn.(G).—Consequent upon his posting as Senior Research Officer in the Planning Commission, Shri S. N. Raghavan has relinquished charge of the post of Deputy Director (Statistics) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the afternoon of 30th April, 1979.

No. A-19018/370/78-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri Joginder Kumar Arya as Deputy Director (Mechanical) in Branch Small Industries Service Institute, Rourkela with effect from the forenoon of 17-3-1979 until further orders.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 13th June 1979

No. A-1/1(1139)/79.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri V. P. Tandon, Ty. Stores Officer (Civilian) (Pt. SSS) of the Officer Commanding, AFMSD, Bombay, on deputation to officiate as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 26th May, 1979 and until further orders.

The 14th June 1979

No. Λ -1/42(25).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following officers in the substantive capacity to the post and with effect from the date mentioned against each:—

S. No., Name of officer & Designation, Post against which appointed substantively and Date of confirmation:

S/Shri

- J. L. Shah, Assistant Director (Admn.) (Gr. II) DI, Calcutta, Asstt. Director (Admn.) (Grade II)— 1-3-1978.
- G. D. Rao, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) D&D. Bombay, Asstt. Director (Admn.) (Grade II)— 1-6-1978.

The 15th June 1979

No. A-1/1(888).—The President is pleased to appoint Shri Sudhir Chandra, Assit. Director (Lit.) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi as Assistant Director (Lit.) (Gr. I) on a temporary basis against a temporary vacancy in the same Directorate General with effect from the forenoon of 4-6-79 and until further orders.

K. KISHORE

Deputy Director (Administration) for Director General of Supplies and Disposals

(Admn. Section A-6)

New Delhi, the 8th June 1979

No. A-6/247(580).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Pandey, Assistant Director of Inspection (Met.) in Grade III of Metallurgical Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A' to officiate as Dy. Director of Inspection (Met.) in Grade II of Metallurgical Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 14th July, 1977 and until further orders.

2. Shri S. K. Pandey, relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met), in the office of Dy. Director of Inspection (Met.) Rourkela under the Dte. of Inspection (Met.) Tatanagar on the afternoon of 13th July 1977 and assumed charge of the office of Dy. Director of Inspection (Met.) at Durgapur under Directorate of Inspection (Met.) Burnpur on the forenoon of 14th July 1977.

P. D. SETH Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 11th June 1979

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE, add "AMEX" after the enty "ALFADYNE".

I. N. MURTY Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 12th June 1979

No. 3270B/A-19012(1-MPS)/78-19A.—Shri Mohinder Pal Singh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 26th March, 1979, until further orders.

No. 3283B/A-32013(1-Asstt.Geol.)/78-19A,—Shrl Durga Prasad Das, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2nd February, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

INDIAN BUREAU OF MINES Nagpur, the 16th June 1979

No. A19011(233) /78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri C. P. Ambesh to the post of Deputy Controller of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5-5-79.

S. BALAGOPAL Head of Office

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 11th June 1979

No. C-5513/718-A.—Shri K. V. Krishnamurthy, Officiating Office Superintendent (in the scale of pay of Rs. 700—900) of Pilot Map Production Plant is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on ad-hoc basis in the same office in the

scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1st February 1979 vice Shri K. C. Bhattacharjee, Establishment and Accounts Officer, Pilot Map Production Plant proceeded on leave for 2 months from 1-2-1979.

K. L. KHOSLA Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 13th June 1979

No. 10/8/78-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rajiv Garg as Assistant Engineer at All India Radio, Gorakhpur in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26th April, 1979 until further orders.

J. R. LIKHI Deputy Director of Administration for Director General

DIRECTORATE GENERAL, DOORDARSHAN

New Delhi-110011, the 30th May 1979

No. A-19016(17)78-SI.—The Director General, Doordarshan hereby appoints Shri S. K. Kaushal, Transmission Executive, Doordarshan Kendra, Lucknow to officiate as Programme Executive at the same Kendra in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 7th February, 1979 until further orders.

H. C. JAYAL Deputy Director of Administration

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th June 1979

No. A.12026/23/78(SD)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Dutta, Accounts Officer in the office of the A.G., Manipur, Imphal

to the post of Accounts Officer in the office of the Scrologist & Chemical Examiner to the Government of India, Calcutta, with effect from the afternoon of the 31st March, 1979, and until further orders.

2. Shri K. C. Jana, relinquished charge of the post of Accounts Officer in the Office of the Serologist and Chemical Examiner to the Government of India, Calcutta in the afternoon of the 31st March, 1979, on reversion to the Office of the Chief Auditor, South Eastern Railway Calcutta.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 18th June 1979

No. A.32014/1/79-SI.—The Director General of Health Scivices is pleased to appoint Shri Rattan Singh in the post of Assistant Depot Manager (Group B Gazetted) at Government Medical Store Depot, Karnal with effect from the foremoon of 23rd April, 1979, on temporary basis and until further orders.

S. K. KARTHAK Deputy Director Admn. (Stores)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 4th April 1979

No. PA/73(13)78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Chandraprabha Satyaprakash Mittal as Residential Medical Officer in Medical Division of this Research Centre is a purely temporary capacity with effect from the forenoon of March 7, 1979, to the afternoon of April 5, 1979.

The 6th April 1979

No. PA/73(16)78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Amrita Misri as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 4, 1979 until further orders.

S. RANGANATHAN
Deputy Establishment Officer (R)

Bombay-85, the 18th May, 1979

No. I on an ad-h	Ref. 5/1/79Estt.11/1906 -Controller, Bha oc basis as Security Officers for the period	bha d	Atom	ic F	Research Centre appoints the it their names:—	undermentione	d officials to	officiate		
Sl.No.	Name & Designation		 -		Appointed to officiate as		Period			
	·					<i>(</i> -				
						F	rom	To.		
1. Shri	K.S. Rawat Asstt Security Officer .				Security Officer	27-7-77	(FN) 23-9-7	7 (AN)		
	D.N. Pradhan Asstt. Security Officer	•	•		Securty Officer	6-8-77	(FN) 14-9-7	7 (AN)		
2. DII	Date Fladian Paste, Baurity Officer	•	•	•	Scours, Carre	17-9-77	(FN) 10-11-7	7 (AN)		

The 23rd May 1979

No. Ref. 5/1/79-Estt.II/1958.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri S. D. Bhonsale, Assistant Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II on an ad-hoc basis for the period from 18-12-1978 to 20-1-1979.

KUM. H. B. VIJAYAKAR Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 27th April 1979

No. PPED/3(283)/76-Adm./7488.—In continuation of this Division's notification of even number dated March 1, 1979 Shri P. Vasu, a permanent UDC of BARC and officiating Asstt. Accountant in this Division who was appointed as Asstt. Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 26, 1979 to the afternoon of April 18, 1978 has been permitted to continue to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of May 5, 1979.

The 19th May 1979

No. PPED/3(236)/79-Adm./8796—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the undermentioned personnel of this Division as Scientific Officers/Engineers-Grade 'SB' in the same Divisi on in a temporary Capacity with effect from the forenoon of February 1, 1979 until further orders:—

SI·N	0.		N	ame				 Present Grade	Permanent post held if any.
1.	Shri V.P. Mahajan					-,-	-	Draughtsman 'C'	
2.	Shri S.R. Pendharkar	•						Do.	
3.	Shri N.F. Daruwala							Scientific Assistant 'C'	Scientific Assistant B'
4.	Shri S.S. Arora							Do.	Do,
5.	Shri N'P. Pillai							Do.	Q.P. Scientific Assistant 'B'
6.	Shri S. Durairajan	•	•	_•			•	Do.	Do.

The 4th June 1979

No. PPED/3(283)/78-Adm.9005.—Reference is invited to this office notification dated April 16, 1979 appointing Shri N. Krishnakumar, a permanent Lower Division Clerk and officiating Assistant Accountant in this Division, as Assistant Accounts Officer with effect from March 30, 1979. Shri Krishnakumar, Assistant Accounts Officer stands reverted as Assistant Accountant with effect from the afternoon of March 22, 1979.

The 12th June 1979

No. PPED/3(262)/76-Adm./9452.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 7, 1979 to July 13, 1979 vice Shri R. Sarangapani, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 13th June 1979

No. DPS/2/1(19)/77-Adm/16117.—Director, Purchase and Stores Department of Atomic Energy, appoints Shri G. C. Gupta, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as a temporary Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 14-5-79 upto 16-6-1979 vice Shri B. D. Kandpal, Assistant Stores Officer, Stores Unit (DPS), N.A.P.P., Narora granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN Assistant Personnel Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 13th June 1979

No. Ref. HWPs/Fstt/1/J-6/1798.—Officer-on Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri J. L. Jain, Stenographer (Senior) of Heavy Water Project (Kota), to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project, in a temporary capacity, on *ad-hoc* basis, from December 14, 1978 to February 9, 1979 vice Shri K. T. Jose, Assistant Personnel Officer, granted leave.

R. C. KOTVANKAR Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 31st May 1979

No. RRC/PF/3193/79-8640.—Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints SHRI TINDIVANAM SUNDARESA VISWANATHAN AIYAR, a permanent Assistant Personnel Officer of Rajasthan Atomic Power Project in the Centralised Cadre of the Department of Atomic Energy as Administrative Officer-II in the Reactor Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of May 26, 1979 until further orders.

P. V. SOMANATHAN Chief Administrative Officer for Project Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 15th June 1979

No. E(1)00622.—On attaining the age of superannuation Shri George Alexander, Dy. Director General of Meteorology (Instruments), New Delhi, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1979.

No. E(1)04048.—Shri G. N. Das, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department, expired on the 3rd April, 1979.

G. R. GUPTA Director for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th June 1979

No. Al 32014/4/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. L. Karmakar, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Patna to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis w.c.f. 30-4-79(FN) and to post him in the office of the Regional Director, Calcutta.

S. D. SHARMA, Dy. Dir of Adm.

New Delhi, the 6th June 1979

No. A12026/1/79-ES.—The President is pleased to appoint on the basis of transfer on deputation of the undermentioned officers of the Indian Air Force to the Grade of Pilot/Co-Pilot in the Civil Aviation Department w.e.f. 8-5-79(FN) until further orders as indicated against their names:—

- (i) Sqr. Leader J. J. Joseph-Pilot
- (ii) Sqr. Leader K. S. Rana-Co-Pilot.

No. A-38013/1/79-EA.—Shri A. S. Jadeja, Aerodrome Officer, Civil Aerodrome, Rajkot, retired from Government Service on the 31st May, 1979 A.N. on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI, Assistant Dir. of Adm.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 8th June 1979

No. 1/83/79-Est.—The Director General, OCS, hereby appoints Shri A. K. Verma, Traffic Accountant, Head Quarters Office, Bombay as Traffic Accounts Officer, in an officiating capacity, on ad-hoc basis, for the period from 16-4-79 to 17-6-79 (Both days inclusive) against a short-term vacancy.

No. 1/363/79-Est.—The Director General, OCS, hereby appoints Shri Marcus Fernandez, Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 15-11-1978 to 11-1-1979, (both days inclusive) against a short term vacancy on ad-hoc basis, and from the 2nd April, 1979 and until further orders, on a regular basis.

· No. 1/367/79-EST.—Shri R. L. Menezes, Deputy Traffic Manager, Bombay Branch, has retired from service on the afternoon of the 31st March, 1979, on attaining the age of superannuation.

P. K. G. NAYAR, Dir. (Adma.) for Director General.

Bombay, the 11th June 1979

No. 1/35/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. K. Dhawan, Senior Foreman, Bombay Branch, as Chief Mechanician in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from

the forenoon of the 2nd April, 1979, and until further orders, on a regular basis.

No. 1/51/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Uday Kumar Sinha, as Assistant Engineer, in a temporary capacity in D.T.S., Poona with effect from the forenoon of the 16th April, 1979 and until further orders.

No. 1/311/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. S. Paes, Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch for the periods from 1-11-78 to 23-12-78 and from 21-2-79 to 31-3-79 against short-term vacancies, purely on ad-hoc basis.

H. L. MALHOTRA, Dy. Dir. (Admn.) for Director General

Bombay, the 11th June 1979

No. 1/430/79-EST.—The Director General, OCS., hereby appoints Shri Narain Singh, Superintendent, Dehra Dun

Branch as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 2nd April, 1979, and until further orders.

No. 1/452/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. Balasubramanian Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same office on a regular basis, with effect from the forenoon of the 4th May, 1979, and until further orders.

P. K. G. NAYAR, Director (Admn.) for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 13th June 1979

No. 3/79.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B', Shri B. B. Porey, Inspector, Central Excise (S.G) has assumed charge of Superintendent of Central Excise, Group 'B', R.B.C. Unit, Division-II, Nagpur in the forenoon of the 27th April, 1979.

S. K. DHAR,

S. K. DHAR, Collector

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPTT.

New Delhi, the 13th June 1979

No. 33/5/78-EC-9—The Director General of Works CPWD, is pleased to appoint the undermentioned nominees of the U.P.S.C. as Assistant Architect against temporary post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the dates and pay shown against each:—

S. No.	Name	_						Date of apptt. as Ass- Pay istant Architect	Remarks
1.	S/Shri S.N. Sehgal	•	•	•	•	•	•	. 31-5-79 FN Rs.650/-P.M.	His Pay will be refl xed according to
2.	Dharam Singh		•	•	•	-		. 21-5-79 AN Rs. 650/-P.M	rules shortly . Do.

^{2.} Both the Officers are placed on probation for a period of two years from the dates of their appointment as Assistant Architects as shown above.

KRISHNA KANT

Dy. Director of Administration for Director General of Works

New Delhi, the 13th June 1979

No. 27-E/T(15)/78-EC.II.—Shri K. S. Tyagi, Executive Engineer (Civil) of this Department, working as Surveyor of Works (II) in the Office of the Chief Engineer, Arunachal Pradesh, New Itanagar, expired on 5th June, 1979, while in service.

B. R. RATTU, Dy. Dir. of 9dmn. for Director-General (Works)

Northern Railway

New Delhi, June 1979

No. 11—The following officers of Transportation (Traffic) & Commercial Department, Northern Railway have finally retired from Railway Service from the dates noted against each:—

S. N	o. Name									Date from which finally retired.
J,	Shri V.P. Dubey, SCO (G) /HQ.			 	~·.~	 			 	31-1-1979 AN.
2.	Shri D.R. Bhaskar, ATS/ASR.						·	•	· ·	31-1-1979 AN.
3.	Shri Pritam Singh, AS/PC/HQ.							į		31-3-1979 A.N.
4.	Shri T.R.A. Prakash, SS/DLI				,					30-4-1979 AN.
5.	Shri Waman Laxman, DSO/MB.									31-5-1979 AN.

3. N. SACHDEV General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
Madras, the 12th June 1979

No. 3620/LIQN/560/79.—Whereas Maharajan & Company Private Limited (in liquidation) having its Registered office at 176, High, Road, Tirunelveli is being wound up,

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of accounts required to be made by Liquidator have not been made for a period of six consequtive months;

Now therefore, in pursuance of the provisions of sub-sec. (4) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 notice is hereby

^{3.} Shri S.N. Sehgal is posted in SA (H&TP) I Unit CPWD, New Delhi, and Shri Dharam Singh is posted in SA (Food) VI Unit CPWD, New Delhi.

given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Maharajan & Company Private Limited (in liqn.) will unless cause is shown to the contrary be struck off the register and the company will be dissolved.

Dated at Madras this 12th day of June 1979,

Y. SATYANARAYANA, Asst. Registrar of Companies, Tamilnadu

Hyderabad, the 14th May, 1979

In the matter of the Companies Act, 1956 M/s. Kaithmangalam Chitfund Pvt. Ltd.

No. 784/Liquidation.—By an order dated 20/11/1978 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 13/1976 it has been Ordered to windup M/s. Kaithmangalam Chit Fund Pvt. Ltd.

J. G. GATHA, Registrar of Companies, Gujarat, Ahmedabad.

Pondicherry.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of 'Pondicherry Chemicals Private Limited'

Pondicherry, the 14th May 1979

C. No. 134.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name 'Pondicherry Chemicals Private Limited' has this day been struck off the register and the said company is dis-S. R. V. V. SATYANARAYANA Registrar of Campanies,

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX New Delhi the 15th June 1979

INCOME TAX DEPARTMENT

No. C.I.T. /Coord./Pub./Delhi-I/77-78/7229.—Following No. C.I. 1. /Coord./Pilm./Delin-1///-/0/1225.—Pollowing is list showing the names of Individual and HUFs., who have been assessed on a Wealth of a more than ten lakhs of rupees during the Financial Year 1977-78 (i) indicates status 'I' for Individual and 'H' for H.U.P. (ii) for assessment year (ii) for Health returned (iv) for wealth assessed (v) for tax payable by the assessee (vi) tax paid by the assessee (I) Angira Devi, 4634, Ajmeri Gate, Delhi (i) I (ii) 1970-71, 71-72, 72-73, 73-74, 74-75 & 75-76 (iii) 13,13,216, 1, 19.352, 2,04,250, (-)5,51,213,(-) 3,64,986, (-)2,35,76; (-)2,35,76

(iv) 16,19,760, 15,00,465, 13,89,459, 11,25,486, 12,93,690, 16,29,775 (v) 26,640, 64804, 58,731, 23,197, 28,244, 50,342 (vi) 26,640, 64804, 58,751, 23,197, 28,244, 50,342 (2) Desh (vi) 26,640, 64804, 58,751, 23,197, 28,244, 50,342 (2) Desh Raj Gupta, 4634, Ajmeri Gatc, Delhi (i) I (ii) 1974-75 (iii) 1,35,063 (iv) 12,63,691 (v) 22,911 (vi) 21,458 (3) Harish Kumar Aggarwal 40,42 Janpath, New Delhi (i) Y (ii) 1977-78 (iii) 12,37,898 (iv) (iv) 12,97,590 (v) 21,040 (vi) 21,040 (4) B. B. Patel C/o Mohinder Puri & Co., Chartered Accountant, Connaught Place, New Delhi (i) I (ii) 1968-69, 69-70, 70-71, 72-73 (iii) 15,45,069, 16,24,463, 9,31,700 10,52,561 (iv) 17,90,901, 22,36,517, 15,79,354, 16,84,004 (v) 22,818, 39,096, 16,489, 44,720 (vi) 15,001, 30,081, Nil, 26,017. 26,017.

K. N. MOTANI, Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi.

INCOME-TAX DEPARTMENT

Lucknow, the 13th June 1979

No. 106.—Shri Bishan Singh Hyanki (ST), Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer, Nainital has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Officer on Special Duty, C.I.T.'s Office, Lucknow on 30-10-1978 in the fore-noon.

No. 107.—Shri Sia Ram Tripathi, Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer, Fatehpur has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) in the payscale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Tax Recovery Officer, Gorakhpur 30-10-1978 in the fore-noon.

No. 108.—Shri Sangam Lal Srivastava, Inspector of come-tax, Office of the Commissioner of Income-tax, No. 108.—Shri Sangam Lai Shvastava, inspector of Income-tax, Office of the Commissioner of Income-tax, Allahabad has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-200. On promotion he joined as Income-tax Officer, Collection, CIT's Office, Allahabad on 30-10-78 in the forenoon.

-Shri Parma Nand Kansal, Inspector of Incometax Office of the I.A.C. (Audit), Lucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) in the payscale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, C-ward, Salary Circle, Lucknow on 8-12-78 in the afternoon.

> S. K. LALL, Commissioner of Income-tax, Lucknow.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd June 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/6-79/355.—Whereas I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. MCD No. 104, Plot No. 198 situated at Village Ghondli in Azad Nagar Krishan Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 24-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:--

- (1) Shri Amar Singh S/o Sahib Singh (2) Gulshan Singh alias Gurcharan Singh S/o Amar Singh R/o E-3, East of Kailash New Delhl. (Transferor)
- (2) M/s. Vikas Construction Co. through its partner Sh. B. P. Goel R/o F-3/25, Krishan Nagar Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing Municipal No. 104 constructed on a plot No. 198 measuring area land under heath 300 sq. yds., situated in the abadi of Azad Nagar (Near Krishan Nagar) in the area of village Ghondli, Illaqa Shahdara Delhi-51, bounded as under:-

East : Gali

West: Road North: Plot No. 196 South: Plot No. 200

> D. P. GOYAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Date: 3-6-1979.

Scal:

FORM ITNS-

(1) Shri Jyotirmoy Saha, Calcutta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Pijush Kanti Banik, 2. Shri Monoj Kanti Banik Vikamchand School Road, Karimganj.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX (C.A.)

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 4th April 1979

Ref. No. A-212/KMJ/78-79.—Whereas, I R. N. Bara, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14780/91 Daswana Taluk Md. Wachil situated at Pargana Kushir Kul, Mouza Benamali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimgani on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 7 Katha (Bengali) along with an old house of assam type situated at M. M. Road of Karimganj in the district of Cachar (Assam).

R. N. BARA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 4-4-1979

Town.

FORM ITNS-

(1) Shri Nirmaleswar Chaliha, Golaghat.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 4th April 1979

Ref. No. A-215/GLC/78-79/2-3.—Whereas, I R. N. Bara.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T.P.P. No. 1 Dag No. 437 situated at Bhog chong, Naragoan of Mouza Mawkhowa, Golaghat Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Golaghat on 13-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—14—136GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(2) Shri Arun Kumar Hazarika, S/o L. Maheswar Hazarika, Krishnanagar, Ward No. 6 of Golaghat

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) Bigha 2 (two) Katha 10 (ten) Locha situated at Krishnanagar, Mouza Mawkhowa of Golaghat Town in the district of Sibsagar (Assam).

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 4-4-1979

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 4th April 1979

Ref. No. A-216/GLG/78-79/8-9.—Whereas, I R. N. Bara, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. T.P.P. No. 1 and Dag No. 437 situated at Bhog Chong, Naragoan. Golaghat Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Golaghat on 3-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arun Kumar Hazarika, S/o L. Maheswar Hazarika Krishua Nagar, Ward No. 6, Golaghat Town.

(Transferor)

(2) Shri Motilal Agarwalla, S/o L. Ramnath Agarwalla Ward No. 7, Golaghat Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) Bigha 2(two) Katha 10 (ten) Lacha situated at Krishnanagar, Mouza Mowkhowa of Golaghat Town in the district of Sibsagar Assam.

R. N. BARA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 4-4-1979

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4900.—Whereas, J O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27/77 to 84A (part), situated at Rangey Gowder $St_{\rm o}$ Coimbatore

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 3135/78) in Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

K. Nanjappa Chettiar
 K. Krishnamurthy,
 16/36, 16/79, Lingappa Chetty St.,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. R. Sundarlal, N. R. Subramanian, 25/868, Rangey Gowder St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 27/77 to 84A, Rangey Gowder St., Coimbatore (part). (Doc. No. 3135/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 12-6-1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4900.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 27/77 to 84A (part), situated at Rangey Gowder St., Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 3136/78 in Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

K. Nanjappa Chettiar
 K. Krishnamurthy,
 16/36, 16/79, Lingappa Chetty St.,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. R. Saraswathi Ammal W/o N. S. Rajulu 25/868, Rangey Gowder St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 27/77 to 84A, Rangey Gowder St., Coimbatore (part).

(Doc. No. 3136/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 8379—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 62, situated at Mariamman Koil St., Karaikkal

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karaikkal (Doc. No. 561/78) in Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :.....

Ramachandran, Chettiar Danapal Chettiar, Ramalingam S/o Sundaram Chettiar 62, Mariamman Koil St., Karaikkal.

(Transferor)

(2) Haji S. K. T. Mohammed Sultan M. E. Habuka Ummal 24, Musthapa Kamam St. Karaikkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 62, Mariamman Koil St., Karaikkal. (Doc. No. 561/78).

> O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 12-6-1979

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 6743-Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 29/1A2, situated at Pallavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pallavaram (Doc No. 2284/78) (Items 118 to 123) in Oct.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S. S. Palaniappan, S/o S. S. Subbiah Chettiar and others, 18, Prithvi Avenue, Madras-18.

(Transferor)

(2) K. R. Meenakshi Sundaram

K. R. Karuppiah (Alias) Alagappan K. R. Annamalai K. R. S. A. Karuppan Chettiar

K. R. Palaniappan K. R. Sathalingam Pulankurichi, Ramanathapuram Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, building and machinery etc. in S. No. 29/1A2 (part) at Pallavaram. (Doc. No. 2284/78) (Items 118 to 123/78).

> O, ANANDARAM Competent Authority, Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 12-6-1979

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Emperumal,

(1) Pierre Rassendiran Montorsier St., Pondicherry-1.

(Transferor)

3/50, Mariamman Koil St., Morisamthottom, Reddiarpalayam Pondicherry.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOMF-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 8387.-Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8 Nos. 396, 397, 398, 399, 400, 401, 403, 404, 406, 407 R.S. No. 84 Oulgaret Village, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Oulgaret Pondicherry (Doc. No. 1107/78) on Oct 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at R. Nos. 396, 397, 398, 399, 400, 401, 403, 404, 406, 407 R.S. No. 84 Oulgaret Village, Pondicherry.

> O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 8376.—Whereas, I O. ANANDARAM KER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. —, situated at Lappoor Thone St., Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 1832/78) on Oct 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. Sundaramurthy, 18, Lappoor Thone St., Pondicherry.

(Transferor)

(2) Purushothaman Sechar, Purushothama Naicker St., Tenga Thitta Village, Mudaliarpet, Pondicherry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Lappoor Thone St., Pondicherry. (Doc. No. 1832/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No 8375.—Whereas, I O. ANANDARAM being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 57, situated at Pachaiappa Mudali St., Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc No. 1819/78) on Oct. 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

15---136GI/79

 K. Raghavachariar, S/o V. Krishnaswamy
 Pachaiappa Mudali St., Kumbakonam,

(Transferor)

 R. Mallika, W/o N. V. Ramachandran 68, Kizhkadalangudi St., Kumbakonam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 57, Pachiappa Mudali St., Kumbakonam.

(Doc. No. 1819/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 12-6-1979

FORM ITNS -- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 8402.—Whereas, I O. ANANDARAM being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 491/1 & 491/2 (part), situated at Periakuppam Village, Trivellore Taluk, Chingleput Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trivellore (Doc. No. 3110-78) on Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) (1) The Meelee Nutriments & Pharmaceuticals Ltd. C/o. A. S. Ramachandran 45, Narayana Mudali St., Madras-1.
 - (2) Shahabad Investment & Traders (P.) Ltd. Patna rep. by V. Emberumannar Chetty, Debenture Trustee.

(Transferor)

(2) N. Balasubramanian S/o K. E. Natesa Chettiar 60, Muthia St., Periakuppam Village, Tri Vellore Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in S. No. 491/1 and 491-2 (part) Periakuppam Village, Trivellore Taluk, Chingleput Dt. (Doc. No. 3110/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11,
Madras-600 006,

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 6747.—Whereas, 1 O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 13, situated at North Crescent Road, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 1142/78) in Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

 Larsen & Toubro Employees' Co-Op. House Building Society
 Club House Road, Madras-2.

(Transferor)

(2) Mis. Y. G. Parthasarathy, No. 1, Lakshmi Colony, Madras-17. Mr. S. Krishnamurthy, Smt. Lakshmi, No. 40, Madhava Road, B. M. K. Nagar, Madras-34. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 13, North Crescent Road, Madras-17. (Doc. No. 1142/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4924.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7/28, Town Head Quarters, situated at Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 3359/78) in Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 R. K. R. Karthikesan, 6/28, Race Course Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) G. R. Balasubramaniam, R. Rajendran S/o Rajagopal Chettiar, 15, Muthuvinayakar Koil St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 7/28, Town Head Quarters Road, Huzur Road, Coimbatore.

(Doc. No. 3359/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 12-6-1979

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4905,--Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/22, Raghupathy Layout, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gandhipuram, Coimbatore (Doc, No. 2614/78) in Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Dharmaraj For D. Janardhanan, No. 13, Sir C. V. Raman Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferors)

(2) K. S. Narasimhiah, S/o Late Veeranam Subramunia lyer, K. N. Venkaturaman, S/o K. S. Narasimiah, No. 34 and 34/1, Ponnurangam Road (West) RS Puram, Coimbatore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

Land and building 15/22, Site No. 22, Raghupathy Layout, Sanganur Village, Coimbatore.

(Doc. No. 2614/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4895.—Whereas, I O. ANANDARAM being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

 No. 119/1, 129/2, 129/3A, situated at 129/3C, 129/3E, Yedapalli, Coonoor

(and more fully described in the Schedal, annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coonooi (Doc. No. 1314/78) in Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the alotesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a greed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Tejibai, W/o J. Anupchand Jhabakh, Sri Anupam, Mount Pleasant, Road, Coonoor.

(Transferor)

 G. Prasanchand Jhabakh, S/o L. Goolabchand Jhabakh, Kalyankunj, Balaclava, Coonoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey Nos. 119/1, 129/2, 129/3Λ, 129/3C, 129/3E, Yedappalli Village, Coonoor.

(Doc. No. 1314/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 12-6-1979

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4896.-Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. No. Survey Nos, 150/3A, 150/4, 157/1B, 150/1A, 150/2, 150/2, 150/4, 150/3B, 150/5A,/1, 150/5A/2, 157/1A, at 157/1B, 157/3A, 157/3B, Yedappalli Village, Coonoor. (and more fully described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1) of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. No. 1317/78) on Oct, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Lalchand Anopchand & Co., Mount Road, Coonoor.

(Transferor)

(2) G. Prasanchand Jhabakh, S/o L. Goolabchand Jhabakh, Kalyankuni, Balaclava, Coonoor.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the accisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PYMIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in Survey Nos. 150/3A, 150/4, 157/1B, 150/1A, 150/2, 150/4, 150/3B, 150/5A/1, 150/5A/2, 157/1A, 157/1B, 157/3A, 157/3B, Yedappalli Village, Coonoor. (Doc. No. 1317/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date: 12-6-1979

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4892,--Whereas, J.O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No. No. --- situated at Alangiyam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram, (Doc. No. 1827/78) on Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Stinivasan, Soo late Bashyam Iyengar Power of Attorney of Smt. Radha Vasudevan, No. 2, Arts College Road, Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) Shri Chinna Karuppanna Devar Alangiyan (PO) Dharapuram Taluk Coimbatore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Alangiam measuring 3 Acres and 30 cents. (Doc. No. 1827/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-609 006.

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Joseph Anthony, swamy Lupatsteen Adaikalam Rep. by Agent, Adaikalam Anthuvan, 49, Kangapillai St., Pondicherry.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th June 1979

No. 8391.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 184, situated at Bharathi St., Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 1912/78) on Oct. 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
16—136G1/79

(2) Mrs. Rayar (Antoinette Marie, Louise) Agent of Rayar (Yean, Marie Porsper Charles) 60, Savarirayalou, Pondicherry.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 184, Bhatath St., Pondicherry (Doc. No. 1912/78).

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th June '979

No. 4928.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S.F. No. 242/3, situated at Ganapathy Village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2552/78) on Oct. 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chellammal W/o. Thangamuthu Gounder Marudhathal W/O. Vellingiri gounder Vellakinaru, Vadavalli, Maruthamalai Road, Coimbatore

(Transferor)

(2) R. Damodaraswamy, S/o. Ramaswamy Naidu 30D, Syriankandathu Colony, New Siddhaputhur, Coimbatore. 641018

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. N. 242/3, Ganapathy Village, Colmbatore (Doc. No. 2552/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 12-6-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th JJune 1979

No. 4928.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F. No. 242/1, situated at Ganapathy Village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at coimbatore (Doc. No. 2551/78) on Oct. 1979. for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chellammal, W/o. Thangamuthu Gounder Vudavalli, Maruthamalai Road, Coimbatore

(Transferor)

(2) R. Damodaraswamy S/o. Ramaswamy Naidu 30D, Syriankandathu Colony, New Sidhaputhur, Coimbatore 641018

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 24/1, Ganapathy Village, Coimbatore (Doc. No. 2551/78)

O. ANANDARAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 12-6-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madray 600006, the 12th June 1979

No. 4928.--Whereas, J, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-S.F. No. 242/3, situated at Gamapathy Village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2550/78) on Oct. 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monesy or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chellammal W/o. Thangamuthu Gounder Vadavalli, Maruthamalai Road, Colmabtore

(Transferor)

(2) D. Sarojini W/o. R. Damodaraswamy 30D, Syriankandathu Colony, New Coimbatore, 641018

Sidhaputhur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No. 242/3 at Ganapathy Village, Coimbatore. (Doc. No. 2550/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 12-6-1979

(1) A. Sampathkumar 138, Main Road, Annur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Duraiswamy, Cotton Merchant Allapalayan (PO) (Via) Annur, Coimbatore

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th June 1979

No. 4891.--Whereas, I, O. ANANDARAM,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 7/3, 4, 5, 6, 7 & 9, 9A,, situated at Annur Village, Avinashi Taluk

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on Annur (Doc. No. 1072/78) on Oct. 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lnd and building at building at 7/3, 4, 5, 6, 7, 9, & 9A, Annur Village, Avinashi Tk. (Doc. No. 1972/78).

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th June 1979

No. 6759.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Vadagaram, Aminjikarai, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam, Madras (Doc. No. 3463/78) on Oct. 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) .A P. Chandraksekaran, 43, Pantheon Road, Madras-8

(Transferee)

(2) Kwality Dyers, 30, Nayniappa Maistry St., Madras-14

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 12, Vadagārām, Aminjikārai, Madras (Doc. No. 3463/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-60006

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th June 1979

No. 6728.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 184, situated at Mount Road, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 821/78) on Oct. 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—116GI/79

(1) Western India Theatres Ltd., Liberty Bldg., 41/42, Marine Line, Bombay-20.

(Transferor)

(2) Rajesh Enterprises, 6, Badriah Garden St., Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 184, Mount Road, Madras-2, (Doc. No. 821/78).

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th June 1979

No. 6737.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number Plot No. 10, D. No. 29, situated at Chamiers Road, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. 1518/78) on Oct. 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) K. S. Subramaniam, 43/D2, St. Mary's Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) K. Sarada w/o Dr. K. C. Reddy, 53/1, Harrington Road, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29, (Plot No. 10) Chamiers Road, Madras. (Doc. No. 1518/78).

ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 12-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1259/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer

at Jabalpur on 26th October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

17-136GI/79

Bhagwandas S/o Shri Boolchand Roopchandani, (2)
 Smt. Hirabai, W/o Shri Bhagwandas, through Shri Bhagwan, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Tekchand, S/o Shri Ghanshyamdas Keshwanl, Sarafa, Ward, Jabalpur, P/c M/s. Popular Bread Factory.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are denfied in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House known as "Ashish" bearing old corporation No. 1072, Napier Town, Jabalpur standing on Nazul plot bearing No. 4/1 & 4/2, New No. 4/7, Sheet No. 1, Civil Station Inbalpur—plot measuring 5479 sq. ft.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1260/79-80.—Whereas I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. House situated at Indore

and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24th October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shishir Kumar (2) Sharad Kumar, s/o Shri Sharadchand Dubey, Dubey oClony, House No. 2, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Hanumant Bhusari, 96, Silavetpura Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 1, Dubey Colony, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-5-79 Seal:

(1) Shri Anand Chirmule, S/o Shri Vinayak Chirmule, Bima Nagar, Indore.

Shri Ramdas Presad, S/o Shri Kanhaiyalalaji Prasad,
 Smt. Sushil prasad, W/o Shri Ramdas Prasad,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1261/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Indore

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Indore on 30th October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income airising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
18—126GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Girls' College, Indore.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at PPlot No. 6, Bima Nagar, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-5-79

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1262/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20th October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).
- Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act. to the following person, namely:—

- Shri Radheyshyam and
 Shri Sitaram,
 Sons of Shri Babulalji Nougaja,
 Vill. Louharda, Tah. Bagal, Distt. Dewas.
 (Transferor)
- (2) Shri Chaturbhuj, S/o Shri Premchandji Sharma, Udapura, House No. 51, Indore.

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 1/16, Mahesh Nagar, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1263/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reference to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 14th December, 1978 for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23-116GI/79

(1) Shri Gurmukhdas S/o Shri Rewachand, Manisha Building, Wright Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Naraindas S/o Shri Kimatram, Naya Mohalla, Jabalpur.

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 861/1 to 861/2C and land 24001 sq. ft., Sheet No. 81, Part of Plot No. 198/1 at Bhartipur, Muhalla Rashidganj, Marhatal Ward, Jabalpur.

B. L. RAO
Competent Authority
Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1264/79-80.—Wheeras, I. B. L. RAQ.

B. L. RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Mundwara (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mundwara on 13th November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) 1. Shri Khushiram Kakwani

S/o Shri Hiranand Kakwani and
2. Smt. Sushila Rani W/o Shri Khushiram Kakwani,
Sawarkar Ward, Mundwara, Distt. Jabalpur.
(Transferor)

 (2) 1. Shri Laxmandas S/o Bhawandas
 2. Smt. Rukhi Bal W/o Shri Bhawandas Sindhi, Gurunanak Ward, Mundwara, Distt. Jabalpur. ((Transferce))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 249 (Part) Gurunanak Ward, Mundwara.

B. L. RAO
Competent Authority
Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1265/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sagar on 19th October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the edject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dev Parasnathji Jain Mandir, Ghanshyam Budhuvya Singhai (Private Mandir), Sarafa, Sagar through Laxmichand Modi, Trustee. (Transferor)
- (2) M/s. Mannulal Nannulal S/o Girdharilal Maheshwari Through partner Shri Krishnapal Nannulal Maheshwari,, Katra, Sagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 18, Katra, Sagar.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 31-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/PBL/1266/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House (part) situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 19th October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dev Parasnathji Jain Mandir, Ghanshyam Budhuvya Singhai (Private Mandir), Sarafa, Sagar through Shri Laxmichand Modi, Trustee.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalyabai Shahu and Shri Badhelal Maheshwari, Katra, Sagar.

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 18, Katra, Sagar.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 31-5-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1267/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Sagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 19th October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
18—136GI/79

- (1) Shri Dev Parasnathji Jain Mandir, Ghanshyam Budhuvya Singhai (Private Mandir), Sarafa, Sagar through Laxmichand Modi, Trustee. (Transferor)
- (2) Smt. Droupati Bai Shahu, Katra, Sagar.

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 18, Katra, Sagar.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date: 31-5-1979

FORM I.T N S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1268/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House (part) situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 19th October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purgoes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dev Parasnathji Jain Mandir, Ghanshyam Budhuvya Singhai (Private Mandir), Sarafa, Sagar through Laxmichand Modi, Trustee. (Transferor)
- (2) Smt. Saraswatibai Shahu, Katra, Sagar.

((Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 18, Katra, Sagar.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 31-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1269/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sagar on 19th October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purvance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dev Parasnathji Jain Maudir Ghanshyam Budhuvya Singhai (Private Maudir) Sarafa, Sagar through Shri Laxmichand Modi, Trustee.

(Transferor)

(2) Smt. Ramshri Bai Shahu, Katia, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 18, Patra, Sagar.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 31-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./1270/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House (part) situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Sagar on 19th Oct. 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Mannulal Nannulal, S/o Girdharilal Maheshwari, through partners (1) Krishnapul, (2) Smt. Kaushalya Bai (3) Radheshyam, Katra, Sagar. (Transferor)
- (2) Smt. Shakuntala Singhai, W/o Shri Mahendra Kumar Singhai, Modi Nagar Ward, Sagai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 18 at Katra, Sagar.

B. L. RAC
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Pate: 31-5-79

Indore.

FORM ITNS

(1) Shri Devendra Kumar Shivana Phatehpurkar R/o 3, Saket Nagar, Indore.

(2) Shri Raghunath Mahadev Divekar 30, Bakshi Gali

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 1st June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1271.—Whereas, 1, B. L. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) in the office of the Registering Officer at

at Indore on 29-11-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 30 Bakshi Gali, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopul

Date: 1-6-79

Shri Devendra Kumar S/o Shivana Phatepurkar
 Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

OF INCOME TAX

Bhopal, the 1st June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1272.—Whereas, I, B. L. RAO.

being the competent authority under section 269B of the Inc. wme-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the v'said Act') have reason to believe that the immovable proper by having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bear ing No.

Hou: * (Part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has be en transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore , 2,7 30-10-78

for an all parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the a oparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Smt. Nalini Bai W/o Shri Vinayak Mazumdar R/o 29, Bakshi Guli, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 30 Bakshi Gali, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 1-6-79

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 1st June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1273.—Whereas, I, B. L. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House (Part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Devendra Kumar Shivana Phatehpurkar R/o-3, Saket Nagar, Indore.
 - (Transferor)
- (2) Shri Dattarya Govind Nalk, R/o 30, Baxi Gali, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 30, Baxi Gali, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 1-6-79

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 1st June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1274,—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House (Part) situated at Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 30-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Devendra Kumar Shiyana Phathpurkar R/o 3, Saket Nagar, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Bhaskar Ramchandra Sagorkar R/o 30, Baxi Gali, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 30, Baxi Gali, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 1-6-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P

Bhopal, the 1st June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1275.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House (Part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—136GI/79

 Shri /Shrimati Malbar Rao S/o Tantya Sahib Holkar, Piplia Pala, Indore (& other family members).

(Transferor)

(2) 1. Smt. Parwatidevi w/o Shri Bhanwarlalji Mandovra, 2. Shri Krishnagopal s/o Sunderlalji Mandovra, Indore; 3. Smt. Rukmanldevi w/o Shri Kishangopalji Mandovra, Indore; 4. Smt. Santoshdevi w/o Rajendra Mandovra, Indore; 5. Smt Kamladevi w/o Shri Om Prakash Mandovra, Indore; 6. Smt. Vimladevi w/o Shri Murlidharji Mandovra, Indore; 7. Dr. Sushilkumar s/o Kamalrajji Mandovra, Indore; 8. Smt. Sudhakumari d/o Shri Purshottamdasji Kabra, Bhopal.

(Transferee)
(All Transferees)

(3) (i) M/s Manohar Dresses; (ii) M/s Premchand Rajendrakumar; (ili) M/s Sab Rang Dresses; (iv) M/s K. R. Mandovra; (v) M/s B. S. Mandovra, (vi) Nauratanmal.

(Tenants)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property on north-east of building, at 34, Rajbada, Indore.

B. L. RAO

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date: 1-6-79

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. ASR/79-80/53.—Whereas, I, M. K. DHAR. being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that having a immovable property falr market exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 61K-14M situated at Vill: Fatchgarh Sukar Chak Teh, Asr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil on 24th Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Shri Fauja Singh s/o Shri Sham Singh R/o Feteh Garh Sukar Chak, Tehsil Amritsar.

(Transferor)

(2) Capt. Raghbir Singh, Lakhwinder Singh, Jaswinder Singh ss/o Shri Mohan Singh, President of Verka Tehsil and Distt: Amritsar.

(Transferce)

- *(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 61K-14M situated at village Fetch Garh Sukar Chak, Tehsil Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 3851 dated 24-10-78 of Registering Authority, Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsan

Date: 1-6-1979

(Transferor)

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. ASR/79-80/54.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land measuring 30K-16M situated at Vill: Rakhjhita

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amritsar Tehsil in 25 Oct. 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act to the following Persons, namely :--

- (1) Shri Mulkh Raj s/o Shri Guranditta Mal, Bimla W/o Shri Jagjit Singh Rai, R/o Bhagat Singh Pura, Sultanwind, Amritaar. Smt. Abadi
- (2) Smt. Charanjit Kaur w/o Dr. Dewan Singb, R/o 1/10, Guru Nanak Dev University, Amritsar.
- *(3) As at \$1. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30K-16M situated at village Rakhihita Tehsil Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 3869 dated 25-10-78 of Registering Authority, Amritaar

> M. K. DHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 1-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. ASR/TT/79-80/55.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 63K-11½M situated at Vill: Bandala Teh. T. Taran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn taran on 19th October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Thakar Singh s/o.Sh. Bhagat Singh R/o Village Arka, Tehsil Tarn Taran, Amritsar
 - (Transferor)
- (2) Shri Lakhbir Singh s/o Shri Jarnail Singh resident of village Bandala, Tehsil Tarn Taran. Distt.

(Transferee)

- *(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.
 - (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63K-11½M situated at village Bandala tebsil tarn taran as mentioned in the Regd. Deed No. 4372 of 19-10-78 of Registering Authority Tarn Taran.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 1-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Rcf. No. ASR/79-80/56.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl, land measuring 42K-14M situated at vill: Rakhjhita Teh. Asr.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar Tehsil on 26th Oct., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1992 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
13- 126GI/79

- (1) Thakar Naveen Chand s/o Shri Jagdish Chand R/o Rakhihita Now at Chandigarh.
- (2) Shri Parveen Chand s/o Thakar Jagdish Chand, R/o Rakhjheeta.
- *(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.
- *(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42K-14M situated at village Rakhjhita as mentioned in the Regd. Deed No. 3888 dated 26-10-78 of Registering Authority, Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 1-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. TT/79-80/57.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 42K-4M situated at vill: Pandori Gola

Teh. T. Taran

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tehsil Tarn Taran on 26-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Shri Hazara Singh s/o Shri Fauja Singh village Pandori Gola, Tehsil Tarn Taran Distt. Amritsar. (1) (Transferor)
- (2) Biro D/o Shri Hazara Singh R/o Village Pandori Gola, Tehsil Tarn Taran, Distt: Amritsar. (Transferee)
- *(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42K-4M situated at village Pandori Gola, Tehsil Tarn Taran, Distt Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 4446 dated 26-10-78 of Registering Authority. Tarn Taran.

> M. K. DHAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar

Date: 1-6-1979

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. ASR/79-80/58.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One building on land measuring 1800 sq. mtrs. situated at old Jail Road. Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in 16-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namtly:—

- (1) Smt. Chand Rani D/o Sh. Durga Dass R/o 6-Old Jail Road, Amritsar.
 - Transferor)
- (2) Sh. Surjit Singh, Tejinder Singh ss/o Sh. Kirpal Singh, Smt. Jatinder w/o Sh. Surjit Singh Smt. Meena Tee Singh w/o Sh. Tajinder Singh, r/o Dhab Wasti Ram, Amritsar.
 - (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi bearing No. 6 Private situated at Old Jail Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3019 dated 16-11-78 of registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 1-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. ASR/79-80/59.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One building 2½ storeyed situated at Kot Baba Deep Singh Jce situated at Bazar No. 4, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in 24-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jeet Kaur w/o Sh. Bakshish Singh r/o Bazar No. 4, Kot Baba Deep Singhji, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Surinder Singh, Surbir Singh, Harcharan Singh ss/o Sh. Sujan Singh r/o Gale Shahcedanwal Chowk Prag Dass, Amritsar (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 2½ storeyed building bearing No. 8851/16-32 situated in gali No. 4, Kot Baba Deep Singh, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3122 dated 24-11-78 of registering Authority Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 1-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. GSP/79-80/60.—Whereas, I M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot measuring 3 kanals 6 marlas Civil Lines, Gurdaspur situated at along with super structure

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Gurdaspur on 25-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

20—136GI/79

 Sh. Sant Nirankari Mandal, Registered Delhi through Sh. Hari Ram, Mukhtar Khas.

(Transferor)

- 2. Sh. Mandeep Bedi s/o Sh. G. S. Bedi, resident of Gurdaspur, (Transferae)
- 3. As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person(s) in occupation of the Property)
- 4. Any other person(s) interested in the property.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TH5 SCHEDULE

One plot of land measuring 3 kanals 6 marlas along with super structure situated in civil lines, Gurdaspur as mentioned in the registered deed No. 4437 dated 25-10-78 of registering Authority, Gurdaspur.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 2-6-79 Seal :.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. GSP/79-80/61.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One Kothi situated in Civil Lines, Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hateo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in 25-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Nirankari Mandal Registered Delhi through Sh. Hari Ram Mukhtaar—Khas.

(Transferor)

(2) Sardarni Raj Bedi w/o Sh. G. S. Bedi, r/o Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned known to be Interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the san-r meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building known as old D.C's kothi situated at Civil Lines Gurdarspur as mentioned in registered deed No. 4438 dated 25-10-78 of registering Authority, Gurdaspur.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-6-1979

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. ASR/79-80/62.—Whereas I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/2 share of plot bearing Khasra No. 831 min situated at Tung Bala Circular Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amritsar City on 26-10-1978

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Prem Sham w/o Dr. Radhey Amritsar.

(Transferor) (2) Sh. Balcharanjit Singh s/o Sh. Kartar Singh r/o H. No. 502, Akal Garh, Qadian, District Gurdaspur.
 Shmt. Satwant Kaur w/o Sh. Harbhajan Singh r/o Kothi No. 592D, Sector 33-D, Chandigarh.

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the Property]
(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be Interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

One half (1/2) share of plot bearing khasra No. 831 min. situated at Tung Bala, Circular Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2714/1 dated 26-10-78 of registering Authority, Amritsar City.

> M. K. DHAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. ASR/79-80/63.—Whereas I, M. K. DHAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot of land No. 2802 & 2804 old and new No. 2522 to 2525/1-23 situated at Cheel Madni Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 15-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Tarlochan Singh s/o Sh. Nihal Singh r/o H. No. 2802/1 Cheel Mandi, Amritsar,
- (Transferor)
 (2) Sh. Puran Chand Kishan Chand ss/o Sh. Bakhu
 Ram r/o 2612-13/1 Mahan Singh Gate,
 Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- [Person(s) in occupation of the Property]
 (4) Any other person(s) interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be Interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 2802 to 2804/1 old and New No. 2522 to 2625/1-23 situated at Cheel Mandi, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3001/1 dated 15-11-78 of registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-6-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. ASR/79-80/64.—Whereas I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot No. 2802 to 2804/1 Min situated in Cheel Mandi, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar City on 13-12-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

 Sh. Tarlochan Singh s/o Sh. Nihal Singh 2499/1-23, Cheel Mandi, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Soni Ram s/o Sh. Lachhman Dasa r/o Maqbool Pura, Amritsar. C/o Jiwan Jyoti Free Hospital, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the Property]
 (4) Any other person(s) interested in the property.
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be Interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land bearing No. 2802 to 2804/I min situated at Cheel Mandi, Amritsar as mentioned in registered deed No. 3366/1 of 13-12-78 of registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. ASR/79-80/65.--Whereas I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to bieve that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of plot khasra No 831, Circular Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the P gistering Officer at Amritsar City on 2-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideratio' iberefor by more than fifteen per cent of such apparent coa ic ration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated i e said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions namely:---

(1) Smt, Prem Sham w/o Dr. Radhey Sham r/o Amritsar Circular Road.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Balcharanjit Singh s/o Sh. Kartar Singh r/o H. No. 502, Akal Garh, Qadian, Dist, Gurdaspur.
 - (ii) Smt. Satwant Kaur w/o Sh. Harbhajan Singh r/o Kothi No. 1592, sector 33/D, Chandigarh.
- (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the Property]

 (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be Interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of plot bearing Khasra No. 831 min situated at Tung Bala, Circular Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2760/1 dated 2-11-78, of registering Authority, Amritsar City.

> M. K. DHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-6-1979

(Transferee)

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/158/78-79.—Whereas I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Part of house property No. 4493/5, Part II & III, situated Jagdish Ashram, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomt-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Sh. Keshab Dayal Sodhi and Smt. Amrit Kaur w/o Sh. Keshab Dayal Singh Sodhi, Sodhi Bhawan, Sirhandi Bazar, Patiala.
- (Transferor)
 (2) Dr. Charanjit Khurana s/o Sh. Amir Chand,
 Dr. Maheshinder Singh s/o Sh. Manjit Singh
 r/o Rajindra Hospital,
 Patiala.
 Sh. Mohan Bhutani s/o Hakam Chand &
 Sh. Pankaj Bhutani s/o Sh. Mohan Bhutani of
 Dhanbad, H. No. 4493/5, Near Jagdish Ashram,
 Patala.
- (3) Shri Bhupinder Kumar Gupta, r/o H. No. 4493/5, Jagdish Ashram, Patiala. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House property No. 4493/5, Situated at Badurgar Road, Jagdish Ashram, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3935 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

(Transferce)

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/157/78-79.—Whereas I NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of house property No. 4493, Part II & III situated at Dr. Jagdish Marg, Badungar Road, Near Jagdish Ashram, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Sh. Keshab Dayal Sodhi & Shmt. Amrit Kaur w/o S. Keshab Dayal Sodhi, Sodhi Bhawan, Sirhandi Bazar, Patiala. (Transferor)
- (1)(1) Dr. Charanjit Khurana s/o Sh. Amir Chand, (2) Dr. Maheshinder Singh s/o Manjit Singh r/o Rajindera Hospital, Patiala.
 - (3) Sh. Mohan Bhutani s/o Sh. Hukam Chand and
 (4) Shri Pankaj Bhutani s/o Sh. Mohan Bhutani of Dhanbad,
 R/O H. No. 4493/5, Badungar Road, Patiala.
- (3) Shri Bhupinder Kumar Gupta,

s/o Shri Brij Lal r/o H. No. 4493/5, Jagdish Ashram, Patiala. (Person in occupation of the Property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House property No. 4493/5, Situated at Badungar Road, Jagdish Ashram, Patiala.

(The property asmentioned in the Registered Deed No. 3934 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/163/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot measuring 666.5 Sq. yds, situated at Lehal Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
21—136GI/79

 S/Shri Tarlok Singh and Devinder Singh sons of Sh, Dewan Singh r/o Bhupinder Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh and Amritbir Singh & Smt. Pritam Kaur sons & widow of Shri Gurcharan Singh R/o Lehal, Patiala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDDULE

Plot measuring 666.5 Sq. yds. situated at Lehal, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 3988 of November. 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/159/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot measuring 666.5 Sq. yds. situated at Lehal, situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 268C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following Persons: namely:—

- (1) S/Shri Tarlok Singh & Devinder Singh sons of Shri Dewan Singh R/O Bhupinder Road, Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Jasbir Singh & Amritbir Singh sons of Shri Gurcharan Singh R/o Lehal, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 666.5 Sq. yds. situated at Lehal, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 3936 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 6 June 1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INNCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/190/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 2 Kanal situated at Village Tripari. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Gurinder Singh s/o Sh. Hardev Singh, r/o Patiala.
- (2) Shri Lal Inder Singh s/o Sh. Sukhinder Singh, R/O Tripari, Patiala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kanal situated at Village Triparl, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 4559 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

> NATHU RAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INNCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/191/78-79.—Whereas 1, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act).

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land measuring 2 kanal situated at Village Tripari, Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Gurinder Singh s/o Sh. Hardev Singh r/o Patiala.
- (2) Shri Harjinder Singh s/o Shri Sukhinder Singh, R/O Tripari, Patiala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kanal situated at Village Tripari, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 4560 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/173/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot measuring 4 kanal situated at Tripari, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jaswant Kaur w/o Sh. Rajinder Singh Grewal, Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.
- (2) Smt. Kamlesh Bansal w/o Shri Subash Kumar Bansal 1553-Purana Gadda Khana, Arya Samaj, Patiala

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4 kanal situated at Tripari, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 4222 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Rcf. No. PTA/273/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 4 kanal 14 marles situated at Village Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hardev Singh Grewal s/o Harcharan Singh Grewal, r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh & Sh. Amritbir Singh sons of Shri Gurcharan Singh R/o 133, Punjabi Bagh, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal 14 marlas situated at Village Tripari Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5745 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6th June 1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/254/78-79.—Whereas I, NATHU RAM. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 4 kanal 71 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent cousideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the seid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Harjit Singht Grewal s/o Sh. Hardev Singh Grewal R/o Babrian Road, Labori Gate, Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Amritbir Singh s/o Sh. Gurcharan Singh and Smt Raminder Kaur w/o Sh. Jasbir Singh r/o 133, Punjabi Bagh, Patiala. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal 71 marlas situated at Village Tri-

pari Saidan Patiala.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5595 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6th June, 1979

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Harjit Singht Grewal s/o Sh. Hardev Singh Grewal R/o Babrian Road, Lahori Gate, Patiala. (Transferor)

(2) Smt. Pritam Kaur wd/o Sh. Gutcharan Singh. Smt. Kuljinder Kaur w/o Sh. Amritbir Singh, R/o 133, Punjabi Bagh, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/256/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authorlty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanal 11 marlas situated at Village, Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal 11 marlas situated at Village Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5611 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

THE COLUMN TO SEE THE COLUMN THE PARTY OF TH

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/199/7 379.—Whereis I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Incorpe-ter Acquisition Range, Ludhiana

bing the Competent Authority under Section 269B of us Incomestax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and tearing No. Land measuring 3 kerel 11 marles situated at Village, Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1008) in the office of the Registering Officer at Patie'a in December, 1978

for an apparent confideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 22—136GI/79

(1) Shri Gurinder Singh Grawal /o Hardev Singh Grewal. R/o Babrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Jagdev Singh s/o Sh. Bhagwant Singh r/o Chang Teh. & Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubration of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 26 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanal 11 Marlas situated at Village, Tripari, Patiala.)

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4740 of December, 1978 of the Registering Officer. Patiala.)

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6th June 1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVINUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. SOL/17/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 964 Sq. meters situated in Sair, Solan, situated at Solan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Solan in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. C. Madhok s/o Sh. Rattan Lal, r/o Model Town, Ambala City.

(Transferor)

- (2) (i) Sh. Jiwan Lal Goel s/o Sh. Sunder Lal Goel Field Officer, 1.1.C. Solan.
 - Field Officer, 1.1.C. Solan.

 (ii) Sh. Shiv Nath Singh Tyagi, Lecturer, Govt.

 College Nalayarh
 - College, Nalagarh,
 (iii) Smt. Kusam Lata Goel d/o Sh. Brij Bhushan,
 Tank Road, Solan,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 964 Sq. Meters situated at Sair, Solan, (The property as mentioned in the Registered Deed No. 260 of dated 21-10-1978 of the Registering Officer, Solan).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/212/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 3 kanal 4 marla situated at Vill. Tripari Saidan, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurinder Singh Grewal s/o Sh. Hardev Singh Grewal, R/O Babrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Bhagwan Singh, R/o Chang, Tch. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanal 4 marlas situated at Village Tripari, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5000 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/197/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 kanal 7 marlas situated, at Village Tripari, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said satrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harjit Singh s/o Sh. Hardey Singh, r'e Enbron Road, Libiri Gate, Patiala. (Transferor)
- (2) Post Manja Kaur w/o Su. Iqbal Shigh, r. o Faciala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4° days from the date of publication of this notice 5 has Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuding 3 kanal 7 mar $^{\rm t}$ as situated at Village Tripari, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 470s of December, 1978 of the kegistering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, IUDITANA CENTRAL REVENUE DUILDING

Ludbiana, the 6th June 1979

Ref. No. CHD/247/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Composit Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Ant'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2: 000/- and bracing

No. Plot measuring 528.13 Sq. yard bearing No. 1529, Sector 33-D, situated at Chandigath

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in * ovember, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefo, by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stand in the stad instrument of san-fer with the object on the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Mrs. Sharda Sahoonja wd/o Lt. Col. D. P. Sahoonja House No. 1487, Sector 15, Faridabad.

The same the same is a first or a state of the same of

(Transferor)

(2) Lt. Col. K. D. R. Shaima s/o Late Pt. Sant Ram, R/O 3094, Sector 28-D, Chandigath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 528.13 Sq. yds. bearing No. 1529, Sector 33-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 705, of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF ENCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/137/78-79.—Whotens I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludbiana

being the Competent Authors, under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnster reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 80 Kanal 13 Marks situated in Village Bhatian, 7ch. & Distt, Patiala, situated at V. Bhatian Teh. & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in Oct. 1978

for an appa cut consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chhaja s/o Shri Ratna, R/o V. Ehatian, Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Nathu Ram s/o Shri Bakshi Ram, r/o Village Bhatian Teh. & Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 80 Kanal 13 Marlas situated at Village Bhatian, Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3637, of October, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

(1) Snit. Amer Kaur w/o Sh. Gian Singh, R/o House No. 2.9 Sector 35-A, Chandigarh. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Piare Int s/o Shri Putan Chand and, S/Shri Picm Sagar and Om Parkash sons of Sh. Piare Lal all r/o H. No. 679, Sector 20-A, Chandigarh.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

(3) 1. Shri K. C. Kaushik, 1st floor
2. Shri H. K. Juneja, 1st floor.
3. Shri Bhupinder Kumar, 2nd floor.
r > H. Mo. 679/20A, Chandigarh.

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

(Person in occupation of the Property)

Ludhiana, the 6th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Ref. No. CHD/242/78-79.—Whereas I. NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 cf 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing

(b) by any other person interested in the said property within 45 days from the immovable publication of this notice in the date of the Official Gazette.

No. 23 storeyed Building bearing No. 679, Sector 20-A Chandigarh situated at Chandigarh

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 679, Sector 20-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 655 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding: for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 6th June 1979

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. RAJ/19/78-79.—Whereas I. NATHU RAM, Inspecting Assistant Commission 1 of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

reing the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property No. 5J/1 Gobind Colony, Rajpura Township situated at Rajpura Distt. Patiala

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Pegistering Officer at Rajpura in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secron 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(i) Shii Manmohan Krishan Gaur s/o Sh. Raja Ram, r/o 5-1/1 Gobina Coloay. Rajpur. Township, (at present F-4/1 Melwia Nagar, New Delhi.)

(Transferor)

(2) Seet. Shekuatla Davi w/o Sh. Hira Lal, P./O D.J Mandi, Buland Schar (J.P.), at pres at r/o 5-J/1 Gob'nd Colony, Rajpura Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetre or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the C ficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 5-1/1, Gobind Colony, Rajpura Town. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 2848 of December, 1978 of the Registering Officer, Rajpura).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissional of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6th June 1979

FORM ITNS-----

(1) Shri Gurinder Singh Grewal s/o Shri Hardev Singl Grewal, R/o Mohalla Bibrian, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Kedar Kaur w/o Late Shri Manjit Singh r/o Mohalla Bhaikan, Sunam & Sh. Harjit Singh s/o Sh. Manjit Singh r/o Sanuar, Patiala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/162/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 kanal 6 marlas situated at Tripari near Grewal Filling Station, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 3 kanal 6 marlas situated at Tripari, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Decd No. 3968 of November 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sh. Manbir Singh Grewal s/o Brig Balbir Singh, through Smt. Savinderjit Kaur G.A. r/o 8-A, Civil Lines, Bhatinda.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ashok Kumar s/o Sh. Mela Ram c/o Ashok Store, Chowk Girja, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferees)

OFFICA OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. LDH/135/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster reserved to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/2 portion of house property No. B-XIX-354-D, situated near Khalsa College for Women, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of house property No. B-XIX-354-D, situated near Khalsa College For Women, Dr. Hira Singh Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3270 of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. LDH/139/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 portion of house property No. B-XIX-354-D, Dr. Hira Singh Road, near Khalsa College for Women, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1978

ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manvir Singh Grewal 8/0 Brig. Balbir Singh through Smt. Savinderjit Kaur, G.A. R/0 8-A, Civil Lines, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Mela Ram, c/o N/s. Ashok Store, Girja Ghar, Chowk, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the struce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of house property No. B-XIX-354-D, Dr. Hira Singh Road, near Khalsa College for Women, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed 3336 of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/166/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Part of House No. 7565/5, Hira Nagar, Badungar, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Jagjit Singh Sidhu s/o Ram Narain Singh, R/O H. No. 596, Sector 18-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Manjit Sodhi w/o Sh. Satnam Singh Sodhi, Sirhandi Bazar, Patiala.

(Transferee)

(3) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Shri Keshav Dayal Singh r/o Sirhandi Bazar, Patiala.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House property No. 7565/5, Hira Nagar, Badungar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered dood No. 4047 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6th June 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/151/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Part of house property No. 7565/5, situated at Hira Nagar, Badungar, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagjit Singh Sidhu s/o Sh. Ram Narain Singh r/o H. No. 596, Sector 18-B, Chandigarh, (Transferor)
- (2) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Shri Keshab Diayal Singh Sirhandi Bazar, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House property No. 7565/5, Hira Nagar, Badungar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3817 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

Scal:

 Shri Jagjit Singh Sidhu s/o Shri Ram Narain Singh r/o 596/18B, Chandigarh.

(Trasferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Shri Keshavdayal Singh, Sirhindi Bazar, Patiala.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/150-A/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of property No. 7565/5, Hira Nagar, Bandugar, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House property No. 7565/5, Hira Nagar, Bandugar, Patiala.

(Property as fully described in Registered Deed No. 3702 of October, 1978 of Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-STONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/150/78-79.—Whereas I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of property No. 7565/5, situated at Hira Nagar, Badungar Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent-consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Jagjit Singh Sidhu s/o Sh. Ram Narain Singh, H. No. 596, Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Sodhi w/o Sh. Satnam Singh Sodhi, r/o Sirhindi Bazar, Patiala.

(Transferee)

(3) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Sh. Keshavdial Singh R/o Sirhindi Bazar, Patiala. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 7565/5, Hira Nagar, Badungar, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 3816 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/167/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Part of House property No. 7565/5, Hira Nagar, Badungar, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala on November 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagjit Singh s/o Shri Ram Narain Singh, R/o H. No. 596, Sector 18-B, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Sh. Keshab Dial Singh Sirhandi Bazar, Patiala, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property No. 7565/5 Hira Nagar, Badungar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4048 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6 June 1979

Scal: